शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 108 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का 32 गांवों में संपर्क अभियान पेज 3
पिनाका रॉकेट के बाद अब आर्मेनिया ने भारत से खरीदी माउंटेड आर्टिलरी गन पेज 4
कोरोन ने छीना सिर से अपनों का साया, योगी सरकार ने अपनाया पेज 5
मुफ्त दिए जाने का प्रलोभन गुजरात में चलने वाला नहीं : मनोहर शरण पेज 8

पूर्वोत्तर में चीनी सीमा तक पटरियां बिछाएगी रेलवे

नई दिल्ली /गुवाहाटी। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भारतीय रेलवे ने पड़ोसी देश भूटान को जोड़ने के अलावा अरुणाचल प्रदेश, सभी राज्यों की राजधानियों में चीन की सीमा तक पटरियां यानी रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। भारतीय रेलवे चीन सीमा पर भालुकपोंग से तवांग तक और सिलापथार से अलांग वाया बामे तक रेलवे लाइनों का निर्माण करेगी। बनकर तैयार होने के बाद सामरिक महत्व की होगी क्योंकि यह कम से कम समय में सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में इन नई रेलवे परियोजनाओं का फाइनल लोकेशन सर्वे जोरों पर है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची दे ने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है। भालुकपोंग से तवांग, सिलापाथर से अलांग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना है। लंका से असम में चंद्रनाथपुर तक दूसरी रेलवे लाइन बनाने की योजना है जो असम के डीमा हसाओ जिले के पहाड़ी खंड में बाईपास होगा। इस साल की शुरुआत में बाढ़ और भूस्खलन के कारण डीमा हसाओ के कुछ हिस्से में रेलवे ट्रैक उखड़ गए थे, जिनकी युद्ध स्तर पर मरम्मत की गई है और अब पूरी तरह से काम कर रहे हैं। रेलवे की योजना पड़ोसी देश भूटान को भी जोड़ने की है। रेलवे के माध्यम से भूटान को जोड़ने की योजना बनाई गई है और नई रेलवे लाइन कोकराझाड़ (असम में) से भूटान के गेलेफू तक होगी। यह नई रेलवे लाइन करीब 58 किमी लंबी होगी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे सीपीआरओ ने कहा कि क्षेत्र में नई रेलवे परियोजनाओं का कुल खर्च करीब 1.15 लाख करोड़ रुपए है। इन परियोजनाओं का दायरा नई लाइनों, दोहरीकरण, स्टेशन विकास, विद्युतीकरण से लेकर है। कनेक्टिविटी परियोजनाएं पूरे जोरों पर चल रही हैं। मिजोरम और मणिपुर की राजधानियों को जोड़ा जा रहा है। एक वर्ष में नगालैंड और सिक्किम की राजधानियों से जुड़ सकेंगे। गुवाहाटी के लिए दो मुख्य लाइनें जो नई हैं बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या, और न्यू बंगाईगांव-ग्वालपाड़ा-कामाख्या दोगुने हो रहे हैं। हमने विद्युतीकरण भी किया है, हम अब गुवाहाटी से आगे जा रहे हैं। लुमडिंग से तिनसुकिया तक लाइन को दोहरीकरण करने की भी योजना बनाई गई है। अगले साल के अंत तक पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में पूरे रेलवे नेटवर्क को विद्युतीकृत करने की योजना बनाई है। इसके कुछ स्टेशनों कामाख्या, न्यू जलपाईगुड़ी, अगरतला, सिलचर और न्यू तिनसुकिया स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशनों के रूप में विकसित किया जाएगा। राजधानी स्टेशनों को भी विश्वस्तरीय स्टेशनों के रूप में विकसित किया जाएगा और इन स्टेशनों में उस स्थान की संस्कृति और इतिहास को प्रतिबिंबित करने का प्रयास होगा। पूर्वोत्तर मंडल में देश में सबसे अधिक हाथी कारिडोर हैं और इसने रेलवे लाइनों में जानवरों का पता लगाने के लिए *घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली* नामक एक प्रणाली विकसित की है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे लाइनों में जानवरों का पता लगाने के लिए घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली शुरू करने तैयारी है। यह एक कृत्रिम बुद्धि आधारित आप्टिकल फाइबर सिस्टम है, जिसमें हाथियों के रेलवे ट्रैक के पास आने का पता लगाने की क्षमता है।

अंतर्राज्यीय सीमा समाधान को लेकर असम और अरुणाचल के मुख्यमंत्रियों की चर्चा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री स्तर की बैठक में सीमा समस्या के समाधान के लिए सकारात्मक चर्चा हुई। गुरुवार को गुवाहाटी के कोइनाधारा स्थित स्टेट गेस्ट हाऊस नंबर-1 में आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू का असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असमिया परंपरा के अनुसार स्वागत किया। नामसाई घोषणा के अनुरूप -शेष पृष्ठ दो पर

निजी मदरसा दिसंबर तक पूरा ब्योरा दें : राज्य सरकार

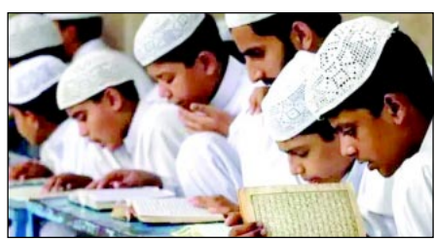

गुवाहाटी। उत्तर प्रदेश के बाद अब असम सरकार ने भी असम के मदरसों से जानकारी मांगी है। असम के निजी मदरसों को इस साल एक दिसंबर तक अपने संस्थानों के बारे में सभी जानकारी राज्य सरकार को उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसमें मदरसों की जगह, सेवारत शिक्षकों के परिचय समेत सभी जानकारी प्रदेश सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग को एक दिसंबर तक जमा करने के लिए कहा गया है। इससे पहले चार सितंबर को, असम के डीजीपी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मदरसों को चलाने वाले कई संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक हुई और कई फैसले लिए गए थे। इसमें यह सुनिश्चित भी किया गया कि धार्मिक शिक्षा के नाम पर कोई भी चरमपंथी तत्व मदरसे में शरण न लें। असम -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में दस करोड़ के याबा टेबलेट बरामद

एजल (हि.स.)। मिजोरम से प्रतिबंधित नशीला याबा टेबलेट लाने की कोशिश कर रहे असम के करीमगंज जिले के दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से बड़ी मात्रा में अवैध -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

आधार कार्ड को दस साल बाद अपडेट कराना अनिवार्य

नई दिल्ली। आधार कार्ड हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। वहीं अब यूआईडीएआई ने नई गाइडलाइंस जारी कर दी है जिसके तहत अब हर भारतीय को आधार कार्ड को 10 साल बाद अपडेट कराना अनिवार्य होगा। सरकार ने आधार नियम में संशोधन किए हैं। इसके तहत आधार संख्या प्राप्त करने से 10 साल पूरा होने के बाद कम-से-कम एक बार संबंधित दस्तावेजों का अद्यतन (अपडेट) कराना जरूरी होगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी गजट पत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार आधार अद्यतन होने से केंद्रीय पहचान डाटा भंडार (सीआईडीआर) में संबंधित जानकारी की निरंतर आधार पर सटीकता सुनिश्चित होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि आधार धारक आधार के नामांकन की तारीख से हर 10 साल पूरे होने पर कम-से-कम एक बार पहचान और निवास -शेष पृष्ठ दो पर

शिवसागर सहित ऊपरी असम में भूकंप के झटके

गुवाहाटी। शिवसागर सहित ऊपरी असम के कई हिस्सों में गुरुवार सुबह करीब 10:32 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.6 मापी गई है। लेकिन किसी के हातहत की अभी तक खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार, भूकंप हल्की तीव्रता का था और इसे ऊपरी असम के कई जिलों में महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले में आलो के पास बताया गया है।

उत्तर बंगाल को अलग करने की हो रही साजिश : ममता

रानाघाट। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उत्तर बंगाल को राज्य से अलग करने के लिए बिहार और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से आग्नेयास्त्रों की तस्करी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस उद्देश्य के लिए वीआईपी वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इस तरह के प्रयासों को रोकने के लिए जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया। ममता बनर्जी ने अधिकारियों से कड़ी निगरानी रखने को भी कहा, उनका कहना है कि कुछ लोगों की योजना दिसंबर से राज्य में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मतदाता सूची को अपग्रेड करने में शामिल अधिकारियों से कहा कि वे 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके लोगों को इसमें शामिल करें और किसी को भी धार्मिक पहचान से बाहर न करें। एक बैठक में सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि साजिश रची जा रही है और कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 30 प्रतिशत मतदाताओं को नई सूची से बाहर -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

दिल्ली में गर्भवती महिलाएं घरों में रहें : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता खराब होने के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय है कि प्रदूषण से गर्भवती महिलाओं पर नकारात्मक असर पड़ सकता है जिसके कारण समय पूर्व प्रसव, नवजात का वजन कम या उसमें अन्य विसंगतियां होने के खतरे हो सकते हैं। राजधानी में हवा की गुणवत्ता बिगड़ने पर डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं को सलाह दी है कि जितना संभव हो घरों -शेष पृष्ठ दो पर

पेंशन में जमा लोगों का पैसा राज्य सरकारें नहीं ले सकतीं : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) में जमा पैसा इसमें योगदान करने वाले व्यक्तियों का है और कानून के तहत राज्य सरकारें इसे नहीं ले सकतीं। सीतारमण ने संवाददाता सम्मेलन में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने से जुड़े सवालों के जवाब में कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकारें केंद्र से पैसा लौटाने के लिये कह रही हैं, कानून के तहत ऐसा नहीं हो सकता। इन दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था शुरू करने के लिये केंद्र से एनपीएस के तहत जमा लोगों का पैसा लौटाने को कहा है। दोनों कांग्रेस शासित राज्यों ने सरकारी कर्मचारियों के लिये पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओपीएस) फिर से लागू करने को अधिसूचित किया गया है। उनका कहना है कि केंद्र कर्मचारियों का -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में बढ़े प्रदूषण पर तत्काल सुनवाई नहीं : एससी

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़े प्रदूषण के स्तर पर तत्काल सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। यही नहीं चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि अदालत हर चीज में नहीं घुस सकती। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रदूषण के मामले पर तत्काल सुनवाई की अर्जी को खारिज कर दिया। जस्टिस चंद्रचूड़ ने पराली जलाए जाने से पलूशन को लेकर कहा कि क्या इसे बैन किया जा सकता है। चीफ जस्टिस ने कहा कि क्या आप सोचते हैं कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संधि और एकता होने पर भी सतर्क रहें।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अरुणाचल भूकंप के झटकों से दो बार हिला

नई दिल्ली/ईटानगर। अंडमान के बाद अरुणाचल प्रदेश की धरती गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटकों से हिल गई। अरुणाचल में में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार पहला भूकंप सुबह करीब 10:31 बजे 5.7 तीव्रता का आया। भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग में रहा। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। वहीं, राज्य में दूसरा भूकंप 10:59 मिनट पर आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

हिमालय में विनाशकारी भूकंप आ सकता है कभी भी

नई दिल्ली। नेपाल में बुधवार तड़के 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इसने दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम और लखनऊ सहित उत्तर भारत के भी कुछ हिस्सों को हिला दिया। नेपाल के दोती जिले में एक मकान गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि नेपाल में सुबह 1.57 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके नेपाल की सीमा से लगे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 90 किमी दक्षिण पूर्व में आए। इससे पहले मंगलवार शाम को क्षेत्र में 4.9 तीव्रता और 3.5 तीव्रता के दो भूकंप आए थे। नेपाल हिमालय की गोद में बसा है। यहां आए दिन अक्सर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अप्रैल 2015 आए विनाशकारी भूकंप ने नेपाल को हिलाकर रख दिया था। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि उस भूकंप में 8,964 लोग मारे गए थे और 21,952 लोग घायल हुए थे। वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में ऐसे ही विनाशकारी भूकंप की पूरी संभावना बनी हुई है। हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना के बावजूद इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता और इसके मद्देनजर वैज्ञानिकों ने इससे डरने की बजाय उसका सामना करने के लिए पुख्ता तैयारियों पर जोर दिया है। यहां वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान में वरिष्ठ भू-भौतिक विज्ञानी डॉक्टर अजय पॉल ने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

शराब पीकर सोए 24 हाथी ढोल पीटने से जगे

नई दिल्ली। ओडिशा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां के एक जंगल में महुआ से बनी शराब पीकर 24 हाथियों का एक झुंड घंटों तक गहरी नींद सोता रहा। बाद में वन विभाग के कर्मचारियों ने ढोल पीटकर उन्हें उठाया और फिर हाथियों का झुंड जंगल में चला गया। यह मामला तब सामने आया जब पास के ही गांव के रहने वाले लोग शराब बनाने के लिए जंगल में पहुंचे थे। उन लोगों ने देखा कि हाथियों का झुंड बड़े बर्तनों में किण्वन के लिए रखे गए महुआ के फुले से भरे पानी को पी गया था। हाथियों ने बर्तनों को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सूचना और नवाचार के बिना आज के युग में जीवन कठिन : धनखड़

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार के बिना आज के युग में जीवन कठिन है। इंफ्रास्ट्रक्चर आसान है, लेकिन इनोवेशन मुश्किल है। धनखड़ गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में नए भारत के निर्माण के लिए आधारभूत संरचना, सूचना और नवाचार पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस सम्मेलन में बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को कवर किया जाएगा, क्योंकि इन तीनों के बिना आज के युग में काम चलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि आज भारत पहले से कहीं ज्यादा तेज गति से उभर रहा है। आज भारत को वह स्थान मिल रहा है, जो सदियों पहले था। विश्व में भारतीयता और भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है। जिन चीजों की कभी कल्पना भी नहीं की गई थी, वे आज हकीकत बन रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने तब भी मजबूती दिखाई, जब कोविड महामारी के दौरान लंदन और यूरोप सहित कई देशों में स्वास्थ्य ढांचा विफल हो गया था। देश की 200 करोड़ आबादी का टीकाकरण करना कोई आसान काम नहीं था, जिसे भारत सरकार ने साकार किया है। उन्होंने मोदी के नेतृत्व में तकनीकी विकास का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग बिल जमा करने से लेकर अनेकों सेवाओं के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़े रहकर समय बर्बाद करते थे, लेकिन सरकार की दूरगामी सोच के साथ डिजिटल इंडिया पहल ने सभी ऐसी सेवाओं को डिजिटल करके सुगम बना दिया है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा हर चीज का मूल है, लेकिन कभी-कभी यह दिखाई नहीं देता है। इसे देश में तकनीकी रूप से मजबूत किया गया है। आज वंदे भारत ट्रेनों ने यात्रा के समय को बहुत कम कर दिया है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का जिक्र करते हुए कहा कि 34 साल बाद यह क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। शिक्षा नीति के निर्माण में सभी हितधारकों से इनपुट लिया गया है। इस नीति में पहली बार भारतीयता को समझा गया है। इस नीति के तहत मातृभाषा पर जोर देकर देश की प्रतिभाओं को चमकने का मौका दिया गया है। धनखड़ ने कहा कि आज दुनिया की कई बड़ी कंपनियों में भारतीय लोग ऊंचे पदों पर आसीन हैं। भारत के सभी प्रतिभाशाली लड़के और लड़कियां कमाल कर रहे हैं। अब समय आ गया है जब युवाओं को प्रामाणिक राय बनाने वाला बनना होगा। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव काल में आत्मनिर्भर भारत एक नई अवधारणा के रूप में उभरा है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय को 100 वर्ष पूरे करने पर बधाई देते हुए कहा कि अब उच्च मानक स्थापित करने की आवश्यकता है। इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, गांधी स्मृति और दर्शन समिति और दिल्ली पुस्तकालय संघ और एस.आर.एफ.एल.आई.एस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गांधी स्मृति व दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

नाबालिग से शादी करने का आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस की टीम ने चाइल्ड लाइन के सहयोग से नाबालिक बच्ची के साथ शादी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि चाइल्ड लाइन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए वशिष्ठ थाना की एक पुलिस टीम ने सातकुची की एक नाबालिग लड़की से शादी करने के आरोपी मुकालमुआ के नबजीत कलिता को गिरफ्तार किया है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ज्ञानवापी काशी विश्वनाथ मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को पीठ का गठन करेगा। बता दें कि कथित शिवलिंग के क्षेत्र को संरक्षित रखने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश 12 नवंबर को खत्म हो रहा है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मिले *शिवलिंग* की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर कल दोपहर 3 बजे सुनवाई के लिए राजी हो गया है। साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह मामले की सुनवाई के लिए, एक बेंच का गठन करेगी। हिन्दू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में बंद तहखानों का ताला खुलवाकर सर्वे कराने की मांग की है। उनका दावा है कि वहां शिवलिंग मिला है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के प्रतिवेदन पर गुरुवार को गौर करते हुए कहा कि मामले में दिया संरक्षण का आदेश 12 नवंबर को समाप्त हो रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हम कल (शुक्रवार को) दोपहर तीन बजे एक पीठ का गठन करेंगे। इससे पहले अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि मस्जिद के अंदर जिस स्थान पर शिवलिंग पाए जाने की सूचना है, वह सुरक्षित रहे। हालांकि पीठ ने आदेश दिया कि इससे मुसलमानों के नमाज अदा करने के अधिकार को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने जिला न्यायाधीश, वाराणसी को निर्देश दिया था कि वह मामले को खारिज करने की मांग करने वाली ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति के आवेदन पर फैसला करे। समिति ने कहा था कि पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के मद्देनज़र यह मुकदमा चलने योग्य नहीं था।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका, पांच की मौत

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में बड़ा हादसा हुआ है। जिले की एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ है। धमाके में पांच मजदूरों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है धमाके से पहले फैक्ट्री में आग लगी थी। फैक्ट्री में धमाके की सूचना मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को फौरन इसकी जानकारी दी। धमाके की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मदुरै के एसपी ने पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि मदुरै जिले के उसिलामबत्ती इलाके के पास एक पटाखा फैक्ट्री में आग लग गई। आग के बाद हुए धमाके के कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

तालिबानी नया फरमान : जिम नहीं जा पाएंगी महिलाएं

काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से तालिबान अब तक कई फरमान जारी कर चुका है। गुरुवार को तालिबान ने अफगानिस्ता नमें महिलाओं के जिम जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तालिबान के एक साल से अधिक समय पहले सत्ता संभालने के बाद से महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता पर नकेल कसने का यह नया फरमान है। तालिबान पिछले साल अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज हुआ था। उन्होंने देश में माध्यमिक और हाई स्कूल जाने पर लड़कियों पर प्रतिबंध लगा दिया है, महिलाओं को रोजगार के ज्यादातर क्षेत्रों में प्रतिबंधित कर दिया है और महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सिर से लेकर पैर तक बुर्के में ढके रहने का आदेश दिया था। धार्मिक मामलों के मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिबंध लगाया जा रहा है क्योंकि लोग आदेशों की अनदेखी कर रहे थे और महिलाओं ने हिजाब पहनने संबंधी नियमों का पालन नहीं किया। महिलाओं के पार्क में जाने पर भी पाबंदी है। महिलाओं के जिम और पार्क में जाने पर प्रतिबंध इसी हफ्ते से लागू हो गया है। प्रवक्ता ने कहा कि लेकिन, दुर्भाग्य से, आदेशों का पालन नहीं किया गया और नियमों का उल्लंघन किया गया और हमें महिलाओं के लिए पार्क और जिम बंद करने पड़े। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मौकों पर हमने पुरुषों और महिलाओं, दोनों को एकसाथ कई पार्क में देखा है और दुर्भाग्य से उन्होंने हिजाब नहीं पहन रखा था। इसलिए हमें एक और निर्णय लेना पड़ा और हमने सभी पार्क और जिम को महिलाओं के लिए बंद करने का आदेश दिया।

17वें जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया दौरे पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 14 से 16 नवंबर तक इंडोनेशिया के बाली का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल ट्रांसफार्मेशन सहित जी-20 शिखर सम्मेलन के एजेंडे के हिस्से के रूप में तीन कार्य सत्र आयोजित किए जाएंगे। भारत एक दिसंबर को मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया से इस शक्तिशाली समूह की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। जी-20 रूप विश्व की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। इस समूह में भारत, इंडोनेशिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन 15 और 16 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में पीएम मोदी सहित दुनिया के शीर्ष नेता शामिल होंगे। मालूम हो कि जी-20 अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का मंच है, जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जड़क) के 85 प्रतिशत, ग्लोबल ट्रेड का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की करीब दो तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत इंडोनेशिया और इटली के साथ वर्तमान में इस समूह का जी-20 का हिस्सा है।

ईसी ने एग्जिट पोल के प्रसारण व प्रकाशन पर 5 दिसंबर तक लगाई रोक

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद एक्जिट पोल के प्रसारण व प्रकाशन पर 5 दिसंबर शाम 5.30 बजे तक रोक लगा दी है। गुरुवार को चुनाव आयोग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा 1 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग उक्त धारा की उप धारा 2 के उपबंधों के दृष्टिगत 12 नवंबर शनिवार को सुबह 8 बजे से 5 दिसंबर सोमवार शाम 5.30 बजे तक हिमाचल प्रदेश और गुजरात की विधानसभाओं के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट या इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार पर प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर को हिमाचल प्रदेश में मतदान होना है। वहीं, गुजरात में अंतिम चरण के अंतिम चरण के लिए 5 दिसंबर को मतदान होना है।

एनएसए डोभाल स्काल आफ आनर से सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) ने स्क्राल आफ आनर से सम्मानित किया है। डोभाल ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सेना के प्रमुख संस्थान का दौरा करने पर पुरस्कार हासिल किया। डोभाल एनडीसी के पूर्व छात्र हैं। सेना के संस्थान के 62वें कोर्स का हिस्सा रहे छात्रों को अपने संबोधन में अजित डोभाल ने *इंडिया 2050 : पोटेंशियल एंड प्रासंगिकता* विषय पर भी बात की। उन्होंने देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था और शक्तिशाली मानव पूंजी के कारण भारत के उज्वल भविष्य को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भू-राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा देने वाला देश है। इससे पहले राज्य स्थापना दिवस पर 2022 के उत्तराखंड गौरव सम्मान पुरस्कार की घोषणा की गई थी। उत्तराखंड सरकार ने इसके लिए राज्य के पांच विभूतियों के नामों की घोषणा की थी। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ रहे जनरल स्व बिपिन रावत, फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी, प्रसिद्ध गीतकार स्व गिरीश चंद्र तिवारी गिर्दा और साहित्यकार स्व वीरेन डंगवाल के नाम शामिल हैं। इनमें तीन विभूतियों को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया। पुरस्कार में एक लाख रुपए की सममान राशि, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न प्रदान किया गया। राज्य स्थापना दिवस पर नौ नवंबर को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

अंतर्राज्यीय सीमा समाधान ...

मुख्यमंत्री खांडू के नेतृत्व में अरुणाचल का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी चर्चा के दौरान मौजूद रहा। मुख्यमंत्रियों की बैठक में असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच लंबे समय से चली आ रही सीमा समस्या के समाधान पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बताया कि अन्य मुद्दों के अलावा दोनों राज्यों के मंत्रियों की संयुक्त अध्यक्षता में गठित क्षेत्रीय समितियों द्वारा प्राप्त प्रगति पर भी आज की बैठक में विचार किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुझे यकीन है कि दोनों राज्य जल्द ही एक समझौते पर पहुंच जाएंगे, जो सभी की संवेदनशीलता और आकांक्षाओं का ख्याल रखेगा। इस बैठक में असम के प्रतिनिधिमंडल में मंत्री जयंत मल्लबरुवा, बिमल बोरा, संजय किसान, अतुल बोरा मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा अरुणाचल प्रदेश के मंत्री एवं अधिकारी मौजूद थे।

निजी मदरसा दिसंबर...

पुलिस के सीपीआरओ राजीव सइकिया ने कहा, एक पोर्टल पर काम चल रहा है, जहां सभी निजी मदरसों की जानकारी अपलोड की जाएगी और जल्द ही पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। डीजीपी भास्कर ज्योति महंत ने कहा कि दो मदरसों के बीच कम से कम तीन किमी की दूरी होनी चाहिए और प्रत्येक मदरसे में कम से कम 100 छात्रों का नामांकन होना चाहिए। इस साल की शुरुआत में मदरसों में कार्यरत कई शिक्षकों को अल-कायदा भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद राज्य के कई मदरसे जांच के दायरे में आ गए थे।

मिजोरम में दस ...

रूप से लाए जा रहे याबा टेबलेट बरामद किए हैं। पुलिस ने इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए आंकी है। प्रदेश पुलिस की विशेष सीआईडी टीम ने गुरुवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे एजल के लुआंगमुआल इलाके में करीमनगर जा रही एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली। कार में बड़ी मात्रा में याबा टेबलेट मिले। मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान करीमगंज निवासी ड्राइवर शालिम उद्दीन (26) और अलीकुर रहमान (21) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक कार से 19.223 किग्रा वजन की दो लाख याबा टेबलेट बरामद किए गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब्त याबा टेबलेट की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत कम से कम 10 करोड़ रुपए होगी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

आधार कार्ड को ...

प्रमाणपत्र वाले दस्तावेजों का अद्यतन करा सकते हैं। इससे सीआईडीआर में आधार से जुड़ी जानकारी की निरंतर आधार पर सटीकता सुनिश्चित होगी...। जानकारी अद्यतन करने को लेकर आधार (नामांकन और अद्यतन) विनियमन के प्रावधान में बदलाव किया गया है। आधार संख्या जारी करने वाले भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने पिछले महीने लोगों से आग्रह किया था कि अगर उन्हें आधार संख्या लिए 10 साल से अधिक हो गए हैं और उन्होंने संबंधित जानकारी का दोबारा अद्यतन नहीं कराया है, वे पहचान और निवास प्रमाण दस्तावेजों को अद्यतन कराएं। लोगों को जानकारी अद्यतन करने के लिए चीजें आसान बनाने को लेकर यूआईडीएआई ने नई विशेषता...दस्तावेज अद्यतन...जोड़ी है। इस सुविधा का उपयोग माई आधार पोर्टल और माई आधार ऐप के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। संबंधित व्यक्ति इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए किसी भी आधार नामांकन केंद्र पर भी जा सकते हैं। नई सुविधा के जरिये आधार धारक पहचान प्रमाणपत्र (नाम और फोटो युक्त) और निवास प्रमाणपत्र (नाम और पता युक्त) दस्तावेज अद्यतन कर संबंधित जानकारी को फिर से सत्यापित कर सकते हैं। अब तक 134 करोड़ आधार नंबर जारी किए गए हैं, यूआईडीएआई के नवीनतम कदम के बाद कितने आधार धारकों को अपनी जानकारी अद्यतन करने की जरूरत होगी, यह फिलहाल पता नहीं चला है।

उत्तर बंगाल को ...

कर दिया गया है। ममता बनर्जी ने बैठक में कहा कि मैं अधिकारियों से अनुरोध करती हूं कि चुनाव आयोग के नियम के अनुसार सभी का नाम शामिल करें। उन्हें 18 साल के हो चुके लोगों को शामिल करना चाहिए और धार्मिक पहचान के आधार पर किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए। सीएम ने डीएम और एसपी को मतदाता सूचियां तैयार करने पर नजर रखने का भी निर्देश दिया ताकि यह जांचा जा सके कि कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएम, एसपी को उन शिविरों का औचक दौरा करना चाहिए जहां मतदाता सूचियां तैयार की जाती हैं। विधायकों, जिला परिषद सदस्यों को भी इस पर नजर रखनी चाहिए। बुधवार को प्रकाशित एक मतदाता सूची के मसौदे के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 7,42,88,233 मतदाता हैं, जो एक साल पहले की तुलना में 12,577 कम हैं।

दिल्ली में गर्भवती ...

में रहें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गर्भवती महिलाओं, 60 साल से अधिक उम्र के लोगों और पांच साल से छोटे बच्चों को खराब वायु गुणवत्ता के जोखिम और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों से सचेत किया है। हाल में जारी एक उपग्रह चित्र में भारत में एक कचरा स्थल के पास बड़ी मात्रा में मीथेन देखी गई। यशोदा अस्पताल हैदराबाद के डॉ विश्वेश्वरन बालासुब्रमण्यम ने कहा कि यह बात कोई रहस्य नहीं है कि ये गैस मानव शरीर में विभिन्न हृदय, फेफड़े, कान-नाक-गला और त्वचा संबंधी परेशानियों का सबब बनती हैं। नुकसानदायक तत्वों के शरीर के अंदर जाने से ऐसी स्थिति बन जाती है जो कई बार गंभीर हो जाती हैं। गर्भवती महिलाओं को घर से बाहर निकलते समय एन-95 मास्क पहनने की सलाह देते हुए डॉ बालासुब्रमण्यम ने कहा कि ऐसे माहौल में सबसे अधिक जोखिम में गर्भवती महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन बताते हैं कि इस तरह के माहौल में गर्भवती महिलाओं को समय से पहले प्रसव पीड़ा होने का खतरा होता है और इसके साथ ही जन्म के समय बच्चे का वजन कम होने, उसके फेफड़े अविकसित होने और बच्चे में कई अन्य घातक स्थितियों का खतरा होता है। बालासुब्रमण्यम ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चे की जन्म के समय या गर्भ में ही मृत्यु हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्यावरण में मां बनने वाली महिलाओं को प्रदूषण से दूर रहना चाहिए तथा तरल पदार्थ एवं पोषाहार का अधिक सेवन करना चाहिए। उजाला साइनस अस्पताल समूह की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ एकता बजाज ने कहा कि वायु प्रदूषण से गर्भवती महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा गर्भपात का जोखिम भी बढ़ा सकती है।

पेंशन में जमा लोगो...

पैसा नहीं रख सकता है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में भी यह व्यवस्था फिर से शुरू करने का वादा किया है और यह राज्य विधानसभा चुनाव में प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया है। राज्य में 1.75 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। हिमाचल प्रदेश में चुनाव 12 नवंबर को होने हैं। सीतारमण ने शिमला में संवाददाताओं से कहा किकानून के तहत, एनपीएस के तहत केंद्रीय मद में जमा पैसा राज्यों को नहीं जा सकता। यह केवल उन कर्मचारियों के पाए जाएगा, जो इसका योगदान कर रहे हैं। क्या हम कानून बदल सकते हैं? यह केंद्र के पास जमा कर्मचारियों का पैसा है। यह पैसा केवल लाभार्थी कर्मचारियों के पास जाएगा न कि किसी एक प्राधिकरण या इकाई के पास। उन्होंने कहा कि मैं यहां राजनीति की बात नहीं कर रही हूं। मैं केवल कानून की बात कर रही हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि केंद्र ने एनपीएस के अंतर्गत पंजीकृत राज्य सरकार के कर्मचारियों का 17,000 करोड़ रुपए लौटाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र लंबे समय तक पैसा नहीं रख सकता और राज्य सरकार ने इस बारे में कानूनी राय मांगी है और अदालत जा सकती हैं।

दिल्ली में बढ़े ...

समस्या के समाधान के लिए हमें सब कुछ बैन कर देना चाहिए? क्या हमें सब कुछ रोक देना चाहिए? चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें उन मामलों को ही सुनना चाहिए, जिन पर न्यायिक पक्ष के तौर पर कुछ कर सकते हैं। अदालत हर मामले में घुस सकती। इस पर हम तत्काल सुनवाई नहीं करने जा रहे। इसे नियम के तहत ही आने दीजिए। नवंबर के पहले सप्ताह से ही दिल्ली-एनसीआर की हवा खराब चल रही है। गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और दिल्ली समेत एनसीआर के तमाम इलाकों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स बेहद खराब रहा है। इस प्रदूषण के लिए हरियाणा और पंजाब में पराली जलाए जाने को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। प्रदूषण के खिलाफ दायर अर्जी में मांग की गई थी कि अदालत को आदेश देना चाहिए कि पराली जलाए जाने पर रोक लगे। गौरतलब है कि बुधवार को ही चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने पद की शपथ ली थी। उनका शीर्ष अदालत के मुखिया के तौर पर दो साल का कार्यकाल रहने वाला है। आधार कार्ड की अनिवार्यता, अयोध्या विवाद, एलजीबीटी समेत तमाम अहम मुद्दों की सुनवाई का वह हिस्सा रहे हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता वाईवी चंद्रचूड़ भी देश के मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। बुधवार को शपथ लेने के बाद वह गांधी जी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे और खुद को जनता का चीफ जस्टिस बताया था।

हिमालय में विनाशकारी...

कि इंडियन प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टक्कर से हिमालय अस्तित्व में आया है और यूरेशियन प्लेट के लगातार इंडियन प्लेट पर दबाव डालने के कारण इसके नीचे इकट्ठा हो रही विकृति ऊर्जा समय-समय पर भूकंप के रूप में बाहर आती रहती है। उन्होंने कहा कि हिमालय के नीचे विकृति ऊर्जा के इकट्ठा होते रहने के कारण भूकंप का आना एक सामान्य और निरंतर प्रक्रिया है। पूरा हिमालय क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से बहुत संवेदनशील है और यहां एक बड़ा बहुत बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना हमेशा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह बड़ा भूकंप रिक्टर पैमाने पर सात या उससे अधिक तीव्रता के होने की संभावना है। हालांकि, डॉ. पॉल ने कहा कि विकृति ऊर्जा के बाहर निकलने या भूकंप आने का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह कोई नहीं जानता कि कब ऐसा होगा। यह अगले क्षण भी हो सकता है, एक महीने बाद भी हो सकता है या सौ साल बाद भी हो सकता है। हिमालय क्षेत्र में पिछले 150 सालों में चार बड़े भूकंप दर्ज किए गए, जिनमें 1897 में शिलांग, 1905 में कांगड़ा, 1934 में बिहार-नेपाल और 1950 में असम का भूकंप शामिल है। हालांकि, उन्होंने साफ कहा कि इन जानकारियों से भी भूकंप की आवृत्ति के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि 1991 में उत्तरकाशी और 1999 में चमोली के बाद 2015 में नेपाल में भूकंप आया। उन्होंने कहा कि भूकंप से घबराने की बजाय इससे निपटने के लिए केवल अपनी तैयारियां पुख्ता रखनी होंगी, जिससे भूकंप से होने वाले जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए निर्माण कार्य को भूकंप-रोधी बनाया जाए, भूकंप आने से पहले, भूकंप के समय और भूकंप के बाद की तैयारियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए तथा साल में कम से कम एक बार मॉक ड्रिल आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि अगर इन बातों का पालन किया जाए तो नुकसान को 99.99 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस संबंध में उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अपनी अच्छी तैयारियों के कारण लगातार मध्यम तीव्रता के भूकंप आने के बावजूद वहां जान-माल का नुकसान ज्यादा नहीं होता। उन्होंने बताया कि वाडिया संस्थान भी *भूकंप: जानकारी ही बचाव है* अभियान के तहत स्कूलों और गांवों में जाकर लोगों को भूकंप से बचाव के प्रति जागरूक करता है। वाडिया संस्थान के एक अन्य वरिष्ठ भू-भौतिक विज्ञानी डा नरेश कुमार ने कहा कि भूकंप के प्रति संवेदनशीलता की दृष्टि से उत्तराखंड को जोन चार और जोन पांच में रखा गया है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे भूकंप संबंधी गतिविधियों को दर्ज करने के लिए उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में करीब 60 भूकंपीय वेधशालाएं स्थापित की गई हैं।

शराब पीकर सोए...

भी तोड़ दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, क्योंझर जिले के शिलीपाडा़ काजू जंगल के पास रहने वाले ग्रामीणों ने सुबह करीब छह बजे देखा कि झुंड में कुल 24 हाथी थे जो कि किण्वन का पानी पीकर नशे में हो गए थे और गहरे नींद में सोए रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि शराब पूरी तरह से तैयार नहीं थी। इसके बाद उन्होंने हाथियों के झुंड को जगाने की जगाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं उठे। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। आनन-फानन में मौके पर पहुंची वन की टीम ने हाथियों को जगाने के लिए ढोल पीटा जिसके बाद उनकी नींद खुली और वो फिर जंगल के अंदर चले गए। हालांकि, अधिकारियों को इस बात की जानकारी है कि किण्वित महुआ खाने या फिर उसका पानी पीने से हाथियों को नशा हुआ था या नहीं। उनका मानना है कि हाथियों का झुंड आराम कर रहा था। दूसरी ओर ग्रामीण अभी भी हाथियों के नशे में होने की बात पर अड़े हैं। ग्रामीणों ने कहा कि हाथियों ने जिस महुआ के किण्वित पानी का सेवान किया है वो शराब बनने की शुरुआती प्रक्रिया होती है।

अरुणाचल भूकंप ...

भी राज्य का पश्चिम सियांग रहा है। इसके पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। द्वीप के पोर्टब्लेयर से 253 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 10 नवंबर की सुबह लगभग 2:29 बजे भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। अभी पिछले दिनों ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में भूकंप के झटके आए थे। दिल्ली में मंगलवार देर रात भूकंप आया था। भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई थी। लोग भूकंप के डर से अपने घर के बाहर निकल आए थे। इस दौरान नेपाल में भी तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेपाल में भूकंप से जानमाल को काफी नुकसान पहुंचा है। भूकंप प्राकृतिक घटना या मानवजनित कारणों से हो सकता है। अक्सर भूकंप भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं। भारी मात्रा में गैस प्रवास, पृथ्वी के भीतर मुख्यत: गहरी मीथेन, ज्वालामुखी, भूस्खलन, और नाभिकीय परिक्षण ऐसे मुख्य दोष हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल चतुर्थ अध्याय

(ज्ञान)

गुण कर्म अरु द्रव्य का, रूपन सहज अनेक।
समन भाव पर अपर का, विविध विभेद विवेक ॥ 05 ॥

शब्दार्थ : (द्रव्य) मूलकारण (पक) दूसरा (अपर) एक (विभेद) विविध प्रकार (विवेक ज्ञान)।

भाष्य : द्रव्य का गुण और कर्म होता है और उनके स्वरूप अनेक होते हैं। द्रव्य एक होने पर भी कार्य-भेद से उसके अनेक स्वरूप बन जाते हैं। मूलकारण अनादि हुआ करता है और उसके कार्य अनेक रूप से प्रकट होते हैं। त्रिगुणों के त्रिघात से प्रकृति के अनेक स्वरूप प्रकट होते हैं इसलिए जगत का समवायिकारण प्रकृति परिणामी, नित्य है।

यही ज्ञान का रूप है, जानब है तत्वज्ञान।
ज्यों का त्यों निश्चय रहे, अन्य ख्याति अज्ञान ॥ 06 ॥

शब्दार्थ : (अन्य ख्याति) विपरीत ज्ञान।

भाष्य : ज्यों का त्यों अविचल स्वरूप से पदार्थ को जानना तत्वज्ञान है, इसके विपरीत ज्ञान को अज्ञान कहते हैं।

असम राइफल्स और पुलिस ने 338 किग्रा गांजे के साथ दो को किया गिरफ्तार

धलाई (त्रिपुरा) (हिंस)। असम राइफल्स (पूर्व) के महानिरीक्षक की देखरेख में सेक्टर 21 की राधानगर बटालियन ने धलाई जिला के अंबासा पुलिस थाना अंतर्गत बेटबागान इलाके से 338 किग्रा गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 1.3 करोड़ रुपए आंकी गई है। गांजे की तस्करी के आरोप में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि राधानगर बटालियन के जवानों ने अंबासा पुलिस की एक टीम के साथ बीती रात एक अभियान शुरू किया। इस दौरान गश्ती दल ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी (टीआर-04डी-1578) से 338 किग्रा गांजा बरामद किया। वाहन चालक तपन देबबर्मा और सह-चालक समरित देबबर्मा को गिरफ्तार करके अंबासा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दोनों को आज कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का 32 गांवों में संपर्क अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा ने असम के 32 गांवों में संपर्क अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक पूरे देश में वर्चुअली इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। असम प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भवेश कलिता ने धेमाजी जिलांतर्गत गोगामुख के सोनापुर में एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में अध्यक्ष कलिता ने कहा कि आजादी के बाद के दौर से ही कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया, लेकिन अनुसूचित जाति और दलितों का कोई विकास नहीं हुआ। इसलिए इस अभियान के माध्यम से भाजपा के नेतृत्व वाली मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सरकार के कार्यकाल के दौरान लोगों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इसके मद्देनजर गुरुवार को प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष मून स्वर्णकार की अध्यक्षता में हुई बैठक में असम प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जयंत कुमार दास, महासचिव पुलक गोहाईं, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा के महासचिव नीलोपवन दास, विधायक नब दलै, डॉ. अमिया कुमार भुइयां, धेमाजी जिला अध्यक्ष प्रेम दत्ता मौजूद थे। आज की बैठक में 25 प्रबुद्ध व्यक्तियों को गीता, गामोछा और अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। ग्राम संपर्क अभियान की रथयात्रा का शुभारंभ 11, 17, 19, 20 और 21 नवंबर को सादिया, धुबड़ी, मानकचार, डिमा हसाउ और बराकवैली में किया जाएगा। राज्य अनुसूचित जाति मोर्चा के मीडिया संयोजक उत्पल हजारिका के अनुसार 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर बरपेटा में एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी।

डीएसी की जीत पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जताया आभार

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के असम प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने गुरुवार को घोषित देवरी स्वायत्तशासी परिषद (डीएसी) चुनाव जीतने के लिए भाजपा तथा गठबंधन के उम्मीदवारों को बधाई दी। गुरुवार को कलिता ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के प्रति देवरी स्वायत्तशासी परिषद की जनता ने जो प्यार और समर्थन दिया है, उसके लिए मैं मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए उनका अभिनंदन करता हूं। कलिता ने इस अभूतपूर्व सफलता के लिए प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ. सरमा, प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली सहित सहयोगी असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की अपार मेहनत, ईमानदारी और जिम्मेदारी का ही नतीजा है कि हम यह महान उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।

फूड प्वाइजनिंग से युवती की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला के बर्मा रोड निवासी मिराजुल हक की 12 वर्षीय पुत्री की मौत फूड प्वाइजनिंग की वजह से होने का परिजनों ने आरोप लगाया है। परिजनों ने गुरुवार को बताया कि बीती रात नलबाड़ी में आयोजित रासलीला अपने चाचा के साथ देखने गई थी। इसी दौरान वह रासलीला के पास मेले में लगाए गए फास्ट फूड की दुकान से चाऊमीन खरीद कर खाया। चाउमीन खाने के कुछ देर बाद वह अस्वस्थ हो गई। लड़की को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लड़की की हुई अचानक मौत की वजह से इलाके में मातम छा गया है।

आरती तुरी रेप व मर्डर केस पुलिस कप्तान का सीआईडी कार्यालय में आत्म-समर्पण

गुवाहाटी (हिंस)। दरंग जिला के धूला में आरती तुरी रेप व हत्याकांड को गुमराह करने के मामले में नामजद पुलिस अधीक्षक राजमोहन राय ने आखिरकार गुरुवार को सीआईडी कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। शीर्ष पुलिस अधिकारी पिछले तीन दिन से छुपते फिर रहे थे। शीर्ष पुलिस अधिकारी राय ने अंतरिम जमानत मांगी थी, हालांकि बुधवार को गुवाहाटी हाई कोर्ट ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया था। सभी रास्ते बंद होने के बाद राजमोहन राय ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर घरेलू काम करने वाली किशोरी आरती तुरी की हत्या की जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस अधीक्षक राजमोहन राय को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। इस मामले में धूला थानाध्यक्ष उत्पल बोरा, एएसपी रुपम फूकन के साथ तीन अधिवक्ताओं को भी सीआईडी अब तक गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अधिकारियों पर रेप और हत्या के मामले को आत्महत्या में बदलने और चिकित्सकों पर गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का आरोप लगाया गया है।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया/अमीनगांव (विभास)। जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आज कामरूप जिले की जिला विकास समिति की बैठक हुई। जिसमें जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लागू की जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और विभिन्न विभागों के कार्यान्वयन अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न अंतर-विभागीय विषयों पर भी चर्चा की गयी। बैठक की शुरुआत में बीते 14 अक्टूबर को हुई जिला विकास समिति की बैठक में दर्ज जिले के विभिन्न विकास विभागों को जारी दिशा-निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा की गयी। संबंधित विभागों के शीर्ष पदाधिकारियों ने उन्हें सौंपे गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में एपीडीसीएल, कृषि, जन स्वास्थ्य तकनीकी, परिवहन, समाज कल्याण, शिक्षा आदि विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की गयी। बैठक में दीप के बील के कुछ हिस्सों में जलीय पौधों की निकासी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। आज की बैठक में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं एवं औद्योगिक नीतियों पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। इसके अलावा विभाग द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं जैसे पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, उत्तर पूर्व औद्योगिक विकास योजना, असम -2019 की औद्योगिक और निवेश नीति की भी समीक्षा की गई। बैठक में कामरूप महानगर जिले से जुड़े विभिन्न विभागों के बंटवारे और जिलों के लिए अलग कार्यालयों की स्थापना पर भी चर्चा हुई और इस संबंध में सरकार से संपर्क करने पर जोर दिया गया। आज की बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त मुनमी कलिता सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

मादक पदार्थ समेत पांच तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के दो थाना क्षेत्रों से पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पांच तस्करों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान पलटन बजार पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों की पहचान तूमी बेगम, हसीना बेगम, राकेश राम और हबीराज दे बोरा के रूप में की गयी है। तस्करों के कब्जे से 8 ग्राम ब्राउन शुगर, 26 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर, पांच खैनी के डिब्बे, पांच मोबाइल फोन, नगद दस हजार रुपए और स्कूटी (एएस-01बीजेड-4320) को जब्त किया गया है। दूसरी वशिष्ठ पुलिस की टीम ने प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर में भरकर रखे गए हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सकीबुल इस्लाम के रूप में की गई है। दोनों मामलों में पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया के बालूगुटी इलाके से पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सीआरपीएफ की 38वीं बटालियन के साथ चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान दो साबुनदानी में छिपाकर रखे गए 27.42 ग्राम ड्रग्स समेत सिराजुल इस्लाम नामक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा गुवाहाटी को सम्मानित किया गया

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, गुवाहाटी को ब्रेनफीड और ईटी टेक एक्स द्वारा आयोजित किया जानेवाले टीचिंग, लर्निंग एंड लीडरशिप पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्ष 500 *स्कूल ऑफ इंडिया* पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्कूल को तीन प्रमुख श्रेणियों- बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर स्कूल, एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स एजुकेशन, एक्सीलेंस इन लाइफ स्किल एजुकेशन और बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग स्कूल के तहत सम्मानित किया गया हैं। यह बुधवार, 9 नवंबर 2022 को इंडिया एक्सपो सेंटर-ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया था। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की ओर से फैमिली अवार्ड श्रीमती जोनाली दास, प्रिंसिपल, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, कहलीपाड़ा, गुवाहाटी ने प्राप्त किया हैं। सम्मेलन दो साल के सीखनेवाले संकट के बाद शिक्षण और सीखने के दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन पर केंद्रित रहा। यह उद्योग के विशेषज्ञों, निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाकर भारत में उन्नत शिक्षा की सुविधा के लिए एक मंच भी प्रदान करता हैं। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विचार नेताओं और सम्मानित अतिथियों ने शिक्षा में विकास और नवाचार पर अपना अपना विचार प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन में नवीन शिक्षा समाधान, नए जमाने की शिक्षाशास्त्र, और सर्वोत्तम शैक्षणिक संस्थानों के विकास पर चर्चा देखा गया हैं।

रंगिया पुलिस ने रंगे हाथ तीन जुआरियों को पकड़ा

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने दीपतेश्वरी अंचल से जुए के कारोबारी तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह तीनों जुआरी रंगिया के पास दीपतेश्वरी में चल रहे रास महोत्सव के दौरान जुआ का धंधा चला रहे थे। वहीं रंगिया पुलिस को इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वहां पहुंचकर उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस ने इस अभियान में जुआरी क्रमशः रंगिया केकेनिकुची के रिबूल नाथ, रंगिया कछारी सोलमारी के बक्कर अली, रंगिया वार्ड नं 8 के अफजल अली को पकड़ा है। साथ ही उनके पास से पुलिस द्वारा जुआ में व्यवहार होने वाली विभिन्न सामग्रियां, तीन मोबाईल फोन और नगद 6740 रुपए जब्त किए गए है।

आग में एक घर जलकर राख लाखों का नुकसान

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला शहर मुख्यालय के समीप लगी आग के दौरान एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात ग्वालपाड़ा के समीप बनियापाड़ा इलाके में लगी आग के दौरान ग्वालपाड़ा संयुक्त स्वास्थ्य सेवा संचालक कार्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी ज्योतिरंजन अधिकारी का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक ज्योतिरंजन का घर पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। आग के दौरान 4 सिलेंडर में विस्फोट होने की वजह से आग ने भयंकर रूप ले लिया। हालांकि आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट या रसोई घर से आग लगी होगी।

स्वतंत्रता सेनानी कामिनी मोहन शर्मा की जयंती पर स्मृतिग्रंथ का विमोचन

रंगिया (विभास)। विप्लवी वीर, भारत की स्वतंत्रता के अग्रणी सेनानी कामिनी मोहन शर्मा की 108 वीं जन्म वार्षिकी के मौके पर सोमवार को स्वतंत्रता सैनानी कामिनी मोहन शर्मा की स्मृति ग्रंथ प्रकाशन समिति द्वारा रंगिया के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक कृषक शहीद भवन प्रांगण में स्मृतिचारण और स्मारक ग्रंथ विमोचन सभा का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से आयोजित की गई। इस सभा में स्मृतिचारण और मोर दृष्टित कोमरेड कामिनी मोहन शर्मा नामक दो स्मृति ग्रन्थों का विमोचन किया गया। स्मृतिग्रंथ प्रकाशन समिति की सचिव अंजली शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक अध्यक्ष पविन कलिता ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा के सांसद भुवनेश्वर कलिता सहित बहुत से विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा राज्य के विभिन्न अंचलों से आए कामनी मोहन शर्मा के परिवार के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मातृभाषा ज्ञान आहरण का उत्तम उपाय शीर्षक पर कार्यक्रम का आयोजन

रंगिया (विभास)। सन 1972 के माध्यम आंदोलन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अखिल असम छात्र संस्था के आह्वान पर आज कामरूप जिला छात्र संस्था के सौजन्य से तथा बैद्यगढ़ आंचलिक छात्र संस्था के सहयोग से *मातृभाषा ज्ञान आहरण का उत्तम उपाय* नामक शीर्षक पर एक विचारों का आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट शिक्षाविद रंगिया शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. पार्थ फुकन महंतो, अखिल असम छात्र संस्था के सहकारी मुख्य सचिव धर्मेश्वर दास, अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के अध्यक्ष भवज्योति डेका, मुख्य सचिव पंकज कलिता, रंगिया महकमा छात्र संस्था के उपदेस्टा गोलोक राजबंशी, महकमा छात्र संस्था के प्रभारी अध्यक्ष जीतू डेका, मुख्य सचिव अरुण दास सहित बैद्यगढ़ अंचल के बहुत से गणमान्य लोगों ने *मातृभाषा ज्ञान आहरण का उत्तम उपाय* शीर्षक विषय पर भाषण प्रदान किया। इसके साथ ही इस मौके पर सन 1972 के भाषा आंदोलन के शहीदों को याद करते हुए दीप प्रज्जवलित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई।

घुम फेस्टिवल के दौरान विशेष ट्रेन जॉयराइड चलेगी सिलचर-कोलकाता

गुवाहाटी। आगामी वार्षिक घुम फेस्टिवल के दौरान पर्यटकों की मांगपूर्ति के लिए, पूसीरे ने दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की टॉय ट्रेन सेवा के तहत एक विशेष जॉयराइड की संध्याकालीन सेवा का परिचालन करने का निर्णय लिया है। आगामी तीन सप्ताहव्यापी फेस्टिवल के मद्देनजर 8 ट्रिपों के लिए 12 नवंबर से 4 दिसंबर, 2022 तक प्रत्येक सप्ताहांत पर दार्जिलिंग और घुम के बीच दोनों दिशाओं में जॉयराइड चलेगी। जॉयराइड स्पेशल ट्रेन संख्या 02551 (दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग) दार्जिलिंग से 18:00 बजे रवाना होगी और घुम 18.45 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 19.15 बजे रवाना होगी और दार्जिलिंग 19.45 बजे पहुंचेगी। जॉयराइड स्पेशल 3 प्रथम श्रेणी चेयरकार के संयोजन के साथ चलेगी। प्रत्येक प्रथम श्रेणी चेयरकार कोच में 30 सीटें होंगी। इसके अलावा, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 05639/05640 (सिलचर-कोलकाता-सिलचर) फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन को इसके मौजूदा समय, ठहराव और संयोजन के साथ अन्य दस ट्रिपों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है। 10 नवंबर, 2022 से 12 जनवरी, 2023 तक स्पेशल ट्रेन संख्या 05639 (सिलचर-कोलकाता) अन्य दस ट्रिपों के लिए प्रत्येक गुरुवार को सिलचर से 6 बजे रवाना होगी और अगले दिन कोलकाता 13 बजे पहुंचेगी। वापसी में, 11 नवंबर, 2022 से 13 जनवरी, 2023 तक स्पेशल ट्रेन संख्या 05640 (कोलकाता-सिलचर) अन्य दस ट्रिपों के लिए प्रत्येक शुक्रवार को कोलकाता से 15.00 बजे रवाना होगी और रविवार को सिलचर 00.30 बजे पहुंचेगी।

NOTICE

e-mall: dfo.t.kmpw@gmail.com

NIT no. B/KW/SOPD Scheme/Roads & Bridge/2022/5438

Sealed tenders affixing Court fee stamp Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invites from **APWD (Building)** Registered eligible contractors having experience of similar nature of work under **SOPD Scheme "Roads & Bridge" during the year 2022-23** to be executed in the Kamrup West Division, Bamunigaon, Guwahati -781141 as mentioned below:

Details of Works : -

Sl. No.	Name of Work	Place of Work	Estimated cost (Rs. in Lakhs)	Security Deposit	Earnest money Deposit	Time of completion	Tender cost (in Rs.)
1	Construction of Pavers road	Range Head Quarter, Riverine Range, Nagarbera	3,00,000.00	10% of the estimated cost	2% for GEN, 1% for OBC/ST/SC of the estimated cost	30 days from the date of issue of work order	200.00
2	Construction of 1 KM Sand Gravel road	Rajapara I.B. under Loharghat Range	2,50,000.00				200.00
3	Construction of 1 no. Culvert	Gutipathar under Barduar RF under Loharghat Range	1,50,000.00				200.00

The tenders will be received up **till 2.00 PM (IST) on 3rd December, 2022** in the office of the undersigned and it will be opened on the same day by Tender Evaluation Committee at **3.00 (IST)** P.M. in presence of the interested tenderers or their authorized representative.

The tender paper along with the detailed estimate particulars may be obtained from the office of the undersigned on all working days up to 5.00 PM on payment of Rupees 200.00 (Rupees Two Hundred) only by demand draft in favour of **"Divisional Forest Officer, Kamrup West Division, Bamunigaon" payable at Guwahati** for each tender paper.

(Smti Dimpi Bora, IFS)
Divisional Forest Officer,
Kamrup West Division, Bamunigaon

-- Janasanyog /C/13711/22

पिनाका रॉकेट के बाद अब आर्मेनिया ने भारत से खरीदी माउंटेड आर्टिलरी गन

- विदेशी ऑर्डर हासिल करने के लिए हथियारों का निर्यात बढ़ाने के लगातार प्रयास में है भारत

- चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 8,000 करोड़ रुपये के निर्यात ऑर्डर हासिल किये गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। अपने पड़ोसी अजरबैजान से आत्मरक्षा में लगा आर्मेनिया तेजी के साथ सैन्य हथियार जुटा रहा है। भारत से पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर खरीदने के बाद अब माउंटेड आर्टिलरी गन की चार से पांच रेजिमेंट के लिए भारतीय फर्म को ऑर्डर किया है। इस सैन्य हार्डवेयर में मिसाइल, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, अपतटीय गश्ती जहाज, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर, निगरानी प्रणाली और विभिन्न प्रकार के राडार शामिल हैं। भारत भी विदेशी ऑर्डर हासिल करने के लिए हथियारों का निर्यात बढ़ाने के लगातार प्रयास कर रहा है। भारतीय रक्षा कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड को मित्र देश आर्मेनिया ने 155 मिमी/39 कैलिबर ट्रक आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए 155.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऑर्डर दिया है। इस हथियार प्रणाली के लिए किसी देश से मिला यह पहला निर्यात ऑर्डर है। रक्षा कंपनी ने गुरुवार को मित्र देश के नाम का खुलासा करते हुए बताया है कि ऑर्डर में सिस्टम की चार से पांच रेजिमेंट शामिल हैं और इसकी आपूर्ति तीन साल की समय सीमा के भीतर पूरी की जाएगी। इस सैन्य हार्डवेयर में मिसाइल, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, अपतटीय गश्ती जहाज, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर, निगरानी प्रणाली और विभिन्न प्रकार के राडार शामिल हैं। भारत को दो माह पहले आर्मेनिया से मिसाइल, रॉकेट और गोला-बारूद के लिए 245 मिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला था। सितम्बर माह की शुरूआत में सरकार से सरकार के तहत दोनों देशों के बीच कई अनुबंध हुए हैं। आर्मेनिया ने अन्य प्रणालियों के साथ पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल) सिस्टम की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट की आपूर्ति 245 मिलियन के नए हथियारों और बारूद के निर्यात पैकेज का हिस्सा है। आर्मेनियाई सेना ने फिलहाल छह अतिरिक्त पिनाका रेजिमेंट के लिए ऑर्डर दिया है। भारत सौदे के तहत आर्मेनिया को टैंक रोधी रॉकेटों के साथ-साथ गोला-बारूद की एक शृंखला की भी आपूर्ति करेगा। यह पहली बार नहीं है जब आर्मेनिया को भारत से हथियार प्रणालियों का निर्यात किया जा रहा है। इससे पहले भारत ने 2020 में 350 करोड़ रुपये का सौदा हासिल कर-के दुश्मन के खतरनाक हथियारों को खोजने में माहिर चार स्वाति वेपन लोकेटिंग राडार (डब्ल्यूएलआर) की आपूर्ति की थी। भारतीय सेना के लिए डिजाइन किए गए इन राडार का उपयोग दुश्मन की तोपों के गोले, मोर्टार और रॉकेट को ट्रैक करने के लिए किया जाता है। दुश्मन के लॉन्चरों पर निगाह रखने के लिए भारत ने इस राडार को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर लगाया है। 50 किलोमीटर की रेंज में एक साथ कई दिशाओं से आ रहे गोले और रॉकेट की सही दिशा बताने में ये राडार माहिर है। भारत ने विदेशी बाजारों में पैर जमाने पर अपना ध्यान केंद्रित करके 2025 तक पांच बिलियन डॉलर के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। फिलीपींस ने सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए भारत के साथ 374 मिलियन डॉलर से अधिक का सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा किया है। इसके बाद आर्मेनिया पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर और माउंटेड आर्टिलरी गन खरीद रहा है। केंद्र में मोदी की सरकार आने के बाद 2014 से भारत ने 30 हजार करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात किया है। अकेले चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 8,000 करोड़ रुपये के निर्यात ऑर्डर हासिल किये गए हैं। भारत रक्षा निर्यात 2021-22 में 13 हजार करोड़ के आंकड़े के साथ उच्चतम स्तर पर पहुंचा था।

भीमा कोरेगांव हिंसा : गौतम नवलखा को घर में नजरबंद करने का सुप्रीम आदेश

- नजरबंदी की एक महीने के बाद समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने भीमा कोरेगांव हिंसा के आरोपित गौतम नवलखा को घर में नजरबंद करने का आदेश दिया है। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये नजरबंदी एक महीने के लिए होगी। एक महीने के बाद इसकी समीक्षा होगी। कोर्ट ने कहा कि गौतम नवलखा 2020 से हिरासत में हैं। इसके पहले भी उन्हें नजरबंद रखा गया था जिस दौरान उन्होंने किसी भी शर्तों का उल्लंघन नहीं किया था। गौतम नवलखा का इस केस के अलावा कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। कोर्ट ने कहा कि एनआईए नजरबंदी वाली जगह की सर्च कर सकती है लेकिन सर्च के दौरान आरोपित को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि नजरबंदी वाले घर पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी होगी। उनके घर पर सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। नवलखा को टहलने के अलावा घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। टहलने के दौरान वे किसी से भी नहीं मिलेंगे। रोजाना उन्हें दस मिनट फोन पर बात करने की अनुमति होगी और बात करने के लिए सुरक्षाकर्मी फोन उपलब्ध कराएंगे। घर पर फोन और इंटरनेट

की सुविधा नहीं होगी। कोर्ट ने 9 नवंबर को ही गौतम नवलखा को घर पर नजरबंद करने का संकेत दे दिया था। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से नजरबंदी के लिए शर्तें पूछी थी। इससे पहले 29 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने गौतम नवलखा का तुरंत मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने तलोजा जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वो गौतम नवलखा की मर्जी के अस्पताल में लेकर जाएं जहां उनका इलाज हो सके। कोर्ट ने इलाज करने वाले अस्पताल को गौतम नवलखा के स्वास्थ्य की पूरी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने 27 सितंबर को नवलखा की याचिका पर सुनवाई करते हुए एनआईए और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान नवलखा की ओर से कहा गया था कि उनकी उम्र 70 साल है और उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। खराब स्वास्थ्य के कारण उनको जेल में रखना सही नहीं है। उन्हें पहले भी नजरबंद रखा गया था। नवलखा ने घर में नजरबंद रखने के लिए बांबे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। बांबे हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2020 को गौतम नवलखा और आनंद तेलतुंबडे को सरेंडर करने का आदेश दिया था। 1 जनवरी 2018 को भीमा-कोरेगांव की दो सौंवीं सालगिरह पर हुए कार्यक्रम में हिंसा हुई थी। उसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने 162 लोगों के खिलाफ 58 केस दर्ज किए हैं।

नांदेड के कापसी चौक से राहुल गांधी ने शुरू की 64वें दिन की भारत जोड़ो यात्रा

मुंबई, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सुबह 64वें दिन की भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के लोहा क्षेत्र के कापसी चौक से शुरू की। राहुल गांधी ने यहां मौजूद बड़ी संख्या में लोगों का अभिवादन किया, साथ ही कुछ लोगों से बातचीत भी की। आज की भारत जोड़ो यात्रा नांदेड शहर, देगलूर और अधार्पुर इलाकों से गुजरेगी और शुक्रवार को हिंगोली पहुंचेगी। राहुल गांधी ने स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बुधवार को 24 किलोमीटर की यात्रा की थी। बुधवार को स्थानीय लोगों से हुई बातचीत के बारे में राहुल गांधी ने बताया कि एक युवा ने उनसे देश में व्यावहारिक शिक्षा की कमी के बारे में बात की, जिस-

के कारण रोजगार के अवसर नहीं है। एक बच्ची ने उन्हें बताया कि उसके माता-पिता उससे ज्यादा उसके भाई से प्यार करते हैं। राहुल आज नांदेड में एक रैली को संबोधित करेंगे जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के शामिल होने की संभावना है। आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता सुप्रिया सुले, जितेन्द्र आव्हाड, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल सहित कई नेता राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे शुक्रवार को यात्रा में शामिल होने वाले हैं।

दिल्ली के प्रदूषण में हुआ सुधार, एक्यूआई 303 किया गया दर्ज

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में थोड़ा सुधार हुआ है। गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया। हालांकि हवा की गुणवत्ता अभी भी बेहद खराब श्रेणी में है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फारकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के मुताबिक नोएडा (उत्तर प्रदेश) का एक्यूआई 309 और गुरुग्राम (हरियाणा) में 144 दर्ज किया गया है। बुधवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 329 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता सूचकांक अगर 0-100 के बीच होता है तो उसे अच्छा माना जाता है। 100-200 के बीच सामान्य माना जाता है यानि न अच्छा और न ही खराब। लेकिन 200-300 के बीच एक्यूआई का स्तर खराब श्रेणी में आता है और 300-400 के बीच बेहद खराब श्रेणी में।

अभिषेक की साली की मुश्किलें बढ़ीं, गिरफ्तारी पर रोक के खिलाफ खंडपीठ पहुंची ईडी

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की साली मेनका गंभीर की गिरफ्तारी पर कलकत्ता हाईकोर्ट की एकल पीठ की ओर से लगाई गई रोक के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खंडपीठ में याचिका लगाई है। खास बात यह है कि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की खंडपीठ ने याचिका को स्वीकार भी कर लिया है। इसके पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने मेनका गंभीर से कोलकाता में पूछताछ का आदेश दिया था। लेकिन उनकी खिलाफ गिरफ्तारी पर रोक

लगाई थी। न्यायालय के इस रक्षा कवच की आड़ में वह विदेश जाने का प्रयास भी कर चुकी हैं। अब ईडी ने मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ में याचिका लगाकर दावा किया है कि गिरफ्तारी पर रोक होने की वजह से वह जांच में सहयोग नहीं कर रहीं। उन्हें पता है कि वह कुछ भी कर लें, सवाल का जवाब दें या नहीं दें लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा इसलिए जांच में बाधा आ रही है। उल्लेखनीय है कि कोयला तस्करी मामले में मेनका गंभीर संदिग्ध हैं। दावा है कि बैंकाक स्थित उनके खाते में करोड़ों रुपये का लेनदेन कोयला तस्करी के मुख्य सरगना अनुप मांझी उर्फ लाला के जरिए हुई है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी उन्हें हिरासत में लेने की फिराक में है। इसके पहले उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था।

जेल से रिहा होने के बाद संजय राऊत ने शिंदे-फडणवीस सरकार के कुछ निर्णयों का किया स्वागत

मुंबई, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य संजय राऊत के बोल जेल से रिहा होने के बाद बदल गए हैं। गुरुवार को संजय राऊत ने राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार के कुछ निर्णयों का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे को संकट के समय तीखे बोल न बोलने की सलाह देते हुए करारा जवाब भी दिया है। संजय राऊत ने कहा कि जब वे जेल में थे, तब राज ठाकरे ने कहा था कि संजय राऊत को अब अकेले में बात करने की प्रैक्टिस करनी चाहिए, दीवारों से बात करने की आदत डालनी चाहिए। उसे पता होना चाहिए कि कोर्ट ने ही उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताया है। संजय राऊत ने कहा कि किसी भी निर्दोष को जेल में रहना कितना कष्टदायक होता है, इसका उन्हें पिछले तीन महीने में अनुभव हुआ

है। वीर सावरकर भी दो साल तक जेल में रहे थे। लोकमान्य तिलक, अटलबिहारी वाजपेई को भी जेल में रहना पड़ा था। राजनीतिक जीवन में जेल जाना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। संजय राऊत ने कहा कि वे आज उद्धव ठाकरे और शरद पवार से भी मिलने वाले हैं। वे देवेंद्र फडणवीस से भी मिलेंगे। संजय राऊत ने कहा कि वे जेल में पेपर पढ़ते थे। सरकार ने जो अच्छे काम किए हैं, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। जब वे जेल में थे, उस समय देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि महाराष्ट्र में राजनीतिक कटुता बढ़ गई है, उसे कम किया जाना चाहिए। इसका हमने स्वागत किया था। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री किसी भी पार्टी का नहीं रहता है। यह सरकार पूरी तरह से देवेंद्र फडणवीस ही चला रहे हैं। वे ईडी के विरुद्ध कोई बयान नहीं देंगे, साथ ही उनके खिलाफ जिन लोगों ने साजिश की है, उनके खिलाफ भी कुछ नहीं बोलेंगे।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य उन्हें सिंगापुर में अपनी किडनी डोनेट करेंगी

पटना(ईएमएस)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव किडनी ट्रांसप्लांट कराने सिंगापुरा जाएंगे। कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य उन्हें अपनी किडनी डोनेट करेंगी। लालू पिछले दिनों सिंगापुर गए थे, जहां के डॉक्टरों ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट कराने की स्वीकृति दे दी है। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। ऐसे में सिंगापुर में अपने परिवार के साथ रहने वाली रोहिणी ने अपने पिता को किडनी डोनेट करने का फैसला लिया है। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि आरजेडी सुप्रीमो किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 24 नवंबर को सिंगापुर जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि लालू यादव को किडनी डोनेट करने के लिए दो दर्जन आरजेडी कार्यकर्ता और नेता आगे आए हैं, लेकिन चर्चा है कि वह अपनी बेटी रोहिणी की किडनी ही लेंगे। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद बीते 12 अक्टूबर को किडनी ट्रांसप्लांट के सिलसिले में सिंगापुर गए थे। लालू प्रसाद के साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती भी सिंगापुर गई थीं। लालू के सिंगापुर पहुंचने के 2 दिन बाद ही डॉक्टरों ने लालू की जांच की थी और उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की स्वीकृति दे दी थी। इस दौरान लालू की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य की भी जांच हुई थी। इसके बाद लालू प्रसाद वापस दिल्ली लौट गए थे। किडनी अस्पताल के रूप में विख्यात सेंटर फार किडनी डिजीज से लालू का इलाज चल रहा है।

आयुष मंत्रालय के आईएमपीसीएल के मुनाफे में तीन गुना बढ़ोतरी, पिछले एक साल में कमाए 45.41 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (हि.स.)। आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम इंडियन मेडिसिन फार्मास्युटिकल कॉरपोरेशन (आईएमपीसीएल) के मुनाफे में तीन गुना बढ़ातरी हुई है। कंपनी ने साल 2021-22 में 45.41 करोड़ रुपये की कमाई की है। कंपनी ने अपने हितधारकों आयुष मंत्रालय और उत्तराखंड सरकार को 10.13 करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की है। कंपनी ने केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल को आयुष मंत्रालय के लिए 9.93 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा गया। इस अवसर पर सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि आईएमपीसीएल लिमिटेड ने पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 की तुलना में अपने मुनाफे में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, आयुष क्षेत्र न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर सर्वांगीण विकास कर रहा है। इस मौके पर आईएमपीसीएल लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि परिचालन के मोर्चे पर कंपनी ने अपने पिछले वर्ष की तुलना में क्षमता उपयोग में 47 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। पिछले वर्षों में कारोबार, लाभ और क्षमता उपयोग के मामले में प्रदर्शन में समग्र वृद्धि ने कंपनी की भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। इस मौके पर आयुष राज्य मंत्री मुंजपारा महेंद्रभाई, विशेष सचिव, आयुष मंत्रालय प्रमोद कुमार पाठक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के निदेशक विक्रम सिंह मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि आईएमपीसीएल लिमिटेड को भारत सरकार द्वारा मिनी रत्न श्रेणी दो का दर्जा दिया गया है और इसे आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन भी मिला है।

कंपनी वर्तमान में विभिन्न रोगों के स्पेक्ट्रम के लिए 656 शास्त्रीय आयुर्वेदिक, 332 यूनानी और 71 मालिकाना आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर रही है। यह राष्ट्रीय आयुष मिशन और जन औषधि केंद्रों के 6000 केंद्रों के तहत सभी राज्यों को आयुर्वेद और यूनानी दवाओं की आपूर्ति करता है।

एमसीडी चुनाव के लिए दिल्ली भाजपा ने जारी किया वचन पत्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के लिए वचन पत्र जारी किया। इस दौरान दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी सरकार जहां झुग्गी वहीं मकान योजना पर तेजी से काम कर रही है। इस योजना के तहत पात्र लोगों को मकान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हर घर नल पहुंचाना चाहती है और इस वचन को पूरा करेगी। लेकिन इस योजना में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रुचि नहीं ले रहे हैं क्योंकि वह टैंकर माफिया को लाभ पहुंचाना चाहते हैं। गुप्ता ने कहा कि भाजपा राज्य के हर झुग्गी तक जाएगी उनसे एक फार्म भरवाएगी और झुग्गी वासियों को एक सुंदर मकान देगी। उन्होंने कहा कि राजधानी के कालकाजी

इलाके में कुछ लोगों को सुंदर मकान बना कर दिए गए गए हैं। यह सिलसिला जारी रहेगा। प्रेस-ावार्ता के दौरान लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि भाजपा संकल्प पत्र में जो वादे जनता से कर रही है उसे पूरा करके दिखाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने जनता से जितने वादे किए चुनाव जीतने के बाद वह सब भूल गए। उन्होंने कहा कि आप ने वर्ष 2015 में 10 गारंटी दी थी लेकिन एक भी पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि आप सरकार न तो दिल्ली को 11 हजार बसे दे पाई और न ही दिल्ली को कूड़ा फ्री कर पाई है। राजधानी को कूड़ा फ्री कराने के लिए राज्य सरकार ने एमसीडी का सहयोग तक नहीं किया। लेकिन भाजपा ने दिल्ली की जनता से किए हर वादे को पूरा कर रही है। उल्लेखनीय है कि एमसीडी चुनाव चार दिसंबर को होंगे और इसकी मतगणना सात दिसंबर को होगी।

सुकेश ने लिखी पांचवीं चिट्ठी, दिल्ली के बाहर की जेल में शिफ्ट कराने की लगाई गुहार

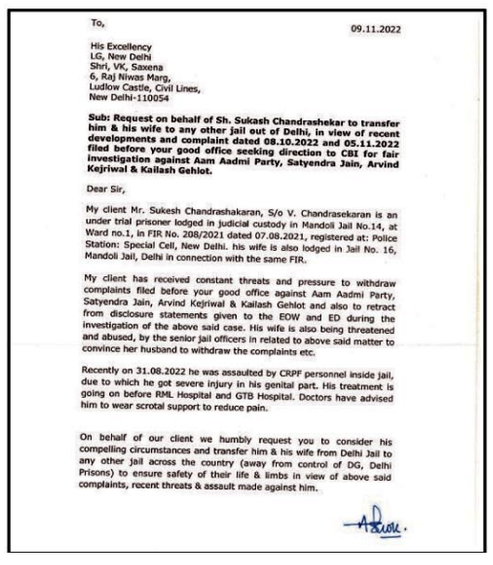

To,

09.11.2022

His Excellency
LG, New Delhi
Shri, VK, Saxena
6, Raj Niwas Marg,
Ludlow Castle, Civil Lines,
New Delhi-110054

Sub: Request on behalf of Sh. Sukash Chandrashekar to transfer him & his wife to any other jail out of Delhi, in view of recent developments and complaint dated 08.10.2022 and 05.11.2022 filed before your good office seeking direction to CBI for fair investigation against Aam Aadmi Party, Satyendra Jain, Arvind Kejriwal & Kailash Gehlot.

Dear Sir,

My client Mr. Sukesh Chandrashakaran, S/o V. Chandrasekaran is an under trial prisoner lodged in judicial custody in Mandoli Jail No.14, at Ward no.1, in FIR No. 208/2021 dated 07.08.2021, registered at: Police Station: Special Cell, New Delhi. his wife is also lodged in Jail No. 16, Mandoli Jail, Delhi in connection with the same FIR.

My client has received constant threats and pressure to withdraw complaints filed before your good office against Aam Aadmi Party, Satyendra Jain, Arvind Kejriwal & Kailash Gehlot and also to retract from disclosure statements given to the EOW and ED during the investigation of the above said case. His wife is also being threatened and abused, by the senior jail officers in related to above said matter to convince her husband to withdraw the complaints etc.

Recently on 31.08.2022 he was assaulted by CRPF personnel inside jail, due to which he got severe injury in his genital part. His treatment is going on before RML Hospital and GTB Hospital. Doctors have advised him to wear scrotal support to reduce pain.

On behalf of our client we humbly request you to consider his compelling circumstances and transfer him & his wife from Delhi Jail to any other jail across the country (away from control of DG, Delhi Prisons) to ensure safety of their life & limbs in view of above said complaints, recent threats & assault made against him.

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी दिल्ली के मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) के नाम एक और चिट्ठी लिखी है। यह सुकेश की ओर से लिखी गई पांचवीं चिट्ठी है। चिट्ठी में उसने दिल्ली के एलजी से गुहार लगाई है कि उसे और उसकी पत्नी को दिल्ली से बाहर किसी अन्य जेल में स्थानांतरित किया जाए। उसने आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेने के लिए लगातार धमकी और दबाव का आरोप लगाया है और कहा है कि इसके लिए जेल के अंदर सीआरपीएफ के कर्मियों की ओर से उस पर हमला किया जा रहा है। सुकेश ने इससे पहले भी एलजी को भेजी गई चिट्ठी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन का नाम लिया था। उसने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी के नेता शिकायत वापस लेने की मांग कर रहे हैं। नौ नवंबर को लिखे पत्र में सुकेश ने पत्नी को भी दूसरी जेल में शिफ्ट करने की मांग की है। दो दिन पहले भी जेल से लिखे अपने चौथे पत्र में सुकेश चंद्रशेखर का आरोप था कि उसने जेल प्रशासन व दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की धमकियों व दबाव के चलते कानून का सहारा लेना ठीक समझा है। सुकेश का कहना है कि एलजी को पत्र लिखने के लिए कहीं से किसी ने दबाव नहीं डाला है। सुकेश ने कहा कि अगर एलजी को लिखा उसका पत्र गलत है तो वह कोई भी कानूनी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। भले ही उसके लिए उसे फांसी पर लटकना पड़े। लेकिन अगर मुख्यमंत्री उसे झूठा साबित नहीं कर पाते तो उनको इस्तीफा देना चाहिए। पूरे मामले की सीबीआई जांच करवानी चाहिए। सुकेश ने कहा था कि जेल प्रशासन और सत्येंद्र जैन ने धमकियां देकर व दबाव डालकर पंजाब व गोवा चुनाव के लिए फंड मांगा था। यह वही समय था, जब मामले की जांच चल रही थी। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर उसने कानून का सहारा लिया और एलजी से शिकायत की। सुकेश ने इस पत्र में लिखा है कि आप नेता लगातार उसे धमकी दे रहे हैं। ऐसे में इस मामले की जांच होनी चाहिए। जिससे सत्य का पता लगाया जा सके।

कोरोना ने छीना सिर से अपनों का साया, योगी सरकार ने अपनाया

-मेरठ में 717 बच्चों को मिल रहा है मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का लाभ
-शिक्षा-चिकित्सा देने से लेकर विवाह तक कराएगी सरकार

मेरठ, (हि.स.)। वैश्विक महामारी कोरोना ने ना जाने कितने बच्चों के सिर से उनके माता-पिता का साया छीन लिया। ऐसे में इन बच्चों के सिर पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपना हाथ रखते हुए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की शुरूआत की। बच्चों का भरण-पोषण और शिक्षा-चिकित्सा से लेकर विवाह तक की जिम्मेदारी योगी सरकार ने अपने कंधों पर ली। मेरठ में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के माध्यम से 542 ऐसे बच्चों को लाभ दिया जा रहा है, जिनके माता पिता या माता-पिता में से किसी एक की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई हो। जबकि 175 ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता की मृत्यु कोरोना से नहीं, बल्कि किसी अन्य कारण से हुई है,उनको भी मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के तहत तमाम तरह के लाभ दिए जा रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार का कहना है कि इस योजना के माध्यम से उन सभी बच्चों की मदद की जा रही है जिनके माता पिता की मृत्यु कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हो गई है। इस योजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आरंभ किया गया है। इस योजना के माध्यम से न केवल बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है बल्कि उनकी पढ़ाई से लेकर उनके विवाह तक का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत बच्चों की पालन पोषण के लिए प्रत्येक बच्चे को या फिर उसके अभिभावक को 4 हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं इस योजना के तहत बालिकाओं की शिक्षा-चिकित्सा से विवाह तक का खर्च भी योगी सरकार ही वहन करेगी। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई है और बच्चों का कोई अभिभावक नहीं है, तो उनके लिए राजकीय बाल गृह में आवासीय सुविधा प्रदान की जा रही है। यहां पर बालिकाओं के लिए अलग आवासीय व्यवस्था की जा रही है। कोरोना संक्रमण के अलावा भी अगर किसी बच्चे के माता-पिता की मृत्यु हो जाती है तब भी उस बच्चे को इन सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। जिसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वेबसाइट पर जाकर मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के तहत रजिस्ट्रेशन होने पर इन बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जा सकेगा।

लॉरेंस विश्नोई ने शिक्षक से मांगी रंगदारी, मुकदमा दर्ज

मेरठ, (हि.स.)। पंजाब से बाहर निकल कर गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अपने पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। लॉरेंस ने मेरठ के एक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता को वाट्सऐप कॉल कर पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्तला गांव के नवजीवन इंटर कॉलेज में प्रवक्ता डॉ. नीरज शर्मा ने गंगानगर थाने में शिकायत देकर बताया कि लॉरेंस विश्नोई के नाम से उससे पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी जा रही है। शिक्षक ने बताया कि आठ नवम्बर को अनजान नंबर से वाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि हम लॉरेंस विश्नोई गैंग से बोल रहे हैं। इसके बाद गाली-गलौच करते हुए कहा कि तेरे बारे में सब जानता हूं। तू कहां उठता-बैठता है। मुझे सब पता है। अगर पांच पेटी नहीं दी तो तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा। तेरे घर पर तेरी लाश आएगी। उस नंबर पर गैंग की डीपी भी लगी हुई थी। इसके बाद शिक्षक ने नंबर ब्लॉक कर दिया। नौ नवम्बर को शिक्षक ने पूरा मामला अपने कॉलेज में साथियों को बताया। इसके बाद यूपी-112 नंबर पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई तो पुलिस कॉलेज में पहुंची। पुलिस के आने के बाद शिक्षक ने धमकी देने वाले नंबर पर कॉल की और इंस्पेक्टर ने खुद शिक्षक बनकर बात की। तब कॉलर ने कहा कि पुलिस के सामने ही अकाउंट नंबर दूंगा। उसमें पांच पेटी ट्रांसफर कर देना। इसके बाद पुलिस ने गंगानगर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को इंस्पेक्टर गंगानगर ने बताया कि अभी तक की जांच में सामने आया है कि यह कॉल मैनपुरी के नंबर से की गई है। शिक्षक की सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। जल्द ही जांच करके पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। इसके लिए साइबर सेल की सहायता ली जा रही है।

सरकार का मकसद सभी को अच्छी शिक्षा दिलाना: दानिश आजाद

मेरठ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मदरसों में युवाओं को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए नीति तैयार की जा रही है। मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की पड़ताल के लिए यह सर्वे किया जा रहा है। सरकार का मकसद सभी को अच्छी शिक्षा दिलाना है। प्रदेश के अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी गुरुवार को राज्य मंत्री दिनेश खटीक की माता के निधन पर शोक जताने के लिए मेरठ पहुंचे। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मदरसों का सर्वे कोई साजिश नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाना है। इसमें वैध और अवैध कुछ नहीं है,बल्कि मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का पता लगाना है। मदरसों में युवाओं को अच्छी शिक्षा देने के लिए नीति बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों में छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षा का स्तर, शिक्षकों की संख्या आदि की पड़ताल के लिए सर्वे हो रहा है। सर्वे का उद्देश्य किसी का नुकसान करना नहीं है। कहीं से भी सर्वे के दौरान कोई शिकायत नहीं है। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद मदरसों की बेहतरी के लिए कार्य किया जाएगा। सुभारती विवि में बीडीएस की छात्रा के आत्महत्या प्रकरण पर उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। योगी सरकार में कोई दोषी नहीं बचेगा। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली आदि उपस्थित रहे।

'शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उभरती प्रवृत्तियां' विषय पर कार्यशाला आयोजित

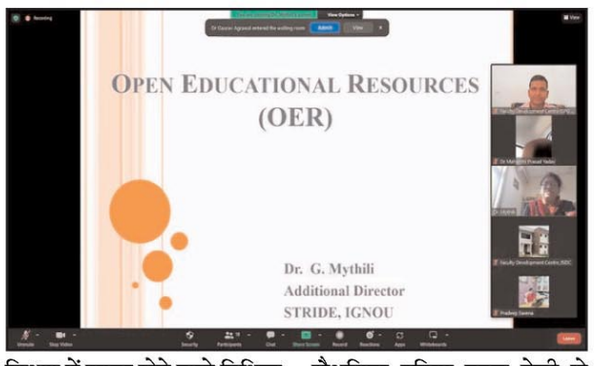

प्रयागराज, (हि.स.)। डॉ. बी.आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के इंस्ट्रक्टर डिजाइनर डॉ. दीपक बिसला ने कहा कि ई-कन्टेन्ट और ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से कॉपीराइट को मुक्त कर यूजर अपने सोर्स कोड को प्राप्त कर उसे अपनी जरूरत के अनुसार सुधार कर सकता है एवं नये फीचर भी जोड़ सकता है। उक्त विचार गुरुवार को ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के उपक्रम संकाय विकास केन्द्र एवं टी.एन.बी कॉलेज, भागलपुर, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उभरती प्रवृत्तियां विषय पर सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. बिसला ने व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि सर्च कोड का प्रयोग करके नया उत्पाद विकसित कर बेचा भी जा सकता है। उन्होंने शिक्षण में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न आधुनिकतम टूल्स और तकनीक पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने ई-कन्टेंट का निर्माण करने के साथ-साथ उसको अपलोड करने का तरीका भी सीखा। दूसरे सत्र में इग्नू, नई दिल्ली की डॉ. मैथिली ने ओ.ई.आर के माध्यम से टीचिंग, लर्निंग एवं इवैल्यूएशन पर चर्चा करते हुए कहा कि मुक्त शैक्षणिक स्रोतों के माध्यम से ही अध्यापक शिक्षा का समृद्धिकरण सम्भव है। शैक्षणिक दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। बदलती दुनिया में कठिनाइयां भी आ रही हैं। इसलिए बड़े पैमाने पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम एक बेहतर प्लेटफार्म है। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. मनोज कुमार दुबे ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रदीप सक्सेना, सह संयोजक डॉ. जमील अहमद व सह संयोजक डॉ. शिवजी वर्मा के साथ-साथ काफी संख्या में प्रतिभागीगण मौजूद रहे।

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि 14 नवम्बर तक बढ़ी, अंतिम मौका

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2022-23 के लिए प्रवेश की तिथि 14 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सीमा सिंह ने लिया। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश के सुदूरवर्ती छात्र लाभान्वित होंगे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि मुक्त विवि में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है। कुलपति के इस निर्णय से प्रवेश के इच्छुक ऐसे छात्रों को भी लाभ मिलेगा, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रवेश शुल्क अभी तक जमा नहीं कर पाए हैं। यह प्रवेशार्थियों के लिए अंतिम मौका होगा। प्रवेश के इच्छुक छात्र समस्त कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में 14 नवम्बर तक ऑनलाइन शुल्क जमा करते हुए प्रवेश ले सकते हैं। शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो.पी के स्टालिन ने जानकारी देते हुए बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में 11 नवम्बर को 11:30 बजे लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में इविवि के पूर्व कुलपति प्रो पी.के साहू का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया है। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. सीमा सिंह करेंगी।

मतदाता जागरुकता फोरम के नोडल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

रांची, (हि.स.)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने गुरुवार को मतदाता जागरुकता मंच को सक्रिय करने के उद्देश्य से सभी विभाग के नोडल ऑफिसर्स के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के दौरान सभी नोडल ऑफिसर्स को शहरी क्षेत्र में चुनावी भागीदारी के प्रति उदासीनता को समाप्त करने के लिए अलग - अलग तरह के ऐक्टिविटीज को करने के लिए मार्गदर्शक पीपीटी के माध्यम से दी गयी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विगत निर्वाचनों में एवं निर्वाचन संबंधित गतिविधियों में शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं तथा युवाओं की सहभागिता अपेक्षाकृत कम दर्ज हो पा रही है। इसके निवारण के लिए विविध जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है। शहरी क्षेत्र के मतदाताओं तक निर्वाचन सेवाओं की उपलब्धता को विभिन्न माध्यमों से सुलभ बना कर इस बाधा को दूर किया जा सकता है।

इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता जागरूकता फोरम के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाता जागरूकता फोरम एक अनौपचारिक मंच है जो सभी सरकारी, गैर सरकारी संगठनों में गठित किए जाते हैं। मतदाता सूची में पंजीकरण और मतदाता प्रक्रिया की शिक्षा देना एवं मतदाताओं को नैतिक रूप से सबल बनाने का एक माध्यम है। वोटर अवेयरनेस फोरम की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानने के लिए उन्होंने ecisveep.nic.in पर जाकर रिसोर्स गाइड डाउनलोड आसानी से करके वीएएफ के बारे में और ज्यादा जानने को कहा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने 16-18 आयुवर्ग एवं इससे अधिक आयुवर्ग के युवाओं के लिए सभी संबंधित विद्यालयों और कॉलेजों में युवा मतदाता एवं भविष्य के मतदाता के लिए निर्वाचन साक्षरता क्लब की स्थापना के बारे और वोटर अवेयरनेस फोरम की स्थापना की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ही सभी को वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया कराया गया। इस अवसर पर कई पदाधिकारी मौजूद थे।

आजसू का राज्यव्यापी आंदोलन 17 नवंबर को

रांची, (हि.स.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से नगर निकाय चुनाव में ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों को अनारक्षित करने के खिलाफ आजसू पार्टी 17 नवम्बर को राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। पार्टी राज्य के सभी 24 जिलों में आंदोलन करेगी। साथ ही राज्य सरकार के खिलाफ हल्ला बोलेगी। महतो गुरुवार को काके स्थित आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में विधानसभा स्तरीय बैठक में बोल रहे थे। झारखंडी जनमानस से जुड़े विषयों का ईमानदारी पूर्वक हल करने के बजाए, सरकार अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए लोगों को उलझाने का काम कर रही है। सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। आजसू पार्टी किसी भी हाल में हकमारी बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी एक लाख सक्रिय और पदेन कार्यकर्ताओं की कतार जल्दी खड़ी कर लेगी। यह कतार नेतृत्व संभालेगी और समाज के अंतिम पायदान को जगायेगी। उन्होंने कहा कि लीडरशिप का मौका आजसू सबसे ज्यादा और खुलकर देती है। कार्यकर्ता सक्रियता और एकाग्रता से मंजिल हासिल करने की जिद्द और जुनून पैदा करें। बैठक के दौरान आजसू पार्टी के भावी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पलामू के पांच पंचायतों में लगा शिविर

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जिले के पांच पंचायतों में गुरुवार को शिविर लगाया गया, जिसमें 2872 आवेदन प्राप्त किए गए। हुसैनाबाद के कुर्मिपुर में लगाये गये शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त, हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, प्रमुख और मुखिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कुर्मिपुर के शिविर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 11 लाभुकों के बीच गैस चूल्हा का वितरण किया गया। साथ ही 7 नये लाभुकों को ग्रीन राशन दिया गया। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 लाभुकों को गृह प्रवेश के लिए सामग्री प्रदान किया गया। कृषि विभाग के तहत 5 लोगों को सरसों का बीज वितरण किया गया। वहीं, सावित्री बाई फुले योजना के तहत 11 बच्चियों को चेक प्रदान किया गया। जेएसएलपीएस की 32 सखी मंडल की दीदियों के बीच 16 लाख का चेक दिया गया। शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त दोड्डे ने कहा कि एक ही स्थल से सभी योजनाओं से आम जनों को उनके घर में ही लाभान्वित करना शिविर का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने सभी से ऑनलाइन आवेदन करने व उसकी पावती लेने की अपील की ताकि उनके द्वारा दिए गए आवेदन को कभी भी ट्रैक किया सके।

आशा कार्यकर्ताओं को नियमित टीकाकरण और सर्वे का निर्देश

किशनगंज, (हि.स.)। जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आशा दिवस के तहत आशा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में नियमित टीकाकरण को लेकर शत प्रतिशत सर्वे अपडेशन व ड्यूलिस्ट बनाने का निर्देश दिया गया। वही अश्विन पोर्टल, लाभार्थियों की गणना, गृह भ्रमण जांच सूची, आरोग्य दिवस और कलस्टर बैठक से संबंधित विस्तार से जानकारी दी गयी। जिला सामुदायिक समन्वयक सुमन कुमार सिन्हा ने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य संबंधी 92 योजनाओं पर कार्य करने का अवसर मिलता है। इसके अलावा कोविड एवं नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम सहित विभाग द्वारा चलाए जा रहे अन्य कार्यक्रमों के संबंध उन्हें विस्तार से जानकारी दी गयी है। कहा गया कि आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर कोविड टीकाकरण के अद्यतन स्थिति का सर्वे करेंगी। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने बताया कि सभी आशा पहले चरण में ग्रामीण स्तर पर आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि के सहयोग से योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थाई व अस्थाई साधनों को अपनाने के लिए जागरूक करेंगी। दूसरे चरण में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थाई साधन के रूप में महिला बंध्याकरण और पुरुष नसबंदी की सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ-साथ अस्थाई साधन के रूप में कॉपर-टी लगाने, गर्भ निरोधक व अंतरा इंजेक्शन के साथ-साथ कंडोम निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा।

कोचाधामन के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ इनामुल हक ने आशा बैठक के दौरान आशा एवं आशा फैसिलिटेटर को बताया कि क्षेत्र में प्रसव का समय नजदीक आए तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे कि सबसे पहले एम्बुलेंस या फिर किसी गाड़ी वाले का नंबर को पास में रखें। अगर दर्द शुरू हो तो तुरंत गाड़ी वाले को फोनकर बुलाएं। इसके अलावा दो-तीन ऐसे लोगों को तैयार रखें, जो कि जरूरत पड़ने पर रक्तदान कर सकें। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को प्रोटीनयुक्त आहार का जरूर सेवन करना चाहिए। दूध, अंडा, मछली, मांस के साथ हरी सब्जियों का भरपूर सेवन करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को एक साथ दो जान की परवाह करनी पड़ती है। पौष्टिक और प्रोटीनयुक्त आहार लेने से दोनों का ध्यान रखा जाता है। जो गर्भवती महिलाएं मांसाहार का सेवन नहीं करती हैं, उन्हें दूध, हरी सब्जियों और फल के सेवन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

विकल्पहीन राजनीति होने से कभी राजद तो कभी भाजपा को वोट देना पड़ता है : प्रशांत किशोर

बेतिया, (हि.स)। प्रशांत किशोर सैकड़ों पदयात्रियों के साथ आज पश्चिम चंपारण जिले के नौतन ब्लॉक स्थित पदयात्रा कैंप से चलकर आमवा टोला, सिवालिया टोला, घोटा टोला, मनियारी, फतेहपुर, रेखा सुंदर पट्टी, हरी नगर, जयनगर, बैकुंठवा, कुजलाही, रहीमपुर, नत्तीपतावारा, नुनियारवा, पकौवा, कचहरी टोला, सोफुआ टोला, आशानगर होते हुए देर शाम को बेतिया के एम जे के कॉलेज पहुंचे। पदयात्रियों ने यहां रात्रि भोजन और विश्राम किया। इस दौरान वे और उनके साथ चल रहे सैकड़ों पदयात्रियों ने लगभग 20 किमी का सफर पैदल चलकर तय किया। आज के दिन की शुरूआत नौतन प्रखंड स्थित पदयात्रा कैंप में सर्वधर्म प्रार्थना से हुई। जन सुराज पदयात्रा के दौरान पश्चिमी चंपारण के बरदाहा पंचायत के सिवालिया टोला में प्रशांत किशोर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "लोगों ने पहले से पचासों दल बनाकर रखे हैं, एक दल मैं बना लूंगा उससे कुछ नहीं होने वाला है। सुधार तब होगा जब समाज से व्यक्ति मिलकर दल बनाएंगे। जब जनता की सरकार बनेगी तब कुछ सुधरेगा। इसलिए यह जन सुराज है, ना कि प्रशांत या मोदी, लालू, नीतीश सुराज। आगे उन्होंने कहा कि समाज में अच्छे व्यक्तियों की भी कमी नहीं है। हमें आवश्यकता है ऐसे व्यक्ति को ढूंढ निकालने की जो समाज के लिए कुछ करना चाहता है, जो समाज को ठगे नहीं। हमें विकल्प के अभाव के कारण कभी राजद से डरकर भाजपा को तो कभी भाजपा से डरकर राजद को वोट देना पड़ता है। जनता से सीधा संवाद करते हुए आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारे पास दो तरीके हैं एक तो कि मैं स्वयं एक दल बना कर नया विकल्प बना दूं, या पदयात्रा करके लोगों को उनकी सहायता से एक नया विकल्प बनाया जाए। हमारे यहां लोकतंत्र है जो कि जनता की सरकार से चलता है, लेकिन दुर्भाग्यवश किसी नेता या दल के जीतने से जनता की जीत नहीं होती। आपको लगता है कि आपने किसी नेता को जीता या हरा दिया लेकिन ऐसा नहीं है। जीतने पर केवल नेता की स्थिति बदलती है,आपकी स्थिति में कोई बदला नहीं होता तो नेता की जीत आपकी जीत कैसे हुई? इसलिए मैं किसी नेता या दल के साथ नहीं बल्कि जनता के साथ काम करना चाहता हूं।

एसपी ने जनता दरबार में सुनी 85 लोगों की फरियाद, दिए निष्पादन के निर्देश

बेगूसराय, (हि.स.)। पुलिस प्रशासन से संबंधित मामले के निष्पादन में तेजी आने से से एसपी के साप्ताहिक जनता दरबार में लोगों की भीड़ जुटने लगी है। आज भी पुलिस कार्यालय में लगाए गए जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों की फरियादें सुनकर एसपी ने उसके निष्पादन का निर्देश दिया है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि आज 85 लोग अपनी समस्या लेकर आए थे। एक-एक कर प्रत्येक फरियादियों से मिलकर उनकी समस्या सुनी गईं। इस जनता दरबार में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार भी उपस्थित थे, जिन्हें जनता के समस्याओं को निष्तारित करने के लिए निर्देशित किया गया है। एसपी ने सभी लोगों से कहा है कि बेगूसराय पुलिस सदैव आपकी सहायता में तत्पर है। किसी भी तरह की सूचना बेगूसराय पुलिस कंट्रोल रूम नम्बर 06243-230200 तथा साइबर सेल के व्हाट्सएप नबर- 8540036840 पर दें, त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

प्रधान न्यायाधीश से अपेक्षाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के नए प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई है। वह देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश हैं। उनका कार्यकाल नवंबर, 2024 तक होगा, जो हाल के कालखंड में सर्वाधिक है। जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने ऐसे विरोधाभासी और नाजुक वक्त में प्रधान न्यायाधीश का दायित्व ग्रहण किया है, जब भारत आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय ताकत के रूप में स्थापित हो रहा है, लेकिन दूसरी तरफ देश के आम आदमी तक 'न्याय' दुर्लभ है। वह सर्वोच्च अदालत तक पहुंचने और इंसाफ पाने की कल्पना तक नहीं कर सकता। एक न्यायाधीश की ही टिप्पणी थी कि यदि किसी इनसान को बर्बाद करना है, तो उसे कैंसर या अदालत के चक्कर में फंसा दिया जाए। यह मान्यता और परिभाषा प्रतीकात्मक भी हो सकती है, लेकिन देश की अदालतों में लंबित मामलों की जो संख्या है, उनके जरिए ही इंसाफ की असलियत और व्यापकता को समझा जा सकता है। आम आदमी के लिए सामाजिक न्याय, समानता, संवैधानिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा आदि पर न्यायपालिका न्याय सुनिश्चित कर सके, फिलहाल वह दिन देखना अभी बहुत दूर है। बेशक अदालतों ने अपने स्तर पर ही कई मुद्दों और समस्याओं पर संज्ञान लेकर न्यायिक फैसले सुनाए हैं, लेकिन संपूर्ण न्याय की अपेक्षाएं और उम्मीदें आज भी शेष और क्षीण हैं। यह न्यायपालिका की सबसे संवेदनशील और गंभीर चुनौती है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ के सामने ऐसी व्यवस्था और हालात बदलने की कई विराट चुनौतियां हैं, क्योंकि देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ अपराध के रंग भी बदले हैं। अपराध भी अब साइबर और पेंचदार तकनीकी हो गया है। न्यायपालिका की विश्वसनीयता, निष्पक्षता और तटस्थता को लेकर लगातार सवाल किए जा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश को संस्थान की गरिमा को बचाना और उसे बरकरार रखना है। सोशल मीडिया की बेलगाम स्वच्छंदता भी है और सामान्य मीडिया भी सवालिया होता जा रहा है। देश का आम नागरिक कहां जाए और किससे गुहार करे? हम मानते हैं कि देश की तमाम सूक्ष्मतम समस्याएं और चिंताएं जस्टिस चंद्रचूड़ ही नहीं देख सकते। उनका अधिकार-क्षेत्र असीमित है, तो संवैधानिक दायित्व भी बहुआयामी हैं। वह देश की संवैधानिक और संसदीय व्यवस्था तथा कार्यवाहियों के पहरेदार और समीक्षक भी हैं, लिहाजा प्रधान न्यायाधीश रहते हुए जस्टिस यूयू ललित ने साल भर संविधान पीठ की सक्रियता का जो मानक तय किया था, जस्टिस चंद्रचूड़ को उसे आगे बढ़ाना और विस्तार देना है। नतीजतन अधिक विवादास्पद और संवेदनशील मामलों का निपटारा जल्द हो सकेगा और संविधान पीठ का फैसला अधिक न्यायिक माना जाएगा। जस्टिस चंद्रचूड़ भारतीय न्यायपालिका के प्रथम न्यायकार और अधिकारी हैं, लिहाजा वह सबसे निचली अदालत तक व्यवस्था दुरुस्त करने का आदेश दे सकते हैं। उसकी समीक्षा का एक तंत्र बना सकते हैं और उसमें न्यायिक सुधार भी कर सकते हैं, क्योंकि उनके पास कार्यकाल की व्यापकता है। लिहाजा तमाम बदलाव समयबद्ध भी होने चाहिए। हमारा मानना है कि जस्टिस चंद्रचूड़ के लिए सर्वोच्च अदालत में न्यायाधीशों की नियुक्ति वाले कॉलेजियम पर, केंद्र सरकार के साथ किसी विवाद पर, ज्यादा जवाबदेह और पारदर्शी होने के बजाय उनका 'मानवतावादी' होना ज्यादा अनिवार्य और अपेक्षित है। वह बहुशिक्षित कानूनविद हैं, लिहाजा उनसे अपेक्षाएं भी अधिक हैं।

> जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने ऐसे विरोधाभासी और नाजुक वक्त में प्रधान न्यायाधीश का दायित्व ग्रहण किया है, जब भारत आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय ताकत के रूप में स्थापित हो रहा है, लेकिन दूसरी तरफ देश के आम आदमी तक 'न्याय' दुर्लभ है। वह सर्वोच्च अदालत तक पहुंचने और इंसाफ पाने की कल्पना तक नहीं कर सकता। एक न्यायाधीश की ही टिप्पणी थी कि यदि किसी इनसान को बर्बाद करना है, तो उसे कैंसर या अदालत के चक्कर में फंसा दिया जाए। यह मान्यता और परिभाषा प्रतीकात्मक भी हो सकती है, लेकिन देश की अदालतों में लंबित मामलों की जो संख्या है, उनके जरिए ही इंसाफ की असलियत और व्यापकता को समझा जा सकता है।

कुछ अलग

प्रवचनों की बधिर आवाज

इस प्राचीर तक पहुंचने की इच्छा उनकी नहीं थी। इन प्रासादों के भीतर भी उनका प्रवेश निषेध रहा। लेकिन फिर भी उन्हें समझा दिया जाता कि यह प्राचीर तुमसे दूर नहीं। इस पर पीढ़ी दर पीढ़ी बैठे लोगों के जय जयकार के नारे लगाते रहोगे, तो जब वोट डालने का वक्त आएगा, तो ये चार दिन की चांदनी का मंत्र-वाक्य सिद्ध करने के लिए तुम्हारे दरवाज़े पर दस्तक दे देंगे। तुम उनसे न पूछना कि इन चन्द चांदनी रातों के बाद क्या फिर अंधेरी रात का उपहार है। बरखुरदार भला इसके पूछने की क्या ज़रूरत है? यहां अंधेरी रातों के तोहफे नहीं बंटते, यह तो तुम्हारी नियति है। अब तक इसे झेल लेने की तो तुम्हें आदत हो जानी चाहिए थी। बहुत-सी बातों की आदत तो हो गई है, तुम्हें कि जैसे यह आदत कि चिन्ता न करो, अच्छे दिन आएंगे। सब जन रोटी खाएंगे। बदन पर फटे चीथड़ों की जगह सज्जनों जैसे वस्त्र पाएंगे। उनके बिना दीवारों के घर अब उनसे रुख्सत ले लेंगे। उनके सिर पर छत का चन्दोबा बन जाएगा। जिसके फटे सीने से झांकता हुआ चांद उनके साथ हाथ मिलाने नहीं आएगा। यह सब नहीं मिला। हां, इसका इंतज़ार करने की आदत अब अवश्य पक्की हो गई है। सपनों का बायस्कोप दिखाने वाला अपने ओजस्वी भाषण के साथ आज भी ज़रूरत पडने पर उनकी गलियों का चक्कर लगाने आ जाता है। उसके पास निकट भविष्य में उनका वक्त बदल जाने का सन्देश रहता है। लेकिन यह भविष्य कितना निकट है, शायद इसकी खबर उसे नहीं रहती। प्राचीर से चिल्लाओ तो आवाज़ को उनके पाताल तक पहुंचते देर लगती है। उनके प्रासादों के बाहर कभी फुटपाथ थे, उनका ठिकाना बन जाते थे, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान में इन फुटपाथों पर मैले कुचैले लोगों का क्या काम? क्यों न इन्हें चन्द टूटी झुग्गियों में समेट दो। इन्हें पर्दाकशी करने के लिए इनके बाहर ऊंची दीवारों का परकोटा बना दो। हमारे सम्पन्न मसीहा यह उभरता-संवरता देश देखने आएंगे। उनकी नजर इन मैली-कुचैली बस्तियों पर नहीं पडनी चाहिए। उनके सौंदर्य बोध पर आघात लगेगा। उन्हें सिर्फ यही बताना कि वह दुनिया के उस सबसे बड़े लोकतंत्र में तशरीफ लाए हैं, जहां अति गरीब जनता की भीड़ हर बार चुनाव दुंदुभि बजने के बाद बड़ी ईमानदारी के साथ अपने गेटों की पुष्पांजलि से इन प्राचीरों और प्रासादों पर कब्ज़ा जमाए अति असामाजिक तत्वों को अपना नया खुदा चुनती है। इन नए खुदाओं के दिल में उनका दर्द नौ दिन और अपने भाइ-भतीजों का दर्द सौ दिन सवाया रहता है। इसी को वह इस देश में समाजवाद की स्थापना का नाम देते हैं, जहां टसुवे गरीब के लिए बहाए जाते हैं, और माऊंट एवरेस्ट अमीर का उठाया जाता है। यह अमीर संख्या में बहुत नहीं हैं। जनता के धूलि-धूसरित आटे में नमक की तरह रहना पसन्द करते हैं। नमक अधिक हो जाए तो उनकी सेहत देश में बिगडने लगती है। सेहत बिगड़ती है तो वे बैंकों की सेहत बिगाड़ देते हैं। अपने प्रासादों और प्राचीरों की धौंस से उनका जो खजाना उठा कर अपनी तिजोरी में भरा होता है, उसे अपनी गठरी में समेट कर विदेशों की ओर प्रयाण कर जाते हैं। आजकल इन देशों की नागरिकता में बिकने लगी है। अपना चोला बदलते देर ही कितनी लगती है। बस गंगा गए तो गंगा राम और जमना गए तो जमना दास हो जाते हैं। पीछे जिन्हें छोड़ गए, वे प्रासाद के प्राचीर उनकी प्रतीक्षा करते हैं। जिन बैंकों के कोषागार खाली कर गए थे, उनके वजूद लडख़ड़ाने लगते हैं।

> सपनों का बायस्कोप दिखाने वाला अपने ओजस्वी भाषण के साथ आज भी ज़रूरत पडने पर उनकी गलियों का चक्कर लगाने आ जाता है। उसके पास निकट भविष्य में उनका वक्त दबल जाने का सन्देश रहता है। लेकिन यह भविष्य कितना निकट है, शादय इसकी खबर उसे नहीं रहती।

विचार

मोदी के नेतृत्व में भारत ने नया इतिहास गढ़ा है, स्वयं को सशक्त एवं ताकतवर बनाया है

जी-20 का नेतृत्व मिलना भारत के विश्व महाशक्ति बनने की दिशा में बड़ा कदम है

ललित गर्ग

> भारत अब इस जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित ही यह भारत के लिये एक नये सूरज के अभ्युदय का संकेत है। मोदी ने भारत की अध्यक्षता के शुभंकर और वेबसाइट का अनावरण करते हुए दुनिया को शांति के मार्ग पर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराया है। समूची दुनिया को सुखी होने का मार्ग दिखाते हुए भारत स्वयं भी उस मार्ग पर अग्रसर होगा, इसके लिये मोदी का नेतृत्व निश्चित ही नवीन दिशाओं को उद्घाटित करेगा। संसार के सभी प्राणी सुखी हों, यह कामना वह व्यक्ति, वह नेता एवं वह राष्ट्र कर सकता है, जो सारी वसुधा को अपना परिवार समझता है, जो उदार होता है, जो शांतिप्रिय एवं अहिंसक होता है, जो अपने पराये की संकीर्ण सीमा को लांघकर प्राणीमात्र के सुख में सुखी और दु:ख में दु:खी होता है।

भारत के लिये यह गर्व एवं गौरव की बात है कि वह 1 दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए ये ऐतिहासिक अवसर है। आजादी के अमृतकाल में यह देश के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि है, जहां से भारत के सशक्त होने एवं विश्व स्वीकार्यता की सार्थक दिशाओं का उद्घाटन होने जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व नेता के रूप में उभर रही स्थितियों के कारण एक बड़ा अवसर देश को प्राप्त हो रहा है। जी-20 ऐसे देशों का समूह है जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 75 प्रतिशत जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत अब इस जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित ही यह भारत के लिये एक नये सूरज के अभ्युदय का संकेत है। मोदी ने भारत की अध्यक्षता के शुभंकर और वेबसाइट का अनावरण करते हुए दुनिया को शांति के मार्ग पर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराया है। समूची दुनिया को सुखी होने का मार्ग दिखाते हुए भारत स्वयं भी उस मार्ग पर अग्रसर होगा, इसके लिये मोदी का नेतृत्व निश्चित ही नवीन दिशाओं को उद्घाटित करेगा। संसार के सभी प्राणी सुखी हों, यह कामना वह व्यक्ति, वह नेता एवं वह राष्ट्र कर सकता है, जो सारी वसुधा को अपना परिवार समझता है, जो उदार होता है, जो शांतिप्रिय एवं अहिंसक होता है, जो अपने पराये की संकीर्ण सीमा को लांघकर प्राणीमात्र के सुख में सुखी और दु:ख में दु:खी होता है। यही उदात्त विचारधारा भारतीय संस्कृति और जीवन-पद्धति की विशेषता रही है, इसी विचारधारा से वसुधैव कुटुबंकम एवं सर्वे भवन्तु सुखीन के उद्घोष हुए हैं। इन्हीं उद्घोषों को बल देते हुए भारत विश्व में आर्थिक रूप से शक्तिशाली 20 देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता काल में गौतम बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी के युद्ध से मुक्ति एवं हिंसा के प्रतिरोध सिद्धांत के साथ विश्व को शांति, समाधान एवं समृद्धि की राह दिखाएगा। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदेश मंत्रालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जी-20 के नये प्रतीक चिन्ह एवं नारे का लोकार्पण किया और कहा कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का नारा भारत के संस्कारों एवं संस्कृति से विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। नये प्रतीक चिन्ह के कमल के पुष्प पर विराजित पृथ्वी एवं कमल की सात पंखुड़ियों के माध्यम से सातों महाद्वीपों की एकजुटता और सौहार्द से समृद्धि एवं प्रगति का संदेश मिलता है। नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में भारत की छवि लगातार बदलती जा रही है, भारत को दुनिया की महाशक्तियां भी स्थान देने लगी, उससे मार्गदर्शन लेकर अपनी नीतियों को बल देने लगी है। दुनिया को तो भारत की शक्ति का एहसास हो ही चुका है, साथ ही देशवासियों को भी भारतीय होने का गौरव महसूस होने लगा है। जी-20 यानि 20 देशों का समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच है, इस मंच की अध्यक्षता भारत को करने का अवसर मिलता निश्चित ही एक नये, शुभ एवं श्रेयस्कर भारत का संकेत है। आज पूरी दुनिया भारत के महत्व को समझती है। दुनिया जानती है कि भारत जो कहता है वह करता है। भारत के प्रति दुनिया में बढ़ रहा विश्वास उसके प्रभावी नेतृत्व, नीतियों, नीतिपरकता, स्पष्टता और पारदर्शिता का परिणाम है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने नया इतिहास गढ़ा है, स्वयं को सशक्त एवं ताकतवर बनाया है। दृढ़ता एवं साफ-सुथरी शासन-व्यवस्था से दुनिया को प्रभावित किया है। आर्थिक विकास को गति दी है। यही कारण है कि अब भारत में दुनिया के कई देश बेझिझक कारोबार के अवसर तलाश रहे हैं।

भारत के सामने कई चुनौतियां भी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में ऊर्जा और खाद्य संकट खड़ा हो चुका है। दुनिया के तमाम देशों पर मंदी का साया मंडरा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन जैसी महाशक्तियां भी हांफ रहे हैं। दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का भी यही हाल है। कारोबार और व्यापार की चुनौतियों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन एवं प्रदूषण का संकट भी काफी बड़ा होता जा रहा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर है और पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर लगी हुई हैं। इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को ही जाता है। भारत जी-20 नेतृत्व में निश्चित ही दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देगा। जी-20 के इस अंतर सरकारी मंच में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। भारत देशभर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 200 बैठकें आयोजित करेगा। अगले साल होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन, भारत द्वारा आयोजित किया जाने वाले शीर्ष स्तर के अंतररष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक अनूठा एवं विलक्षण होगा। इस सम्मेलन से दुनिया की नजरें भारत पर टिकेगी। दुनिया अब उम्मीद कर रही है कि अगर कोई देश उसे आर्थिक संकटों में जाने से बचा सकता है तो वह सिर्फ भारत ही है। भारत दुनिया की ग्रोथ का इंजन बनने की ताकत रखने लगा है। रूस-यूक्रेन युद्ध मसले पर भारत किसी भी खेमे में शामिल नहीं हुआ, बल्कि उसने अमेरिका के दबाव में आए बिना रूस से सस्ता तेल खरीदा क्योंकि भारत को अपनी जनता के हित पहले देखने हैं। अमेरिका और उसके मित्र देश रूस पर प्रतिबंधों का खामियाजा भुगत रहे हैं। यह भारत का आत्मविश्वास एवं दृढ़ता ही है जहां से दुनिया को अपनी सोच बदलने एवं विश्व को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ाने की सोच को बल मिल रहा है। भारत अपनी मौलिक सोच एवं फौलादी इरादों से अपने आजादी के अमृत महोत्सव काल को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता में आमूल-चूल परिवर्तन का जरिया बना रहा है। भारत दुनिया की एक सशक्त आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। 2029 तक वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2027 तक उसके जर्मनी और 2029 तक जापान से आगे निकल जाने का अनुमान है। हाल ही में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए उसने दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में जगह बना ली है। अब वह सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी से पीछे है। 20-जी शिखर सम्मेलन की स्वागत भूमि बनकर भारत अपने सशक्त एवं विकसित होने के गौरव को नये आयाम देगा। अपनी उपस्थिति एवं नेतृत्व से दुनिया का ध्यान खींचेगा। भारत कोरा आर्थिक विकास ही नहीं कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक एवं लोकतांत्रिक विकास भी कर रहा है। वह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा, वाणिज्य कौशल की पहचान और आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण के लिये नयी भूमि को तैयार कर रहा है। भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर बहुत ध्यान दे रहा है। भारत उन देशों में है जो बहुत तेज गति से इलैक्ट्रिक वाहनों को अपना रहा है और इस दिशा में निवेश कर रहा है। डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य एवं कृषि से जुड़े विषयों में भारत ने अनूठी उपलब्धियां हासिल की है। सऊदी अरब और भारत के बीच संबंध मधुर हैं। दोनों देश तेल-गैस के व्यापार के अलावा रणनीतिक भागेदारी और प्रवासी कामगारों को लेकर भी करीब से जुड़े हैं।

यह मत का दान है, दान का मत नहीं

> एक मत की क्या ताकत होती है, उन लोगों से पूछिए जो केवल एक मत से हारे हैं। कौन भूल सकता है 17 अप्रैल 1999 का दिन जब भाजपा की 13 दिन पुरानी वाजपेयी सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस के सैफुदीन सोज़ के एक वोट से गिर गई थी। 2004 में कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में जनता दल के एआर कृष्णामूर्ति कांग्रेस के आर. ध्रुवनारायन से एक वोट से हार गए थे। रोचक बात यह है कि कृष्णामूर्ति के ड्राइवर ने मत का इस्तेमाल नहीं किया। 2008 में राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भाजपा के कल्याण सिंह चौहान से एक वोट से चुनाव हार गए थे। आश्चर्य की बात यह है कि इस चुनाव में जोशी जी की माता, पत्नी और ड्राइवर मतदान करने मतदान केंद्र पर नहीं आए। 2015 में मोहाली म्यूनिसिपल कारपोरेशन में कांग्रेस के कुलविंदर कौर रांगी ने आज़ाद प्रत्याशी निरमल कौर को एक वोट से पटखनी दी थी।

हालांकि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, परन्तु आज भी काफी संख्या में लोग मतदान करने नहीं निकलते। ब्रिटिश लेखक एलन मूर ने कहा है, 'जनता को सरकार का नहीं, बल्कि सरकार को जनता का डर होना चाहिए।' किसी भी लोकतंत्र में सरकार के लिए यह डर है- चुनाव में मतदान। गांव के पंच का चुनाव हो, विधानसभा या लोकसभा चुनाव हो या फिर संसद में सरकार बनाने-गिराने की हो, लोकतंत्र में मतदान ही आधारभूत, सबसे सशक्त व अहिंसात्मक साधन है। चुनावी इतिहास के पन्नों में दजर्.है कि कई बार ऐसा हुआ है कि चुनाव में एक वोट के अंतर से उम्मीदवार की हार-जीत हुई है। यहां तक कि टाई की स्थिति में टॉस से भी फैसला किया गया है। एक मत की क्या ताकत होती है, उन लोगों से पूछिए जो केवल एक मत से हारे हैं। कौन भूल सकता है 17 अप्रैल 1999 का दिन जब भाजपा की 13 दिन पुरानी वाजपेयी सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस के सैफुदीन सोज़ के एक वोट से गिर गई थी। 2004 में कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में जनता दल के एआर कृष्णामूर्ति कांग्रेस के आर. ध्रुवनारायन से एक वोट से हार गए थे। रोचक बात यह है कि कृष्णामूर्ति के ड्राइवर ने मत का इस्तेमाल नहीं किया। 2008 में राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भाजपा के कल्याण सिंह चौहान से एक वोट से चुनाव हार गए थे। आश्चर्य की बात यह है कि इस चुनाव में जोशी जी की माता, पत्नी और ड्राइवर मतदान करने मतदान केंद्र पर नहीं आए। 2015 में मोहाली म्यूनिसिपल कारपोरेशन में कांग्रेस के कुलविंदर कौर रांगी ने आज़ाद प्रत्याशी निरमल कौर को एक वोट से पटखनी दी थी। 2017 में मुंबई म्यूनिसिपल चुनाव में भाजपा के अतुल शाह और शिव सेना के सुरेंद्र बगलकर के बीच मुकाबला 5946 मतों के साथ बराबर रहा और मामला लॉटरी से सुलझाना पड़ा। वोट की कीमत को पहचानते हुए ही चुनाव आयोग कई दुर्गम क्षेत्रों में पोलिंग स्टेशन स्थापित करता है। इस बार हिमाचल प्रदेश में चंबा का चस्क भटोरी सबसे दुर्गम पोलिंग स्टेशन है जहां पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इस बार चुनाव आयोग ने 80 वर्ष से अधिक आयु वाले व शारीरिक रूप से असमर्थ मतदाताओं के लिए घर पर ही मतपत्र उपलब्ध करवाएं हैं। सचमुच बहुत ताकत होती है एक वोट में। एक-एक का एक-एक वोट एक नेता बना देता है, तख्तोताज़ बदल देता है। आपका मत गांव, प्रदेश, राज्य और देश की दशा, दिशा और सूरत बदल सकता है। वोट की इस शक्ति का प्रयोग करने का मौका हिमाचल के मतदाताओं के पास पांच साल बाद 12 नवंबर को फिर आ रहा है। कहते हैं सुनहरा अवसर बार-बार किसी के दरवाज़े पर दस्तक नहीं देता और अगर चुनाव में अपना नेता चुनने की बात हो, तो ये मौका केवल पांच वर्ष में एक बार आता है। अबकी बार चुनाव प्रचार में जब किसी भी दल के नेता आपके पास आएंगे, तो उनसे कुछ सवाल ज़रूर कीजिएगा क्योंकि ये सवाल करने का आपको हक है और सवाल करने का इससे बढिया मौका आपको नहीं मिलेगा क्योंकि नेता लोग भी सुनहरे अवसर की तरह बार-बार आपके दर पर थोड़े ही आएंगे। पांच साल में एक बार वे ज़रूर पकड़ में आते हैं। इन उम्मीदवार नेताओं से पिछले पांच सालों का हिसाब-किताब ज़रूर पूछिए। उनसे पूछना कि उन कसमें-वादों का क्या हुआ जो वो पिछले चुनाव में वोट मांगते वक्त करके गए थे। उनसे अपनी सडक़ों के हालचाल के बारे में ज़रूर बात करना। उनसे पूछना कि आपके स्कूल में लंबे समय से अध्यापक क्यों नहीं है, आपके गांव के अस्पताल में डॉक्टर साहब क्यों नहीं है। जब वे हाथ जोड़ कर आपके दरवाज़े पर वोट मांगने आएंगे, तो उन्हें पानी ज़रूर पिलाना और साथ ही हाथ जोड़ कर ये ज़रूर पूछना कि उस पीने के पानी का क्या हुआ, जो वो हर घर के नलों तक पहुंचाने वाले थे। आप सवाल उन नेताओं से भी पूछना जो सत्ता में नहीं थे, परंतु सत्ता में आने के लिए लालायित हैं। उनसे पूछना कि आने वाले पांच सालों में वे आपके लिए क्या कमाल करने वाले हैं, उनके पास कौनसा ब्लूप्रिंट है जिसके तहत वे आपके गांव या शहर की कायाकल्प कर देंगे। ये भी ज़रूर पूछना कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए वे क्या खास करने वाले हैं। उनसे पूछना कि किसानों की फसलों को उचित दाम दिलाने व उनकी रोटी महफूज रखने के लिए वे क्या करने वाले हैं। उन नेताओं से और नेताओं के चमचों से पूछना कि क्या वे पांच साल बाद ही मिलेंगे या उससे पहले भी कभी-कभार आपके गांव का हालचाल पूछने आया करेंगे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रबुद्ध मतदाताओ! तुम उन नेताओं से ये सवाल ज़रूर पूछना क्योंकि लोकतंत्र में चुनाव के समय सत्तासीन या सत्ता से बाहर रहे नेताओं से सवाल पूछने का हक तो आपका बनता ही है। चुनाव वाले दिन तुम दुबक कर घर पर मत बैठना, नहीं तो वो नेता बन जाएगा जिसे आप नेता नहीं चुनना चाहते। तुम इन नेताओं के अंगूरी और शहद जैसे जुमलों में मत आना। किसी लालच या छलावे में मत आना क्योंकि ये लोग मंझे हुए छलिए भी होते हैं। अपने विवेक का इस्तेमाल कर ही मत देना। ये आपका मत का दान है, न कि दान का मत। पूरा हिसाब-किताब लगा कर ही अपने मत का दान करना। अगर कोई भी प्रत्याशी आपको नहीं भा रहा हो, तो नोटा बटन दबाने का अधिकार भी आपको दे दिया गया है। किसी के इस डराव में भी मत आना कि आपके मत का पता चल जाएगा। ये गुप्त मतदान होता है जिसे गुप्त ही रखा जाता है और आप स्वयं भी अपने मत को गुप्त ही रखना। सरकार कैसी होगी, ये मतदाताओं के विवेक पर निर्भर करता है।

नागरिक बोध

गुजरात मे भाजपा ने कांग्रेस के नेताओ को गले लगाया

गुजरात विधानसभा चुनाव में एक माह से भी कम समय शेष है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी को अलविदा कर भाजपा में शामिल हो रहे है। जितना असन्तोष कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं में इस समय है, उतना कभी नही था। कांग्रेस मुक्त भारत का नारा देने वाली भाजपा ने कांग्रेस के बागी नेताओ और दलबदलुओं को ही गले लगाया है। कांग्रेस के नेताओ में असन्तोष के चलते इस तरह के कदम उठा रहे है। पार्टी में मान सम्मान की कमी के कारण कांग्रेस पार्टी छोड़ रहे है तो कई नेताओं को यह आभास हुआ है कि कांग्रेस के बैनर तले जीत पाना मुश्किल है। बगावत की आवाज चारो तरफ उठ रही है ।उसे शांत करने के लिए मेहनत की जरूरत है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में चल रहे है। गुजरात की राजनीतिक चौसर बिछी होने के बावजूद कोई सरोकार नही है। कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले की संख्या रिकार्ड तोड़ चुकी है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भाजपा ने अपनाया है और अब उमीदवार भी बनाएगी। इस बार भाजपा उम्मीदवार होना ही चुनाव जीतने की पक्की गारंटी मानी जा रही है। उन नेताओं की नही चली तो टिकट बंटवारे की बंदरबाट के लिए बदनाम रहे है ।कांग्रेस सालो से गुजरात मे हाशिये में है। अपने पुनरोदय के लिए हाथ पांव मार रही है ।इस चुनाव में हर दल ने अपना सबकुछ दांव पर लगाने जा रहे है। गुजरात का चुनाव मोदी और शाह की प्रतिष्ठा का चुनाव है। इस चुनाव से 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की स्क्रिप्ट लिखी जाएगी। कांग्रेस हाथ पांव मारने के बाद दूर की कौड़ी है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के दलबदल राजनीति कांग्रेस की कमजोरी और जनाधार खो चुकी पार्टी की निशानी है। हर दल में पीढ़ी और पट का सवाल है। उधर गुजरात मे अनेक दिग्गज नेताओं ने भाजपा से आग्रह किया है कि हमे टिकट नही दिया जाए ।हम चुनाव नही लड़ेंगे। भाजपा नए चेहरे तथा युवाओ को राजनीति में प्रवेश देने जा रही है। जिसका श्रेय मोदी को जाता है। भाजपा में जिन पांच दिग्गज नेताओं ने चुनाव नही लड़ने का ऐलान किया है। वे विरले ही है। इन सब ने नए चेहरे और नई टीम के गठन के लिए युवाओ को आगे लाने की कसम खाई है। जो गुजरात के विकास में चार चांद लगा दे। नई पीढ़ी गुजरात की बागडोर संभालने वाली है। कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में अंदरूनी कमजोरियां और घबराहट की देन है। भाजपा टिकट बंटवारे में दक्षिण गुजरात के सूरत में अनेक नामो की घोषणा की है। कांग्रेस के तालाल विधायक ने पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हुए है ।कांग्रेस की बैचेनी दूर नही हो रही है। जबकि नई नवेली पार्टी आप के संयोजक केजरीवाल ने कतारगाम सूरत से गोपाल इटालिया के चुनाव लड़ने की घोषणा की है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश का चुनाव भाजपा के लिए खास है। इस में भाजपा की आगामी रणनीति तय होगी। केजरीवाल को जो भी जनाधार मिलेगा। उसमे पार्टी को राष्ट्रीय स्तर की इमेज खड़ी होगी। कांग्रेस हिमाचल में जोर आजमाइश कर रही है क्योंकि कांग्रेस के पास राजस्थान और छतीसगढ़ दो राज्य है।

देश दुनीया से

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं। भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ीबूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है। शुरुआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है।

> प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है।

व्हाइट हाउस ने कहा–रूस से दूरी बनाने में भारत की मदद को तैयार, अब बदल गए हैं हालात

वाशिंगटन।
राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह रूस के साथ दूरी बनाने में भारत की मदद करते हुए उसके साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। व्हाइट हाउस ने कहा, ऐसे कई देश हैं जिन्होंने इस कठिन तथ्य को जान लिया है कि रूस ऊर्जा या सुरक्षा क्षेत्र में विश्वसनीय नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत-रूस रिश्तों को लेकर अमेरिका ने लगातार स्पष्ट किया है कि ये संबंध कई दशकों में विकसित और मजबूत हुए हैं। वास्तव में ये रिश्ते शीत युद्ध के दौरान बने जब अमेरिका, भारत के लिए आर्थिक, सुरक्षा व सैन्य भागीदार बनने की स्थिति में नहीं था। नेड प्राइस ने कहा, अब हालात बदल गए है और गत 25 वर्षों के दौरान इसमें बदलाव आया है, जिसकी शुरुआत वास्तव में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के प्रशासन ने की थी। उन्होंने कहा, अमेरिका ने आर्थिक, सुरक्षा और सैन्य सहयोग समेत हर क्षेत्र में भारत के साथ अपनी साझेदारी को गहरा करने की कोशिश की है। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीदी पर किए एक सवाल के जवाब में नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका ने तेल, गैस व ऊर्जा क्षेत्र को लेकर रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में छूट सोच-समझकर दी है। उन्होंने कहा, भारत में ऊर्जा की अत्यधिक मांग है वह रूस से तेल और ऊर्जा के अन्य स्रोत हासिल करता है यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो लगाए गए प्रतिबंधों के विरुद्ध हो। उन्होंने कहा, कई देशों ने जान लिया है कि रूस ऊर्जा के क्षेत्र में विश्वसनीय स्रोत नहीं है।

अमेरिका और रूस अपने निलंबित परमाणु हथियार नियंत्रण निरीक्षण को बहाल करने पर जल्द ही वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते इन निरीक्षणों पर रोक लगा दी गई थी। नेड प्राइस ने कहा, 'न्यू स्टार्ट' संधि की शर्तों के तहत निरीक्षणों पर बातचीत निकट भविष्य में होगी। उन्होंने वार्ता की तारीख या जगह के बारे में नहीं बताया लेकिन अन्य अधिकारियों ने संकेत दिए कि वार्ता साल के अंत में मिस्र में हो सकती है।

रूसी सेना ने बुधवार को घोषणा की कि वह यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसान और आसपास के इलाकों से हट रही है। आठ महीने पुरानी जंग में यह रूसी फौजों की एक और अपमानजनक पराजय है। यूक्रेनी अधिकारियों ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की हाल के दिनों में कहते रहे हैं कि रूसी खेरसान शहर से हटने का बहाना कर यूक्रेनी फौजो को उलझी हुई जंग में झौंकना चाहते हैं।

रूसी सेना के सर्वोच्च कमांडर जनरल सर्गेई सुरोविकिन ने रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु को बुधवार को भेजी रिपोर्ट में कहा कि खेरसान व आसपास और नीपर नदी के पश्चिमी किनारे तक रसद की आपूर्ति असंभव हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

छंटनी से एच-1बी वीजाधारकों पर अमेरिका छोड़ने का संकट, जुकरबर्ग ने सहायता का भरोसा दिया

न्यूयॉर्क। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा में बड़े पैमाने पर छंटनी के बीच एच-1बी जैसे कार्य वीजा वाले कर्मचारियों पर अमेरिका से वापस जाने का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में मेटा इन कर्मचारियों को आव्रजन सहायता देने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, मुझे पता है कि यदि आप यहां वीजा पर हैं, तो यह आपके लिए खासतौर से बेहद कठिन है। आपको और आपके परिवार को जो मदद चाहिए, उस बारे में आपका मार्गदर्शन करने के लिए हमारे पास आव्रजन विशेषज्ञ हैं। बता दें, यदि एच-1बी वीजा धारक अपनी नौकरी खो देते हैं, तो उनके पास अपने एच-1बी वीजा को प्रायोजित करने के इच्छुक कंपनी को खोजने के लिए केवल 60 दिनों का वक्त होगा है। इस दौरान नियोक्ता नहीं खोज पाने पर उन्हें अमेरिका छोड़ना पड़ता है। अमेरिका स्थित प्रौद्योगिकी कंपनियां बड़ी मात्रा में एच-1बी कर्मचारियों को नियुक्त करती हैं, जिनमें से ज्यादातर भारत जैसे देशों से आते हैं। फेसबुक एच-1बी 'निर्भर' कंपनी है, जिसका अर्थ है कि इसके 15 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी एच-1बी वीजा पर हैं। फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने छंटनी के फैसले पर कर्मचारियों के समक्ष खेद प्रकट किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, कंपनी इस जगह पर कैसे पहुंची, इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मैं इन फैसलों और हम यहां कैसे पहुंचे इसकी जवाबदेही लेना चाहता हूं। मुझे पता है कि यह सभी के लिए कठिन है और खास तौर पर जो मेरे इस फैसले से प्रभावित हुए है उनके लिए मुझे खेद है। फेसबुक की स्थापना साल 2004 में हुई थी और फिर इसका नाम बदलकर मेटा कर दिया गया। 18 साल में पहली बार फेसबुक से इतने बड़े स्तर पर लोगों को निकाला जा रहा है।

इमरान खान ने हत्या की साजिश में शामिल दूसरे अधिकारी के नाम का खुलासा करने की धमकी दी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने ऊपर हुए हमले के मामले में दूसरे सैन्य अधिकारी के नाम का खुलासा करने की बुधवार को धमकी दी। उन्होंने दावा किया कि दूसरे सैन्य अधिकारी ने मेजर जनरल फैसल नसीर के साथ मिलकर नियंत्रण कक्ष से उनपर हमला करने की योजना की निगरानी की थी। गौरतलब है कि 70 वर्षीय खान पर गुरुवार को पंजाब प्रांत के वजीराबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के खिलाफ 'लॉन्ग मार्च' के दौरान हमला हुआ था, जिसमें उनके दाहिने पैर में गोलियां लगी थीं। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर उनकी हत्या की भयावह साजिश में शामिल थे, इसी तरह पंजाब के पूर्व राज्यपाल सलमान तासीर की 2011 में एक धार्मिक चरमपंथी ने हत्या कर दी थी। खान ने ट्वीट कर कहा कि मैं दूसरे अधिकारी के नाम का भी खुलासा करूंगा जो तीन नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक मेजर जनरल फैसल नसीर के साथ साजिश को अंजाम दिए जाने की निगरानी कर रहा था।

किंग चार्ल्स और पत्नी कैमिला पर शख्स ने फेंका अंडा, पुलिस ने हिरासत में लिया

लंदन। किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी क्वीन कैमिला की तरफ अंडा फेंकने के मामले में पुलिस ने एक शख्स को

हिरासत में लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी उत्तरी इंग्लैंड के यॉर्क शहर में एक पारंपरिक समारोह मं शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक शख्स ने उनकी तरफ अंडा फेंका। किंग चार्ल्स उत्तरी इंग्लैंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं, इस घटना में उनको और उनकी पत्नी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। प्रदर्शनकारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद किंग चार्ल्स तृतीय ब्रिटेन के नए राजा बने हैं। किंग चार्ल्स और पत्नी कैमिला के साथ अपनी दिवंगत मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए उत्तरी इंग्लैंड में थे। इस दौरान व्यक्ति ने अंडे फेंकें और चिल्लाया कि यह देश गुलामों के खून पर बना है। हालांकि इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा वे आगे बढ़ गए। वहीं वीडियो में आवाज भी सुना जा सकता है।

यूक्रेन जंग में एक लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे गए या जख्मी हुए, अमेरिकी जनरल का दावा

वॉशिंगटन।
रूस को यूक्रेन से जंग लड़ने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने दावा किया है कि यूक्रेन जंग में रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं या जख्मी हुए हैं। यूक्रेन में जंग लड़ रही रूसी सेना को लेकर शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारी का यह दावा चौंकाने वाला है। करीब नौ माह से दोनों देशों के बीच जंग जारी है और दोनों देशों को इसमें भारी नुकसान व तबाही का सामना करना पड़ रहा है। नाटो की सदस्यता पर अड़े पूर्व सोवियत संघ के सदस्य देश यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। उसके बाद से रूस ने यूक्रेन के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, नाटो की मदद के दम पर यूक्रेन रूसी फौज को कड़ी टक्कर दे रहा है। इसी कारण जंग लंबी खींच गई है।

शीर्ष अमेरिकी जनरल मार्क मिले ने बुधवार को न्यूयॉर्क के इकानॉमिक क्लब के कार्यक्रम में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में 1,00,000 से अधिक रूसी सैन्यकर्मी मारे गए हैं या घायल हुए हैं। यूक्रेन की सेना को भी इतना ही नुकसान होने की संभावना है।

रूस या यूक्रेन की जीत संभव नहीं

जनरल मिले ने यह भी कहा कि बातचीत से ही जंग खत्म हो सकती है। रूस या यूक्रेन यह जंग सैन्य तरीकों से जीत नहीं सकते। मिले ने कहा कि सैन्य साधनों से जीत हासिल नहीं की जा सकती, इसलिए इसे खत्म करने के अन्य तरीके आजमाने की जरूरत है।

अमेरिका जंग में यूक्रेन को सैन्य व आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। जंग में हताहतों के जनरल मिले द्वारा पेश आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती है। हालांकि, करीब नौ माह से जारी जंग को लेकर अमेरिकी आंकड़े सबसे ज्यादा सटीक व विश्वसनीय माने गए हैं।

खेरसान से हट रही रूसी फौज

जनरल मिले की यह टिप्पणी रूस द्वारा अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन के खेरसान शहर से हटने का आदेश देने के बाद आई है। खेरसान से रूसी सेना का पीछे हटना, मॉस्को के सैन्य अभियान के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने इस पर प्रतिक्रिया में कहा है कि रूसी सेना के बिना लड़ाई के खेरसान जैसा रणनीतिक शहर छोड़ने की संभावना नहीं थी। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि रूस का पीछे हटना इस बात का सबूत है कि युद्ध के मैदान पर वह समस्याओं का सामना कर रहा है।

यूएन प्रमुख बोले- कार्बन उत्सर्जन में कटौती महज दिखावा बनकर न रहे, ग्रीनवाशिंग के खिलाफ हो जीरो टॉलरेंस

संयुक्त राष्ट्र।
जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने एक बार फिर दुनियाभर के नेताओं को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती को लेकर हमारी प्रतिबद्धता महज दिखावा नहीं हो सकती। अगर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई जीतना चाहते हैं तो ग्रीनवाशिंग के लिए जीरो टॉलरेंस होना अनिवार्य है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप27 में नेट-जीरो विशेषज्ञ समूह की ओर से तैयार एक रिपोर्ट को जारी किए जाने के मौके पर यह टिप्पणी की। ग्रीनवाशिंग उसे कहते हैं जब कोई कंपनी जनता को गुमराह करने के लिए पर्यावरण सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े काम करने का दावा करती है, जबकि वास्तव में वह उतना करती नहीं है यानी पर्यावरण संरक्षण को लेकर निराधार दावे करती है।

सभी देशों से ग्रीन ऊर्जा को तेजी से अपनाने की मांग करते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बुधवार को शर्म अल-शेख में सम्मेलन स्थल के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तेल और गैस के नए स्रोतों की खोज को बंद करने का आह्वान करने के साथ ही नवीन ऊर्जा को अपनाने में असमर्थ देशों को आर्थिक मदद मुहैया कराने की भी मांग की। यूएन महासचिव ने कहा कि जलवायु संकट के समाधान के लिए मजबूत राजनीतिक नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने सभी राष्ट्राध्यक्षों से निजी क्षेत्र को ग्रीन ऊर्जा की तरफ बढ़ने के मामले में समान अवसर उपलब्ध कराने की अपील की। गुटेरस ने रिपोर्ट को नेट-जीरो प्रतिज्ञाओं को सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय और जवाबदेह मार्गदर्शिका बताया। उन्होंने कहा कि यह चार मुख्य क्षेत्रों- पर्यावरणीय अखंडता, विश्वसनीयता, जवाबदेही और सरकारों की भूमिका-में स्पष्टता प्रस्तुत करती है। कॉप27 के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस गलती से दूसरा भाषण पढ़ने लगे। लेकिन जैसे ही उन्हें अपनी इस गलती का अहसास हुआ तो उन्हें इसे हंसी में उड़ा दिया। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) परंपरागत ईंधन (तेल एवं गैस) क्षेत्र से शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन के उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों पर आगे बढ़ने के लिए इस सप्ताह एक संयुक्त समझौता पेश करने की तैयारी में हैं।

क्लाउड कंप्यूटिंग में एकाधिकार मामले में ईयू नियामक के निशाने पर माइक्रोसॉफ्ट, शर्तें थोपने का आरोप

ब्रुसेल्स।
माइक्रोसॉफ्ट अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं को लेकर यूरोपियन यूनियन की नियामक संस्था के निशाने पर है। उसकी क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं की शर्तों को लेकर व्यापार समूह सीआईएसपीई ने एकाधिकार और मनमानी करने की शिकायत की है। बता दें कि शिकायत करने वाले समूह के सदस्यों में अमेजन भी शामिल है। व्यापार समूह ने बुधवार को यूरोपीय संघ के एंटीट्रस्ट नियामकों को अपनी शिकायत दी। संगठन ने आरोप लगाया है कि माइक्रोसॉफ्ट की पुरानी सेवा शर्तों के अलावा एक अक्टूबर को जारी की गई नई संविदात्मक शर्तें यूरोपीय क्लाउड कंप्यूटिंग मार्केट को अपूरणीय क्षति पहुंचा रही हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग क्षेत्र में अमेज़न मार्केट लीडर है, इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट और अल्फाबेट की गूगल हैं। शिकायत करने वाले संगठन के महासचिव फ्रांसिस्को मिंगोरेंस ने एक बयान में कहा कि अपने सॉफ्टवेयर के प्रभाव का लाभ उठाते हुए माइक्रोसॉफ्ट लोगों को कोई दूसरा विकल्प ही नहीं चुनने देता। इससे यूरोपियन ग्राहकों को महंगी क्लाउड सर्विस लेने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ ब्रिटेन की कोर्ट ने खारिज की भगोड़े की याचिका

लंदन।
भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में भगोड़े हीरा कारोबारी ने अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए अपील की थी। उसकी तमाम दलीलों के बाद भी ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। अदालत ने उसकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि नीरव का प्रत्यर्पण किसी भी नजरिए से अन्यायपूर्ण या दमनकारी नहीं होगा।। गौरतलब है कि पिछले साल फरवरी में वेस्टमिंस्टर जज ने उसे भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश सुनाया था। हालांकि बाद में उसे इस फैसले के खिलाफ अपील करने की मंजूरी दी गई थी। लंदन की हाईकोर्ट ने व्यवस्था दी कि नीरव के आत्महत्या करने का जोखिम ऐसा नहीं है कि उसे धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए भारत प्रत्यर्पित करना अनुचित और दमनकारी होगा। जस्टिस जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और न्यायाधीश रॉबर्ट जे ने अपने फैसले में कहा कि जिला न्यायाधीश सैम गूजी की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत का पिछले साल प्रत्यर्पण के पक्ष में दिया गया आदेश सही था। न्यायाधीश जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और न्यायाधीश रॉबर्ट जे ने इस साल

की शुरुआत में रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में नीरव की अपीलों पर सुनवाई की अध्यक्षता की थी। भगोड़े हीरा कारोबारी (51) के पास ब्रिटेन और यूरोप की अदालतों में आगे अपील दाखिल करने का विकल्प है और भारत में मुकदमे के लिए उसे वापस लाने की प्रक्रिया बहुत तेज होने की संभावना नहीं लगती। फैसले में इस बात को भी स्वीकार किया गया है कि भारत सरकार अपने आश्वासनों को उचित गंभीरता से लेगी। इस तथ्य से भी यह बात पुष्ट होती है कि यह नामचीन मामला है इसलिए 51 वर्षीय नीरव को हर समय कड़ी सुरक्षा मिलनी चाहिए जो मार्च 2019 में अपनी गिरफ्तारी के बाद से दक्षिण-पश्चिम लंदन में वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। भारत लंबे समय से नीरव मोदी को भारत लाने की कोशिशों में लगा है। लेकिन ब्रिटेन की जेल में बंद नीरव मोदी अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए अलग-अलग दलीलें दे रहा है। ब्रिटेन में उसके वकीलों ने दलील दी थी भगोड़ा आर्थिक अपराधी डिप्रेशन का शिकार है। वह भारत की जेलों में आत्महत्या कर सकता है। ये तर्क देकर उन्होंने नीरव मोदी को भारत भेजने का विरोध किया था। हालांकि ब्रिटेन की अदालन ने पूरी सुनवाई के बाद उसकी याचिका खारिज कर दी। इससे पहले मामले में सुनवाई के दौरान भी जस्टिस रॉबर्ट जे ने इस बात पर जोर दिया था कि भारत के ब्रिटेन के साथ अच्छे संबंध हैं। ऐसे में ब्रिटेन को 1992 की भारत-ब्रिटेन प्रत्यर्पण संधि का सम्मान करना जरूरी है। इस बीच सीबीआई ने कहा कि लंदन की कोर्ट में नीरव मोदी मामले की अंतिम सुनवाई के दौरान दो मनोरोग विशेषज्ञों की गवाही मोदी की खराब मनोवैज्ञानिक स्थिति के तर्क को खारिज करने में महत्वपूर्ण साबित हुई। इसके चलते फैसला भारत के पक्ष में आया। सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि अंतिम सुनवाई के दौरान विशेषज्ञों- कार्डिफ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंड्रयू फॉरेस्टर और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीना फजल ने हाईकोर्ट के समक्ष सबूत पेश किए।

डेमोक्रेट्स ने अनुमानों को बताया धता, रिपब्लिकन पार्टी की लहर को थामा

वाशिंगटन।
राष्ट्रपति जो बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाली रिपब्लिकन पार्टी की अपेक्षित रेड वेव के खिलाफ जोरदार वापसी की। इसने अमेरिका में प्रतिनिधि सभा और अन्य निर्वाचित निकायों में व्यापक रूप से रिपब्लिकन पार्टी की बढ़त को रोका। रेड वेव का क्या हुआ सुबह एक रूढ़िवादी टिप्पणीकार ने पूछा, और ऐसा ही अधिकांश समाचार चैनलों पर भी था क्योंकि डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी को मंगलवार के चुनावों में बढ़त हासिल करने से रोक दिया। मुद्रास्फीति और गैस की ऊंची कीमतों के बावजूद बाइडन का प्रदर्शन अच्छा रहा।

435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन ने जीतीं 200 सीटें - हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी 435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में बहुमत हासिल करने की ओर अग्रसर थी। इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक, रिपब्लिकन ने 435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 200 सीटें जीती थीं, जबकि 172

डेमोक्रेट्स को मिली थीं। बाकी सीटों के नतीजे अभी घोषित किए जा रहे हैं। बहुमत का आंकड़ा 218 सीटों का है। जनवरी से शुरू होने वाली प्रतिनिधि सभा में हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की जगह कोई रिपब्लिकन लेगा। रिपब्लिकन नेता केविन मैकार्थी के नए हाउस स्पीकर बनने की उम्मीद है।

पेलोसी ने बुधवार को कहा, डेमोक्रेट्स उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच बराबरी की ताकत है और दोनों पार्टियों के पास 48-48 सीटें हैं। प्रतिनिधि सभा की सीटों पर हर दो साल में चुनाव होते हैं। डेमोक्रेट उम्मीदवार के पेंसिल्वेनिया की सीट पर कब्जा जमाने की उम्मीद की जा रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी के लेफ्टिनेंट गवर्नर जॉन फेट्टरमैन द्वारा पेंसिल्वेनिया सीनेट की दौड़ में रिपब्लिकन मेहमत ओज़ को हराने का अनुमान है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने आज शाम पेन्सिलवेनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर जॉन फेट्टरमैन को बधाई संदेश भेजा।

अभी डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों का 100 सदस्यीय सीनेट में 50-50 सीटों पर कब्जा है। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने सीनेट में एक टाई के मामले में अपना वोट डाला, जो जनवरी 2020 से कई बार होता रहा है। पोलिटिको के अनुसार, डेमोक्रेट जॉर्जिया, एरिजोना, विस्कॉन्सिन और नेवादा की शीर्ष तार में से दो सीटें जीतकर सीनेट में बहुमत बनाए रख सकते हैं। चुनाव परिणामों के शुरुआती विश्लेषण से संकेत मिलता है कि देश भर में शुरुआती मतदान में डेमोक्रेट्स ने एक बड़ी बढ़त हासिल की। पेन्सिलवेनिया और एरिजोना जैसे महत्वपूर्ण सीटों पर धर्म के आधार पर भारतीय अमेरिकी मतदाताओं के एक वर्ग को लुभाने की ट्रंप की कोशिशों ने काम नहीं किया। भारतीय-अमेरिकियों ने परंपरागत रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को मध्यावधि चुनावों को लोकतंत्र के लिए अच्छा दिन कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में हमारे लोकतंत्र का परीक्षण किया गया है, लेकिन अमेरिकी लोगों के वोटों से हमने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह लोकतंत्र है कि हम कौन हैं।

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि रिपब्लिकन मध्यावधि चुनावों में काफी आशान्वित थे। कई अच्छे डेमोक्रेट जीतने में सक्षम नहीं थे, लेकिन फिर भी हमने पिछले 40 वर्षों में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति की तुलना में कम सीटें गंवाईं।

मुफ्त दिए जाने का प्रलोभन गुजरात में चलने वाला नहीं : मनोहर शरण

जोधपुर (हिंस)। गुजराती को मुफ्त का नहीं चाहिए, वह तो मेहनती और स्वावलंबी मनुष्य जो कि अपनी मेहनत कर्म पर विश्वास रखता है, इसलिए राजनीतिक दलों के मुफ्त दिए जाने के प्रलोभन गुजरात में चलने वाले नहीं हैं। यह कहना है हाल ही में राजस्थान से स्वदेशी जागरण मंच के गुजरात, दादरा व नगर हवेली प्रांत संघटक के रूप में स्थानांतरित होकर प्रस्थान करने वाले मनोहर शरण का। वे जोधपुर में अपने गुजरात प्रस्थान के पूर्व विदाई समारोह मैं कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। जोधपुर के कार्यकर्ताओं की ओर से स्वदेशी जागरण मंच के राजस्थान क्षेत्र के विचार विभाग प्रमुख व जयपुर प्रांत संघटक मनोहर शरण को स्वदेशी जागरण मंच के गुजरात, दादरा व नगर हवेली प्रांत संघटक के रूप में स्थानांतरित होने के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। अपने प्रत्येक कार्यकर्ता की चिंता करना, उनके घर व परिवारजनों तक अपना संपर्क ओर प्रत्येक कार्यकर्ता को नाम से याद रखने का स्वभाव उनको कार्यकर्ताओं के बीच अति लोकप्रिय व विशिष्ट बनाता है। कार्यकर्ता निर्माण की अपनी विशिष्ट कार्यशैली ओर लक्ष्य प्राप्ति न होने तक सतत व निरंतर प्रयास करने वाले प्रांत संघठक मनोहर शरण जी को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल गुप्ता ने किया। उद्योगपति राकेश दवे, इंद्रा राज चौधरी, प्रफुल्ल मेहता, अभिनव पुरोहित, चंद्रेश कुमार, ओम प्रकाश शर्मा, कृष्ण अवतार, पिंटू पारीख, विनोद गहलोत, गजेंद्र सिंह नरुका, विश्व विभूति, विजय अग्रवाल, अमन भंडारी, ललित जांगिड़, मुकेश जैन, राजेश विश्नोई, दिनेश गौर, रवि निम्बार्क, निमिष पांडेय, समीर रायजादा उपस्थित रहे।

गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी के आरोपी की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के फरीदकोट जिले में गुरुवार सुबह अज्ञात युवकों ने गुरुग्रंथ साहिब बेअदबी के आरोपी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक डेरा सच्चा सौदा का अनुयायी था। घटना में आरोपी के एक सुरक्षाकर्मी तथा पूर्व पार्षद को भी गोली लगी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गुरुग्रंथ साहिब बेअदबी के मामले में आरोपी डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह इस समय जमानत पर है। सिख गरमपंथियों के निशाने पर होने के चलते प्रदीप सिंह को दो सुरक्षाकर्मी दिए गए थे। प्रदीप सिंह गुरुवार सुबह करीब आठ बजे दुकान खोलने के लिए पहुंचा।

केसीडब्ल्यूटी के अध्यक्ष चंदन दत्ता ने एमएस जीएमसी जम्मू से की मुलाकात

जम्मू। आज कोटली कॉलोनी वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष चंदन दत्ता ने एमएस जीएमसी जम्मू से मुलाकात की और लोगों के कल्याण से संबंधित कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की। दत्ता ने उन्हें आयुष्मान भारत कार्ड के पंजीकरण और उपयोग में आम लोगों को होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। डॉ. नरिंदर ने तुरंत आयुष टीम जीएमसी को फोन किया और उन्हें यह भी बताया कि आयुष्मान भारत कार्ड का उपयोग करने वाले रोगी से किसी भी प्रकार का शुल्क फ़ाइल शुल्क या कोई अन्य शुल्क नहीं लेना चाहिए, जो लोगों के लिए उनकी महान मानसिकता, दूरदर्शिता और चिंता को दर्शाता है। सबसे गरीब और कमजोर लोगों के लिए इस योजना को शुरू करने के लिए भारत सरकार की यही मानसिकता है। दत्ता ने डॉ. नरिंदर के इस तरह के इशारे की सराहना की और मानव जाति की सेवा में उनकी ईमानदारी और दूरदर्शिता की सराहना की। उनके कार्यालय का दौरा करते समय एक बात मुख्य रूप से मैंने देखी है जो पहले

शायद ही कभी मिली थी कि उन्होंने अपने कार्यालय को जनता के लिए *दरवाजा खुला* रखा है ताकि किसी को भी किसी भी समय पहुंच प्राप्त हो सके। यह उनके काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के प्रति चिंता को दर्शाता है। आज हमारे समाज को ऐसे छिपे हुए दूरदर्शी अधिकारियों की सख्त जरूरत है, जिन्हें अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण से अपनी क्षमता दिखाने और बड़े पैमाने पर लोगों का कल्याण करने का मौका दिया जाना चाहिए।

भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों की क्रॉस वोटिंग के कारण निर्दलीय ने मारी बाजी

सिरोही (हिंस)। नगर पालिका में 114 दिन की राजनीतिक उठापटक के बाद गुरुवार को पिंडवाड़ा नगर पालिका को नया चेयरमैन मिल गया। निर्दलीय पार्षद सुरेंद्र मेवाड़ा ने अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के पार्षदों ने निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में और पार्टी के खिलाफ वोट दिया। रिटर्निंग अधिकारी हंसमुख कुमार ने वोटों की गिनती के बाद निर्दलीय पार्षद सुरेंद्र मेवाड़ा के अध्यक्ष पद का चुनाव जीतने का ऐलान किया। नगरपालिका अध्यक्ष पद उपचुनाव को लेकर सुबह से ही यहां गहमागहमी रही। चुनाव को लेकर नगरपालिका के आस-पास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। निर्दलीय उम्मीदवार सुरेंद्र मेवाड़ा अपने समर्थक पार्षदों के साथ मतदान करने पहुंचे। वहीं, कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवार चेलाराम देवासी और नीता चौहान अपने पार्षद के साथ नगरपालिका पहुंचे। मतदान के बाद गणना में निर्दलीय पार्षद सुरेंद्र मेवाड़ा को 17, भाजपा की नीता चौहान को 4 और कांग्रेस के चेलाराम देवासी को 3 वोट मिले। अविश्वास में हटाए गए पूर्व पालिका अध्यक्ष जितेंद्र प्रजापत ने वोट नहीं किया। जितेंद्र प्रजापत ने कहा कि मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है इसीलिए उन्होंने वोट नहीं किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उन्हें हाईकोर्ट से राहत मिलेगी। निर्दलीय पार्षद के पालिका अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के संगठन की गुटबाजी खुल कर सामने आ गई। अपने पार्टी के पार्षदों के वोट भी अपने अपने पक्ष में नहीं दिलवाए। घोषणा के बाद पार्षदों ने पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र मेवाड़ा को माला पहनाकर स्वागत किया और बधाई दी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सब्र का बांध टूटा, मांगों को लेकर उतरे सड़क पर

जम्मू। सरकार से मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सब्र का बांध आज टूट गया। भारी संख्या में प्रदर्शनकारी प्रैस क्लब के समीप पहुंचे और मांगों के हक में नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर आने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी छोटी नोक-झोंक भी हुई। कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया तो कईयों ने अपनी गिरफ्तारियां दी। आंगनबाड़ी वर्कर एंड हेल्पर यूनियन की प्रधान ने कहा कि लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। इसके बाद भी उनकी कोई नहीं सुन रहा, जिस कारण उन्हें आज सड़कों पर

उतरना पड़ा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य मांगों में 10 साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी कार्यकर्ताओं को स्थायी करने और न्यूनतम वेतन भत्ता देने, रिटायर होने की आयु पर कार्यकर्ता को 5 लाख और हेल्पर को 3 लाख रुपए देने की मांग है। इसके अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को काबिल और अनुभव होने पर आईसीडीसी सुपरवाइजर के पद पर 100 फीसदी पदोन्नित, कार्यकर्ताओं को मिलने वाला मानदेय 20 हजार रुपए और हेल्पर को 10 हजार रुपए देने, हर महीने इस मानदेय को जारी करने, 2018 से लंबित मानेदय को तत्काल जारी करना मुख्य रूप से शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो हम फिर सड़कों पर होंगे।

समग्र राज्य का विकास ही मेरा लक्ष्य : गुलाम नबी आजाद

जम्मू। चिनाब घाटी दौरे के अंतिम चरण में डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने खेलोनी (डोडा) में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने स्थानीय नेतृत्व द्वारा ध्यान में लाई गई स्थानीय समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने उन विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, जो उनके मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा शुरू की गई थीं। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि इन सभी परियोजनाओं को यथासंभव न्यूनतम संभव समय में पूरा किया

जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जिन परियोजनाओं को विभिन्न सरकारों द्वारा छोड़ दिया गया है, उन्हें कम से कम समय में पूरा किया जाएगा। आजाद दूर-दराज के क्षेत्रों के प्रति विभिन्न सरकारों के उदासीन रवैये के बारे में बहुत आलोचनात्मक थे, जिन्हें उन्होंने नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि बेरोजगारी अपने चरम पर है और मजदूर वर्ग की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। क्योंकि शीर्ष पर बैठे लोग अपनी कठिनाइयों से पूरी तरह अनजान थे। उन्होंने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा देने के लिए अपनी पार्टी के रु ख को दोहराया।

राशन लेने के लिए सुबह चार बजे से लग जाती है लाइन, फिर भी नही मिल रहा गेहूं

अलवर (हिंस)। शहर के वार्ड नंबर 61 स्थित राशन की दुकान पर पिछले तीन दिनों से राशन लेने के लिए सुबह 4 बजे लोगों की लाइन लग जाती हैं। संभवतया यह शहर में पहला मामला है जहां राशन लेने के लिए लोग सुबह 4 बजे लाइन में लग रहे हैं लेकिन उसके बावजूद राशन नहीं मिल पा रहा है। इसकी शिकायत वार्ड पार्षद सतीश यादव ने रसद विभाग के अधिकारियों से भी की लेकिन कोई समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। पार्षद यादव ने बताया कि उनके वार्ड में शिव कॉलोनी, भगवानपुरा, तिजारा फाटक पार का क्षेत्र आता है। उनके वार्ड में एक ही राशन की दुकान है। जिस पर उनके वार्ड के अलावा भी अन्य कुछ वार्डों के लोग राशन लेने के लिए आते हैं। ऐसे में लोगों की अधिकता होने के कारण लोगों को समय पर राशन नहीं मिल पाता। राशन डीलर द्वारा भी कोई व्यवस्था नहीं की गई नाही रसद विभाग द्वारा इस ओर ध्यान दिया गया। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार की सुबह भी बरसात में भी बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग राशन लेने के लिए राशन की दुकान के बाहर दुकान खुलने का इंतजार करते रहे। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि राशन की दुकान समय से पहले बंद कर दी जाती है। इसलिए भी पूरा वितरण नहीं हो पाता है। वही लोगो ने डीलर पर कम तौल का आरोप

भी लगाया। लोगों की शिकायत पर आज सुबह पार्षद यादव मौके पर पहुंचे और सोशल मीडिया पर लाइव तस्वीरें दिखाईं। राशन लेने के लिए लोग सुबह ही राशन की दुकान पर पहुंच गए और प्लास्टिक के कट्टों को दुकान के आगे लाइन में लगा कर साइडों में बैठ गए। कुछ तो बड़े बुजुर्ग लोग थे जिन्होंने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन राशन लेने के लिए मजबूर हैं। इसलिए सुबह-सुबह आकर यहां लाइन में लगना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि पहले वार्ड नंबर 65 में भी एक राशन की दुकान हुआ करती थी लेकिन वह किन्ही कारणों से बंद हो गई।

सड़क हादसे में दो सगे भाइयों सहित चार युवकों की मौत

बांसवाड़ा (हिंस)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के आबापुरा क्षेत्र के लिए बुधवार का दिन बहुत बड़ी त्रासदी वाला दिन साबित हुआ। बुधवार देर शाम जहां फूड पॉइजनिंग के चलते एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई तो वहीं देर रात एक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों सहित चार युवकों की मौत हो गई। दोनों हादसों के कारण पूरे क्षेत्र में मातम का वातावरण है। आबापुरा थाना क्षेत्र के सज्जनगढ़ गांव में पहले से बनाया हुआ मांसाहारी भोजन खाने से पति-पत्नी और परिवार के ही एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं देर रात को डेरी गांव के बस स्टैंड पर दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में एक ही गांव के तीन एवं एक अन्य गांव के एक युवक की हादसे में मौत हो गई। इसमें दो सगे भाई हैं एवं एक साला एवं बहनोई है। एक अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रतलाम हाइवे पर डेरी बस स्टैंड बुधवार रात दस बजे हुआ, लेकिन देर रात 12 बजे तक शव सड़क पर पड़े रहे। रात के समय रतलाम रोड पूरा सूना था। तब दो बाइकों की आमने-सामने की तेज टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार डेरी निवासी प्रभु (24) पुत्र देवा डिंडोर, कालूराम (25) पुत्र देवा डिंडोर, विनोद (15) पुत्र हूरता डिंडोर, हड़मतिया निवासी तोलिया (25) पुत्र प्रभु की मौके पर मौत हो गई। वहीं डेरी निवासी दिनेश (30) पुत्र कालू डिंडोर गंभीर घायल हो गया। घायल को 108 से जिला हॉस्पिटल पहुंचाया गया। महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में एक साथ कई शव आने से मोर्चरी में लोगों की भीड़ लग गई और इन सभी का गुरुवार सुबह महात्मा गांधी चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कराया गया। मौके पर उप जिला प्रमुख डॉक्टर विकास बामणिया पहुंचे और उन्होंने घटना की जानकारी लेते हुए शोक संतप्त परिवारों को दिलासा दी।

GOVERNMENT OF ASSAM
FINANCE (BUDGET) DEPARTMENT
WAYS & MEANS BRANCH

PRESS COMMUNIQUE

BW.02/2022/103 **Dated Dispur, the 10th November, 2022**

Auction of 10 year Assam Government Stock (Securities)

1. Government of Assam has offered to sale the dated securities for an amount of **Rs. 800.00 Crore** with **10** (Ten) year tenure by auction. The auction will be conducted by the Reserve Bank ol India, at Mumbai Office, Fort, Mumbai-400001 on **November 15, 2022.**
2. The procedure of auction of the State Development Loan as under :-

(a) Competitive Bids

All competitive bids shall be submitted electronically on the Reserve Bank of India Core Banking Solution (E-Kuber) System. Perhaps, other than CBS members, shall route their competitive bids through a CBS member. Competitive bids may be submitted between **10:30 A.M. and 11.30 A.M.** on the day of the auction, as hitherto.

(b) Non-Competitive Bids

Under the scheme, an investor can submit a single bid only in the auction of a State Development Loan, subject to a maximum of 1% of the notified amount, through a bank or a Primary Dealer. Non-Competitive Bids may be submitted only electronically on the CBS between **10:30 A.M. and 11.00 A.M. on the day of auction. No bids under the Non-Competitive Bidding Scheme shall be accepted after 11.00 A.M.**

(c) Bids in Physical format

No bids shall, henceforth, be accepted in physical format in the auctions of State Development Loans, except in extra-ordinary situations as may be specified by the Reserve Bank of India.

3. The bids may be submitted electronically to the Regional Director, Reserve Bank of India, Mumbai Office, Fort, Mumbai-400001
4. The result of auction shall be displayed by the Reserve Bank of India on its website on the same day of auction. The payment by successful bidders will be on **November 16, 2022.**
5. The rate of interest, i.e. the cut-off yield detemined at the auction will be the coupon rate percent per annum on the stock sold at the auction. The interest will be paid on **May 16 and November 16**
6. The investment in Government Stock will be reckoned as an eligible investment in Government Securities by banks for the purpose of Statutory Liquidity Ratio (SLR) under Section 24 of the Banking Regulation Act, 1949. The Stocks will qualify for the ready forward facility.
7. For other details, please see the Notification of the Government of Assam **No. BW.02/2022/102, dated 10th November, 2022.**

(Samir K. Sinha, IAS)
Principal Secretary to the Government of Assam
Finance Department

-- Janasanyog /C/13705/22

दो दिवसीय महाध्यान शिविर नि:शुल्क कल से

जम्मू। पंच मंदिर छन्नी हिम्मत जम्मू में 12 और 13 नवंबर 2022 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय मुफ्त महा ध्यान शिविर के संबंध में प्रेस क्लब जम्मू में यहां एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। इस महाध्यान का उद्घाटन 12 नवंबर 2022 को सुबह 11 बजे राजिन्दर शर्मा महापौर जम्मू नगर निगम की उपस्थिति में किया जाएगा। इस 2 दिवसीय शिविर में आत्म-जागृति के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा, ध्यान का उपयोग करके एक सुखी, स्वस्थ, शांतिपूर्ण आध्यात्मिक जीवन व्यतीत किया जाएगा। दूसरों के बीच, हमारे शरीर और दिमाग को स्वस्थ रखने, आत्मा की शक्ति और उसकी शुद्धि और जीवन के हर पहलू जैसे शारीरिक, मानिसक, भावनात्मक स्वास्थ्य, हमारे रिश्ते, धन और व्यावसायिक मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपचार तकनीकों पर व्यावहारिक कार्यशालाएं होंगी। सुखी, स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन जीना हर व्यक्ति का प्राथमिक अधिकार है, इसलिए इस अवसर को हाथ से जाने न दें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

इंस्टाग्राम पर महिला को भेजे अश्लील फोटो, मामला दर्ज

कैथल (हिंस)। एक व्यक्ति इंस्टाग्राम पर हार्टब्रोकन ग्रुप के माध्यम से गांव पीडल की एक महिला के साथ बिना उसकी सहमति के अश्लील चैट करता रहा। इतना ही नहीं वह इंस्टाग्राम पर महिला को स्त्री पुरुषों के नग्न चित्र पोस्ट करता रहा, गंदे कमेंट और अश्लील बातें लिखता रहा। अंत में परेशान होकर महिला ने चीका थाने में उस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दी है। चीका के इंस्पेक्टर दलबीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के बाद इंस्टाग्राम कंपनी को उस व्यक्ति द्वारा किए गए चैट और कमेंट उपलब्ध करवाने के लिए लिखा। इंस्टाग्राम कंपनी ने पुलिस को गलत कमेंट की पोस्ट उपलब्ध करवा दी है।

TENDER NOTICE

No. DVT-186/SOPD-G (Minor) / 2022-23/3

1. Separate sealed tender in prescribed format affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only for a validity period of 180 (one hundred eighty) days are hereby invited only from the **Class II & Class III** contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Deptt. Assam, Guwahati-3 and Diary Development Deptt. of Assam, Khanapara, Guwahati-22 for the following works under **SOPD-G (Minor)** as shown in the table below and will be received by the undersigned on or before **30.11.2022** hours of **14.00** and will be opened on the same day at 14.30 hours in presence of tenderers or their authorized representative who wish to attend the same.

If the date of the opening of tender happens to be a holiday / bandh or if it is not possible to receive tenders in stipulated date for any unforeseen reason, the next working day will be considered as the last date for receipt / opening of the tenders.

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing fee (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Repairing of Deep boring with replacement of submersible motor pump set etc. At Information office, DVO Office Campus, Chenikuthi, Ghy-3	1,60,600.00	100.00	3,212.00	15 days
2	Construction of Azolla cultivation tank for feeding Liverstock Farming at Sonapur, Sariahtoli, Borborijar and Matia	2,72,000.00	200.00	5440.00	30 days
3	Indoor electrification and AC Supply and fitting at Assam Vety, Council Building, Ground floor, Chenikuthi, Ghy-3	3,21,213.00	300.00	6424.00	20 days
4	Repairing and renovation of Vety, Hospital building at DVD campus, Chenikuthi, Ghy-23	5,00,000.00	500.00	10,000.00	30 days

2. Bidding will be conducted through Limited Bidding method and procedures as specified in "The Assam Public Procurement Act. 2017" and "The Assam Public Procurement Rules, 2020." These Act and Rules may be viewed and downloaded from the web-link at *www.assam.gov.in.*
3. The Bidding Documents may be downloaded by the interested eligible registered contractors of A.H. & Vety, Deptt, Assam, Chenikuthi, Guwahati-3 and Diary Development, Assam, A.H.& Vety, Deptt, Assam Chenikuthi, Guwahati-3 and Diary Development, Assam Khanapara, Guwahati-22 from the website *https://animalhusbandry.assam.gov.in/* up to **30.11.2022.** However, bidders are required to submit cost of Bid Processing Fee as per table mentioned above in the mode prescribed in the Bidding Documents along with Bids.
4. All Bids must be accompanied by a Bid Security as mentioned in the table above, unless otherwise mentioned in the Bidding Documents.
5. Bids must be delivered to the address below on or before 14.00 hrs. of **30.11.2022.** Further both the Technical BID & Financial BID (Letter of BID & Bill of Quantities), sealed separately should be enclosed in a single envelop, Electronic Bidding will not be permitted. Late Bids will be rejected.
6. The Bids will be publicly opened in the presence of the Biddres' designated representatives and anyone who chooses to attend, at the address below on **30.11.2022** *at 15.00 hrs.*

Director,
A.H. & Vety. Deptt. Assam
Chenikuthi, Guwahati-3.

-- Janasanyog /C/13652/22

आईएमएफ ने बांग्लादेश को 4.5 बिलियन डॉलर का ऋण देने की सहमति दी, आर्थिक संकट से निपटने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।
बांग्लादेश और आईएमएफ ने बुधवार को प्रारंभिक रूप से एक समझौता किया है। इसके तहत वैश्विक ऋणदाता बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा के लिए 4.5 अरब डॉलर का सहायता पैकेज प्रदान करेगा। आईएमएफ के साथ यह समझौता वैश्विक ऋणदाता और बांग्लादेश के अधिकारियों के बीच कई महीनों की चर्चा के बाद हो पाया है।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश तीसरा दक्षिण एशियाई देश है, जिसने कोरोनो वायरस महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक मुद्रास्फीति के कारण खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेज वृद्धि से निपटने के लिए आईएमएफ से बेलआउट पैकेज हासिल की है।

बांग्लादेश के वित्त मंत्री एएचएम मुस्तफा कमाल ने ढाका में समझौते पर हस्ताक्षर के बाद 447.48 मिलियन अमरीकी डालर की पहली किस्त को अगले साल फरवरी में मंजूरी दे दी जाएगी, जबकि ऋण की ब्याज दर परिपक्वता के समय बाजार दर पर निर्भर करेगी।

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस ऋण पर ब्याज दर करीब 2.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। कमाल ने कहा, 'हमें जैसा चाहिए वैसा ही ऋण मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष हमें कुल 4.5 अरब डॉलर का कर्ज देगा।' इस सौदे को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड के अनुमोदन की जरूरत होगी, इसके आने वाले कुछ हफ्तों में मिल जाने की उम्मीद है।

इस बीच, आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि यह बांग्लादेश के साथ एक कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंच गया है ताकि वहां व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखा जा सके और कमजोर लोगों के हितों की करते हुए मजबूत, समावेशी और हरित विकास का समर्थन किया जा सके।

बांग्लादेश में आईएमएएफ के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले राहुल आनंद ने कहा कि यूक्रेन युद्ध ने महामारी के बाद देश के मजबूत आर्थिक सुधार को बाधित कर दिया है। इससे चालू खाते का घाटा तेजी से बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट आ रही है। मुद्रास्फीति बढ़ने से विकास धीमी पड़ रही है।

न्यूज ब्रीफ

छह माह में 7 बड़े शहरों में बिके 119प्रतिशत ज्यादा मकान, होम लोन और स्टांप शुल्क में वृद्धि के बाद भी उछाल

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 1.56 लाख करोड़ रुपये के मकान बिके। यह आंकड़ा 2021-22 की अप्रैल-सितंबर छमाही में बिके 71,295 करोड़ के मकानों के मुकाबले 119 फीसदी ज्यादा है। संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने एक रिपोर्ट में कहा कि होम लोन महंगा होने और स्टांप शुल्क में वृद्धि के बावजूद मकानों की मांग में तेजी दर्ज की गई है। मजबूत मांग के दम पर ही 2022-23 की पहली छमाही में देश के सात प्रमुख शहरों एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बंगलूरू, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता में कुल 1,73,155 मकान बिके। एक साल पहले की समान अवधि में इन शहरों में 87,375 मकानों की बिक्री हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई इस साल मई से अब तक रेपो दर में 1.90 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। इससे होम लोन महंगा हो गया है। कई राज्यों ने स्टांप शुल्क में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी की है। इसके बावजूद बिक्री बढ़ी है क्योंकि मकान खरीदने का फैसला लंबे समय का होता है, इसलिए खरीदार ब्याज दरों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं।

आईओबी जमा पर देगा 0.60 फीसदी तक अधिक ब्याज, एचडीएफसी बैंक ने की 0.35 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने अपनी खुदरा सावधि जमाओं पर ब्याज दरों में 0.60 फीसदी तक वृद्धि करने की घोषणा की है। एचडीएफसी बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दर 0.35 फीसदी बढ़ा दिया है। निजी क्षेत्र के बैंक ने 15 दिन में दूसरी बार दरों में इजाफा किया है। आईओबी ने कहा कि दरें 10 नवंबर से बढ़ेंगी।इसके साथ घरेलू व अनिवासी जमाकर्ताओं को 444 दिन, तीन साल और उससे अधिक अवधि के लिए जमाओं पर 7.15 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। 270 दिन से एक साल व एक साल से तीन साल की जमाओं पर 0.60 फीसदी ज्यादा ब्याज मिलेगा।वहीं, एचडीएफसी बैंक की नई दरें 7 नवंबर से लागू हैं। इसके बाद 15 से 18 महीने के लिए 2 करोड़ से कम जमा पर 6.15 फीसदी की जगह 6.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने विभिन्न अवधि के लिए कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) 0.10 फीसदी बढ़ा दी है। नई दर 7 नवंबर से लागू है। बैंक ने बताया कि एक साल की अवधि वाले एमसीएलआर को 7.80प्रतिशत से बढ़ाकर 7.90 फीसदी कर दिया गया है। एक महीने की अवधि वाले एमसीएलआर को 0.05 अंक बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया गया है। हालांकि, एक दिन की अवधि एवं तीन और छह महीने के कर्ज की दरों में बदलाव नहीं किया गया है।

तीन साल में पहली बार खर्च घटाएगी सरकार, बढ़ते राजकोषीय घाटे पर काबू पाने की दिशा में रखेगी कदम

नई दिल्ली। सरकार चालू वित्त वर्ष में अपने खर्च में तीन साल में पहली बार कटौती कर सकती है।एक अप्रैल से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार के कुल खर्च में भारी कमी आ सकती है।2022-23 के बजट में 39.45 लाख करोड़ खर्च होने का अनुमान था। सरकार राजकोषीय घाटे पर लगाम लगाने की इच्छुक है क्योंकि यह 4 फीसदी से 5 फीसदी के ऐतिहासिक स्तरों से काफी ऊपर है। 2020-21 में कोविड-19 महामारी के पहले वर्ष के दौरान यह 9.3 फीसदी के रिकॉर्ड तक पहुंच गया था। सरकार का राजकोषीय घाटा अप्रैल-अगस्त के दौरान रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो बजट अनुमान के 16.6 लाख करोड़ की तुलना में 32.6 फीसदी है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 4.68 लाख करोड़ रुपये था जो उस समय बजट अनुमान का 31.1प्रतिशत था। सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य से पीछे नहीं हटने वाली है। यह पता नहीं चला है कि खर्च में कटौती से किन क्षेत्रों के प्रभावित होने की संभावना है, क्योंकि संशोधित बजट अनुमानों पर चर्चा चल रही है और दिसंबर के अंत तक अंतिम निर्णय लिया जाएगा। राजस्व में दो लाख करोड़ तक हो सकती है बढ़त ईंधन पर कर कटौती, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से राजस्व में एक लाख करोड़ से अधिक की कमी आ सकती है।

मोदी समेत कई ट्विटर हैंडल को मिला ऑफिशियल लेबल फीचर

कुछ देर बाद हटाया ; मस्क बोले- ऐसे प्रयोग होते रहेंगे

नई दिल्ली।
ट्विटर ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, राहुल गांधी और सचिन तेंडुलकर के अलावा कई और नेताओं के हैंडल में ऑफिशियल लेबल जोड़ दिया। हालांकि, कुछ देर बाद ही इस लेबल को हटा भी लिया गया। अब किसी भी अकाउंट के नीचे ऑफिशियल लिखा नहीं दिख रहा है। इसके कुछ देर बाद ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने ट्वीट किया, कृपया ध्यान दें ट्विटर आने वाले महीनों में कई बेवकूफी भरे काम करेगा। कई प्रयोग किए जाएंगे। हम वही आगे रखेंगे जो काम करेगा। जो नहीं करेगा उसे बदल दिया जाएगा। कंपनी ने ब्लू टिक वाले अकाउंट और ऑफिशियल वेरिफाई अकाउंट के बीच एक अंतर पैदा करने के लिए यह फीचर शुरू किया। ट्विटर की अधिकारी एस्थर क्रॉफर्ड ने ट्वीट किया, कई लोगों ने पूछा है कि वे ब्लू टिक वाले और ऑफिशियली वेरिफाई अकाउंट के बीच अंतर कैसे करेंगे। यही कारण है कि कुछ अकाउंट्स पर ऑफिशियल' लेबल जोड़ा गया है। पहले से वेरिफाई सभी अकाउंट्स को 'ऑफिशियल' लेबल नहीं मिलेगा। क्रॉफर्ड ने बताया कि जिन अकाउंट्स को ऑफिशियल लेबल दिया जा रहा है, उनमें सरकारी अकाउंट, बिजनस पार्टनर, कमर्शियल कंपनियां, मीडिया आउटलेट और सेलिब्रिटिज शामिल हैं। इस ऑफिशियल लेबल को खरीदा नहीं जा सकता है। क्रॉफर्ड ने बताया कि न्यू ट्विटर ब्लू में आईडी वैरिफिकेशन शामिल नहीं है। यह एक पेड सब्सक्रिप्शन है। यह ऑफिशियल लेबल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर और कुछ अन्य मंत्रियों के ट्विटर हैंडल पर भी लेबल देखा गया। सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों को भी ट्विटर लेबल दिया गया।

ब्लू टिक यानी वैरिफाइड अकाउंट्स के लिए यूजर को हर महीने 8 डॉलर (करीब 660 रुपए) देने होंगे। यह चार्ज सभी देशों में अलग-अलग होगा। 27 अक्टूबर को ट्विटर खरीदने के पांच दिन बाद मंगलवार रात को एलन मस्क ने इसका ऐलान किया। उधर, ब्लू टिक पेड करने पर दुनियाभर से शिकायतें मिलने के बाद एलन मस्क ने साफ किया कि सभी शिकायतकर्ता, कृपया शिकायत करना जारी रखें, लेकिन आपको 8 डॉलर देना होगा। कंपनी को रोजाना 32 करोड़ का नुकसान हो रहा है। वो नए मॉडल से रेवेन्यू बढ़ाना चाहते हैं। मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा है। वो जल्द इसकी भरपाई करना चाहते हैं। ट्विटर पर भारी कर्ज है। वो इसे खत्म करने के लिए एडवर्टाइजर्स पर निर्भर नहीं रहना चाहते। कॉस्ट कटिंग के लिए करीब आधे एम्प्लॉइज को निकाल दिया है। छंटनी के बाद मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मस्क ने हाल ही में कुछ देशों में 8 डॉलर में ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। अगर लोग इसे नहीं खरीदते हैं, तो वे अपना वेरिफाइड चेकमार्क खो देंगे। भारत में यह सब्सक्रिप्शन एक महीने के भीतर लॉन्च होगा। इसके लिए यहां करीब 200 रुपए देने पड़ सकते है।

ट्विटर ब्लू सर्विस पहली बार पिछले साल जून में लॉन्च हुई थी। सब्सक्रिप्शन सर्विस को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लॉन्च किया गया था। इन देशों में ट्विटर ब्लू सर्विस का मंथली चार्ज 4.99 डॉलर था। इस सर्विस में वैरिफिकेशन नहीं मिलता था, लेकिन मस्क ने अब इसमें ब्लू बैज को भी ऐड कर दिया है। सर्विस का चार्ज भी बढ़ाकर 8 डॉलर कर दिया है।

टेस्ला के फाउंडर और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ 200 अरब डॉलर से नीचे गिर गई है। मस्क के ट्विटर अधिग्रहण के बाद निवेशकों ने टेस्ला के शेयरों को बेचना शुरू कर दिया है जिससे मस्क की नेटवर्थ गिरी है। निवेशकों को लगता है कि एलन मस्क अभी ट्विटर में ज्यादा व्यस्त हैं और टेस्ला पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के साथ ही दुनिया भर में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी। ट्विटर के कुल 7,500 स्टाफ में से करीब आधे को निकाल दिया गया। भारत में ट्विटर के 200 से ज्यादा कर्मचारियों थे, जिनमें में से ज्यादातर को निकाल दिया गया। इंजीनियरिंग, सेल्स, मार्केटिंग और कम्युनिकेशन टीमों में छंटनी की गई। सूत्रों ने कहा कि भारत में मार्केटिंग और कम्युनिकेशन विभाग की पूरी टीम खत्म कर दी गई है। ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पराग अग्रवाल, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सेगल और लीगल अफेयर्स एंड पॉलिसी चीफ विजया गड्डे को कंपनी से हटा दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्विटर तीनों अधिकारियों पर हर्जाने के तौर पर कुल 100 मिलियन डॉलर यानी 823 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इनमें पराग अग्रवाल को सबसे ज्यादा 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 412 करोड़ रुपए मिलेंगे।

केंद्र ने रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सेटलमेंट की अनुमति दी

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने बुधवार को विदेश व्यापार नीति के तहत निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं के लिए भारतीय मुद्रा में अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते की अनुमति दे दी है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत सरकार ने रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार निपटाने की अनुमति देने के लिए विदेश व्यापार नीति और प्रक्रियाओं की पुस्तिका में उपयुक्त संशोधन किए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारतीय रुपये के अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की रुचि में वृद्धि को देखते हुए रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निपटाने को मंजूरी देने का फैसला लिया गया है। ऐसा अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लेनदेन को सुविधाजनक बनाने और आसान बनाने के लिए किया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि नए बदलावों को निर्यात के लिए आयात, स्टेटस होल्डर्स के रूप में मान्यता के लिए निर्यात प्रदर्शन, अग्रिम प्राधिकरण व शुल्क मुक्त आयात प्राधिकरण योजनाओं के तहत निर्यात आय की वसूली और निर्यात प्रोत्साहन पूंजीगत सामान योजना के तहत निर्यात आय की वसूली के लिए अधिसूचित किया गया है।

इस बीच, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और निरंतर विदेशी फंड प्रवाह के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 45 पैसे की तेजी के साथ 81.47 (अनंतिम) पर बंद हुआ। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थानीय इकाई डॉलर के मुकाबले 81.43 रुपये के स्तर पर खुली और सत्र के दौरान 81.23 रुपये के इंट्रा-डे हाई और 81.62 रुपये के निम्नतम स्तर के बीच कारोबार करती दिखी।

सॉवरेन हरित बॉन्ड के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया

वित्त मंत्रालय ने वैश्विक मानकों के अनुरूप सॉवरेन हरित बॉन्ड जारी करने की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। सरकार चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के दौरान हरित बॉन्ड जारी करके 16,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह दूसरी छमाही के लिए ऋण कार्यक्रम का एक हिस्सा है। सूत्रों ने कहा कि रूपरेखा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। बजट में ऐसे बॉन्ड जारी करने की घोषणा की गई थी।

हरित बॉन्ड से 16000 करोड़ रुपये जुटा सकती है सरकार, जल्द मिलेगी अंतिम मंजूरी

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार जल्द ही सॉवरेन हरित बॉन्ड जारी कर सकती है। वित्त मंत्रालय ने वैश्विक मानक के हिसाब से इसकी रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच ग्रीन बॉन्ड जारी करके 16,000 करोड़ रुपये जुटाया जा सकता है। यह दूसरी छमाही के लिए उधारी कार्यक्रम का एक हिस्सा है। इसकी घोषणा इस साल के बजट में की गई थी।

सूत्रों ने कहा, रूपरेखा तैयार है इसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। इसे सरकारी क्षेत्र की उन परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जो अर्थव्यवस्था में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करती हैं। इसके जरिए सरकार का मकसद विदेशी निवेशकों को लुभाने की है। अभी कई घरेलू और विदेशी निवेशक ऐसे हैं, जो बॉन्ड में पैसा लगाना चाहते हैं।

2023-24 में 5.5प्रतिशत की धीमी गति से बढ़ेगी जीडीपी : यूबीएस इंडिया - भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2023-24 में घटकर 5.5 फीसदी रह सकती है। इसके चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 6.9 फीसदी रहने का अनुमान है। यूबीएस इंडिया के अर्थशास्त्रियों ने कहा, वैश्विक वृद्धि दर में सुस्ती व सख्त मौद्रिक नीतियों से घरेलू जीडीपी की रफ्तार घटेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया में कम प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं' में से एक होगा। फिर भी पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रतिकूलताओं से बच नहीं पाएगी।

ई-वाहनों की खुदरा बिक्री अक्तूबर में 185 फीसदी बढ़ी, बढ़ रही मांग

मुंबई।
इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) की कुल खुदरा बिक्री अक्तूबर में सालाना आधार पर करीब 185 फीसदी बढ़कर 1,11,971 इकाई पहुंच गई। पिछले साल अक्तूबर में देश में कुल 39,329 ई-वाहन बिके थे।फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अक्तूबर में 3,745 इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बिके।यह आंकड़ा अक्तूबर, 2021 में बिके 1,346 ई-यात्री वाहनों से 178प्रतिशत ज्यादा है।फाडा ने कहा, ताजा आंकड़े बताते हैं कि लोगों में ई-वाहनों की मांग बढ़ रही है।

ई-दोपहिया वाहनों में सर्वाधिक उछाल

आंकड़ों के मुताबिक, मजबूत मांग के दम पर ई-दोपहिया वाहनों की मांग में सर्वाधिक तेजी देखने को मिली है।अक्तूबर में कुल 73,169 ई-दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा पिछले साल अक्तूबर में बिके 19,826 ई-दोपहिया वाहनों के मुकाबले 269.06 फीसदी ज्यादा है।

इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी 125.64 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इस दौरान कुल 274 ई-वाणिज्यिक वाहन बिके। ई-तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 92.87प्रतिशत बढ़कर 34,793 इकाईपहुंच गई।

डीलरों के संगठन ने कहा, त्योहारी सीजन में अन्य वाहनों की तरह तिपहिया वाहनों में भी तेजी रही।

मेटा से बाहर किए जाएंगे 11000 कर्मचारी, जकरबर्ग ने माफी मांगते हुए कहा- ये कठिन फैसला

नई दिल्ली ।

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा ने अपने 11,000 कर्मचारियों को बाहर निकालने का फैसला लिया है। इसकी जानकारी देते हुए मेटा के सीईओ और फेसबुक के संस्थापक मार्क जकरबर्ग ने कहा है कि यह मेटा के इतिहास में किए गए बदलावों में यह सबसे कठिन बदलाव है। उन्होंने इस कदम के लिए कर्मचारियों से माफी भी मांगी। जकरबर्ग ने कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा कि कमाई में गिरावट और प्रौद्योगिकी उद्योग में जारी संकट के चलते यह फैसला करना पड़ा। दुर्भाग्य से यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं।

ऑनलाइन कॉमर्स के पिछले रुझान वापस आ गए हैं, लेकिन इसके साथ ही व्यापक आर्थिक मंदी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और विज्ञापन घटने के संकेत के चलते हमारी आय मेरी अपेक्षा से बहुत घट गई है। मैंने इसे गलत ढंग से समझा और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं।

जकरबर्ग ने कहा कि हमने अपने व्यवसाय की लागत में कटौती की है, जिसमें बजट कम करना, भत्तों को कम करना और रियल एस्टेट व्यय को कम करना शामिल है। हम अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए टीम का पुनर्गठन कर रहे हैं। सिर्फ इन उपायों से हमारे खर्च, हमारी कमाई के अनुरूप नहीं हो पाएंगे। इसलिए मैंने लोगों की छंटनी का कठिन निर्णय भी लिया है।

मेटा एच-1बी वीजाधारकों को आव्रजन सहायता देगी

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा में बड़े पैमाने पर छंटनी के बीच एच-1बी जैसे कार्य वीजा वाले कर्मचारियों को अपनी आव्रजन स्थिति को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मेटा इन कर्मचारियों को आव्रजन सहायता देगी। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भी कहा है कि अगर आप यहां वीजा पर हैं, तो यह (छंटनी) आपके लिए खासतौर पर बेहद कठिन होगा। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावित लोगों को सहायता देने की पेशकश की।

बता दें कि एक दिन पहले बुधवार को मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कंपनी के सैकड़ों कर्मचारियों से सोमवार को बातचीत की। बातचीत में उन्होंने मेटा में होने जा रही छंटनी को कन्फर्म कर दिया था। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को बताया था कि बुधवार सुबह से कंपनी में छंटनी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एक डाउनकास्ट मीटिंग के दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी की ओर से उठाए गए गलत कदमों के लिए वे जिम्मेदार है।

कंपनी के विकास के लिए उनके अति आशावादी दृष्टिकोण के कारण उन्होंने जरूरत से अधिक कर्मचारी भर्ती किए। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार जकरबर्ग के साथ मीटिंग में शामिल एक कर्मी ने इस बात की पुष्टि की थी।

रिपोर्ट के अनुसार जिन कर्मचारियों की छंटनी की जानी है, उन्हें कम से कम चार महीने का वेतन मिलेगा। जकरबर्ग ने छंटनी का सामना करने वालों में भर्ती और व्यावसायिक टीम के सदस्यों के होने का उल्लेख किया है। बैठक से परिचित लोगों के अनुसार मेटा के मानव संसाधन प्रमुख लोरी गोलर ने समूह को बताया कि जो कर्मचारी अपनी नौकरी खो देंगे, उन्हें कम से कम चार महीने का वेतन दिया जाएगा।

पुरानी आदतें मुश्किल से मरती हैं : स्वर्णमाल्या

-एक्ट्रेस ने अपने विचारों को कलमबद्ध करने के लिए इंस्टाग्राम लिखा

चेन्नई (ईएमएस)। तमिल की कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री स्वर्णमाल्या का कहना है कि वह खुद के प्रति दयालु होना चाहती हैं। अपने विचारों को कलमबद्ध करने के लिए इंस्टाग्राम पर स्वर्णमाल्या ने लिखा, "स्वयं के प्रति दयालु होना। मैं एक ऐसे युग में पैदा हुई थी जहां आत्म प्रेम की सराहना नहीं की गई थी। लेकिन मैं एक ऐसे युग में विकसित हुई जहां 'स्वयं' जीवन के केंद्र में है।" उन्होंने एक चोट से जूझने के बारे में भी बात की, जिसने उन्हें प्रभावित किया, "पुरानी आदतें मुश्किल से मरती हैं। इसलिए मेरे लिए, आत्म-प्रेम दिखाना हमेशा एक प्रयास होता है। लेकिन, जैसा कि मैं एक चोट से जूझ रही हूं जिसने मुझे भावनात्मक और शारीरिक रूप से थका दिया है- मैं आत्म प्रेम की अपनी क्षमता पर नए सिरे से विचार कर रही हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अभी भी नहीं जानती कि कैसे, काफी स्पष्ट रूप से, लेकिन मेरे पास मेरे आस-पास प्यारे लोग हैं जो मुझे दिखाते हैं कि कैसे।

जैसा कि वे कहते हैं, खुशी साझा होने पर दोगुनी हो जाती है और दर्द आधा हो जाता है। मैं वहां से शुरू करूंगी।" उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "मुझे आशा है कि आप में से जो लोग आत्म-प्रेम के साथ संघर्ष करते हैं, वे आज अपने लिए मुस्कुराने का एक छोटा रास्ता खोज सकते हैं"। बता दें कि एक्ट्रेस स्वर्णमाल्या ने निर्देशक मणिरत्नम की 'अलैपायुथे' और निर्देशक राधा मोहन की 'मोझी' जैसी फिल्मों में जबर्दस्त अभिनय के दम नई पहचान बनाने में कामयाबी हासिल की है।

मेरे लिए मजेदार विकल्प की तरह है सोशल मीडिया, इसकी कमाई से भरती हूं ईएमआई : जाह्नवी कपूर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्ममेकर बोनी कपूर की लाडली जाह्नवी कपूर रियल लाइफ और रील लाइफ दोनों में काफी अलग नजर आती हैं। ऑनस्क्रीन जहां एक ओर इनकी छवि काफी शमीर्ली, साधारण दिखती हैं। वहीं, ऑफस्क्रीन इनका ग्लैम अवतार देखने लायक है। सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर अपने फैन्स का दिल लगाकर रखती हैं। हाल ही में इनकी फिल्म 'मिली' रिलीज हुई है। फिल्म के प्रमोशन्स में जाह्नवी कपूर का ग्लैमरस अवतार हर किसी को पसंद आया। रिवीलिंग ड्रेसेस में अपनी अदाओं से हर किसी को एक्ट्रेस ने 'घायल' किया। इंस्टाग्राम पर जाह्नवी खुद की ग्लैम लाइफ दिल खोलकर रखती हैं। रखें भी क्यों नहीं, आखिर सोशल मीडिया पोस्ट्स से जाह्नवी मोटी रकम जो कमाती हैं। इस पैसे से वह अपनी ईएमआई भरती हैं। यकीन नहीं आता हो तो जान लीजिए कि जाह्नवी ने खुद पिछले दिनों अपने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था। जाह्नवी कपूर का अपनी रील और रियल लाइफ को लेकर कहना है मुझसे अक्सर लोग यह सवाल करते हैं कि फिल्में तो मेरी एक मिडिल क्लास लड़की और साधारण दिखने वाली लड़की पर रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर मैं एकदम अलग नजर आती हूं। ऐसे में लोगों के लिए दोनों ही भिन्न इमेज गले के नीचे उतारना काफी मुश्किल हो जाता है। सच कहूं तो मैं परवाह नहीं करती। मैं इस तरह की कैलकुलेशन करने से बचती हूं। दर्शक जब मुझे मनीष मल्होत्रा की साड़ी में देखते हैं, वहीं दूसरी ओर अचानक से कुर्ता-पायजामा में देखते हैं, तो उनके मन में दो इमेज मेरी क्रिएट होती हैं। एक चीज मेरे आर्ट का हिस्सा है तो दूसरा कहीं न कहीं मेरी पर्सनल लाइफ है। मैं इसके बारे में सोचती हूं और कोशिश करती हूं कि ज्यादा से ज्यादा रियल और सच रहूं। जो हूं, वही लोगों को दिखाऊं। रियल लाइफ में जैसी हूं, वही दिखाती हूं। रील लाइफ में जो किरदार मिलता है, उसे निभाने पर यकीन रखती हूं। एक एक्टर वही है जो रियल लाइफ अलग रखकर रील में अपने किरदार में अच्छी तरह उतर जाए। जाह्नवी कपूर का कहना है सोशल मीडिया लाइफ मेरी काफी मजेदार है। मैं अपनी इन पोस्ट्स से यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती हूं कि और ब्रैंड्स मुझे एंडॉर्समेंट्स के लिए अप्रोच करें, जिससे मैं अपनी ईएमआई भर सकूं। मैं कुछ भी लाइफ में बहुत सीरियसली नहीं लेना प्रिफर करती हूं। मेरा सोशल मीडिया मेरे लिए एक मजेदार विकल्प की तरह है। अगर मैं क्यूट दिखती हूं तो 5 और एक्स्ट्रा लोग मेरी फोटो देखेंगे। मुझे ब्रैंड्स देखेंगे। मैं ज्यादा कमा पाऊंगी और ईएमएस अपनी आसानी से भर सकूंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिली' 4 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई है। यह सर्वाइवर थ्रिलर फिल्म मलयालम हिट फिल्म 'हेलन' की हिंदी रीमेक है। इसे मुथुकुट्टी जेवियर ने निर्देशित किया है। जाह्नवी कपूर की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखाया है। ओपनिंग वीकेंड में केवल 2 करोड़ की ही इसने कमाई की है।

कट्टर दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं' शाहरुख और जॉन

-'पठान' में जॉन निर्माताओं के लिए एकमात्र पसंद थे

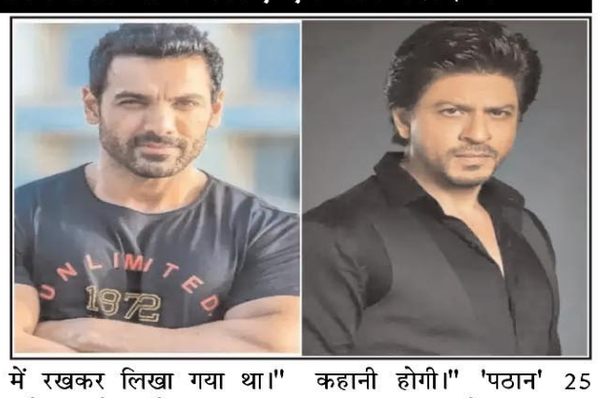

मुंबई (ईएमएस)। 'पठान' में बालीवुड एक्टर जॉन अब्राहम शाहरुख खान के मुख्य किरदार के साथ कट्टर दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं। जॉन निमार्ताओं के लिए पहली और एकमात्र पसंद थे क्योंकि यह किरदार जॉन को ध्यान में रखकर लिखा गया था। यह कहना है फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद का। जब जॉन ने 'पठान' के लिए हां कहा तो वे रोमांचित हो गए। उसी के बारे में विस्तार से बताते हुए, निर्देशक ने कहा, "'पठान' को जीवन से बड़ा बनाने के लिए, हमें एक बड़े खलनायक की आवश्यकता थी जो जीवन में भी उतना ही बड़ा हो। हम किसी ऐसे व्यक्ति को चाहते थे जो निर्दयी और सौम्य हो और स्क्रीन पर एक शानदार उपस्थिति का आदेश दे। इसलिए 'पठान' में विलेन का किरदार जॉन अब्राहम को ध्यान में रखकर लिखा गया था।" निर्देशक ने आगे बताया कि ऑन-स्क्रीन दोनों अभिनेताओं के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता दर्शकों के लिए एक खुशी की बात होगी। जॉन के किरदार को 'पठान' का एक आदर्श विरोधी बताते हुए, सिद्धार्थ ने कहा, "जॉन स्क्रीन पर 'पठान' के बिल्कुल विपरीत हैं और हमने उनकी प्रतिद्वंद्विता को सीट के स्वादिष्ट किनारे पर बना दिया है। यह एक रोमांचक कहानी होगी।" 'पठान' 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, "वह हमारी पहली और एकमात्र पसंद थे और हम निश्चित थे कि हम एक ऐसा खलनायक चाहते थे जिसे वे हमेशा संजो कर रख सकें। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि लोगों ने जॉन पर जो प्रतिक्रिया दी है।"

फिल्म 'ऐन एक्शन हीरो' का नया पोस्टर जारी, इस दिन आएगा ट्रेलर

आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म 'ऐन एक्शन हीरो' का नया पोस्टर मेकर्स ने गुरुवार को जारी कर दिया है। आयुष्मान खुराना पहली बार इस फिल्म के जरिये अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म में जयदीप राजनेता के किरदार में दिखाई देंगे। वहीं आयुष्मान खुराना जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखेंगे। पोस्टर में दोनों किरदार एक्शन भूमिका में एक - दूसरे के सामने नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ ही मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज डेट की जानकारी भी दी है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार 11 नवंबर को जारी किया जायेगा। फिल्म की घोषणा पिछले साल अक्टूबर में हुई थी। वहीं मेकर्स ने शूटिंग इस साल जनवरी में शुरू कर दी थी। शूटिंग भारत के अलावा लन्दन में हुई है। फिल्म की कहानी नीरज यादव ने लिखी है। टी सीरीज और कलर्स येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले बनीं इस फिल्म को आनंद एल राय और भूषण कुमार संयुक्त रूप से प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि निर्देशन अनिरुद्ध अय्यर ने किया है । 'ऐन एक्शन हीरो' इसी साल 2 दिसंबर को रिलीज होगी।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क द्वारा प्रतिबंधित हुए रणवीर सिंह

-पहले किया गया था वाईआरएफ टैलेंट मैनेजमेंट द्वारा प्रबंधित

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय कलाकार प्रबंधन फर्म कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क द्वारा बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को प्रबंधित किया जाएगा। सूत्रों की माने तो इससे पहले रणवीर सिंह को यश राज फिल्म्स के वाईआरएफ टैलेंट मैनेजमेंट द्वारा प्रबंधित किया गया था और उन्होंने उनके साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से भाग लिया। सूत्र ने बताया, "यह सबसे बड़ा और सबसे रोमांचक घटनाक्रम है क्योंकि यह आज भारत में सबसे रोमांचक ब्रांड, रणवीर सिंह और देश की सबसे शक्तिशाली प्रबंधन एजेंसी के साथ आने का प्रतीक है। रणवीर केवल 12 वर्षों में, भारत में सुपरनोवा बन गए हैं।" "उन्हें आज भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में माना जाता है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति किसी और की तरह नहीं है। कलेक्टिव अब यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि रणवीर का उद्यम कैसे नई ऊंचाइयों को छू सकता है और वैश्विक मील के पत्थर बना सकता है।"

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क को पहले 'क्वान' के नाम से जाना जाता था, जिसका सीएए के साथ चार साल का संयुक्त उद्यम था जो 2016 में समाप्त हुआ जब क्वान ने कंपनी में सीएए की हिस्सेदारी खरीदी। क्रॉल (पूर्व में डफ एंड फेल्प्स) की 2022 सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट के अनुसार, वह भारत में 46 ब्रांडों का चेहरा हैं और उनकी इक्विटी बढ़ रही है। रणवीर का ब्रांड वैल्यूएशन वर्तमान में 158.3 मिलियन डॉलर है, जो भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली के बाद शीर्ष 10 भारतीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है, जिनकी कीमत 185.7 मिलियन डॉलर है और साथी स्टार अक्षय कुमार से आगे हैं, जिनकी कीमत 139.6 मिलियन डॉलर है। रणवीर सिंह के कई वैश्विक ब्रांड संघ हैं, जिनमें एनबीए, फीफा विश्व कप, प्रीमियर लीग, यूएफसी, यस आइलैंड और एडिडास शामिल हैं।

अभय सिन्हा कैम्प से बाहर हुए पवन सिंह, नहीं जा पाए लंदन

मुंबई, (हि.स.)। भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी फिल्म निर्माण कंपनी यशी फिल्म्स एक बार फिर से लंदन में अपनी एक दर्जन से ज्यादा फिल्मों को शूटिंग करने के लिए पहुंच गई है। हर बार की तरह इस बार भी यशी फिल्म्स के एमडी और निमार्ता अभय सिन्हा ने इंडस्ट्री के सभी दिग्गज अभिनेताओं को अपने साथ लंदन ले गए है। जिनमें प्रदीप पांडेय चिंटू, रितेश पांडेय, यश मिश्रा, अंकुश राजा सहित कई कलाकार हैं। वही आज 9 नवंबर को भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार खेसारी लाल यादव भी लंदन के लिए रवाना हो रहे हैं। लेकिन इस शेड्यूल में अभिनेता पवन सिंह को जगह नहीं मिली हैं। जी हां इस बार अभय सिन्हा कैम्प से पवन सिंह को बाहर कर दिया गया। इस-का मुख्य कारण बताया जा रहा है कि पवन सिंह को दर्शकों द्वारा नकारा जा रहा है। पवन सिंह की हालिया रिलीज फिल्म हमार स्वाभिमान देशभर में मात्र 4 सिनेमाघरों में ही रिलीज हुई है, जिनमें घोड़ासहन, गया, समस्तीपुर और धनबाद हैं। यहां तक फिल्म को उनके गृह क्षेत्र आरा में भी जगह नहीं मिल सकी है। वहीं हमार स्वभिमान के साथ खेसारी की बोल राधा बोल रिलीज हुई थी। जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। 'बोल राधा बोल' 50 सिनेमाघरों में शान से चल रही है। जिनमे मुम्बई के सुपर सिनेमा, बनारस के आनंद मंदिर, पटना के वीणा सिनेमा, मोतिहारी के संगीत सिनेमा, सीतामढ़ी के शंकर सिनेमा,आरा के सपना सिनेमा शामिल है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पवन सिंह को लेकर निमार्ताओं में डर बैठ गया है, क्योंकि उनका किसी भी फिल्म निमार्ता के साथ में तालमेल नहीं बैठ पा रहा है।

इस समय वे अपने पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी परेशान चल रहे हैं, जिसका असर उनके काम पर भी दिखाई दे रहा है। वही खेसारी लाल अपने हरफनमौला अंदाज से सभी का दिल जीतते हुए लंदन के लिए रवाना हो चुके हैं। सूत्रों से ये भी पता चला है कि पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह भी लंदन के लिए रवाना होने वाली हैं।

ब्लू टिक के लिए पैसे लेना बिल्कुल सहीः कंगना रनौत

-ट्विटर के समर्थन में आई ये बालीवुड एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में ट्विटर की प्रशंसा करते हुए एक लंबा नोट लिखा। भले ही पूर्व में कंगना को टिवटर ने सस्पेंड कर दिया गया हो, लेकिन उन्होंने हाल ही में 'वैचारिक रूप से प्रेरित' होने के लिए प्लेटफॉर्म को अपना समर्थन दिया है। कंगना ने लिखाः ट्विटर सबसे अच्छा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। यह बौद्धिक और वैचारिक रूप से प्रेरित है, बजाए फैशन या लाइफ स्टाइल के बारे में। हालांकि, मैं इसका प्रोसेस कभी नहीं समझ पाई, जिसके जरिए केवल कुछ लोग वेरीफाई होते हैं। जैसे बाकी लोगों का कोई वेरीफाई अस्तित्व ही नहीं है। उदाहरण के लिए मैं वेरीफाइड हूं लेकिन मेरे पिता ब्लू टिक चाहते हैं, तो 3-4 जोकर आपकी पहचान को खारिज कर देंगे, जैसे कि वह कोई अवैध जीवन जी रहे हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे कहा, जिस किसी के पास आधार कार्ड है, उन्हें आसानी से वेरिफिकेशन मिलना चाहिए। एक्ट्रेस के पोस्ट को देख यूजर मान रहे है कि कंगना ट्विटर के इस कदम के पक्ष में है। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट के प्रति कंगना के रवैये में बदलाव स्पष्ट रूप से एलन मस्क द्वारा ट्विटर के अधिग्रहण के बाद नेतृत्व में बदलाव के कारण है। लेकिन, उन्होंने ट्विटर के 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वैश्विक स्तर पर बर्खास्त करने के मामले में कुछ भी नहीं कहा। जिससे कंपनी में काम करने वाले भारतीय लोग भी प्रभावित हुए।एक्ट्रेस ने कहाः ट्विटर अकाउंट को बनाए रखने के लिए पैसे लेने का फैसला बिल्कुल सही है। अब दुनिया में फ्री लंच नहीं होता है। अगर ये सारे प्लेटफॉर्म आपको फ्री में सुविधाएं देंगे तो भला पैसे कैसे आएंगे।

सूडोकु नवताल- 6248

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6247 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्दजाल - 6995

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	वा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
जीं	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

शब्दजाल में दस सफल अभिनेत्रियों के नाम ढूंढिए.दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

जीनत अमान,वहीदा रहमान,रेखा,जया भादुड़ी,राखी,प्रीती जिंटा,रानी मुखर्जी, काजोल, डिंपल कपाड़िया,ऐश्वर्या राय

शब्दजाल - 6994 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5948

	3			1		5
7	30		25	2	34	
4		1		6		2
	28	5	35		39	
	2	4		7		
5	30	3	42		34	7
			6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5947 का हल

1	2	7	6	4	5	3
7	34	2	31	2	28	4
4	5	6	3	1	7	2
6	30	3	29	5	39	6
2	3	1	4	6	7	5
5	28	5	36	3	38	7
3	5	4	6	7	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

यूपी में अगले साल होंगे खेलो इंडिया नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स, 150 विश्वविद्यालयों के 4,500 खिलाड़ी होंगे शामिल

नई दिल्ली ।
उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023-24 में खेलो इंडिया नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन होगा। उड़ीसा व कर्नाटक के बाद अब उत्तर प्रदेश को इसकी मेजबानी का मौका मिला है। यूपी में लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी व नोएडा में नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स आयोजित होंगे। इसमें देश भर की 150 विश्वविद्यालयों के 4,500 खिलाड़ी प्रतिभाग लेंगे।

महिलाओं के खेल पर विशेष जोर - उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, खेल नवनीत सहगल ने बताया कि नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स में महिलाओं के खेल पर विशेष जोर दिया जाएगा। महिला सशक्तीकरण की इन खेलों के माध्यम से अनूठी झलक देखने को मिलेगी। यूपी में इन नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन जिन चार शहरों में किया जाएगा उसमें लखनऊ, वाराणसी, नोएडा और गोरखपुर शामिल हैं। अपर मुख्य सचिव, खेल के सामने खेलो इंडिया के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतिकरण दिया और इसके आयोजन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

कुल 20 होंगी खेल प्रतियोगिताएं - नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स में बास्केटबाल, कबड्डी, जूडो, कुश्ती, तैराकी व बाक्सिंग सहित कुल 20 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। नोएडा में कबड्डी, जूडो व तीरंदाजी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। गोरखपुर में रोईंग, वाराणसी में रेसलिंग, मलखंभ व योगा से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी और बाकी सभी प्रतियोगिताएं लखनऊ में आयोजित की जाएंगी। नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स में अंडर 26 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रदेश में इसके भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू करने के लिए अलग-अलग कमेटियां जल्द गठित की जाएंगी।.

खिलाड़ियों उच्च कोटि की सुविधाएं - नवनीत सहगल ने बताया कि नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स में अंडर 26 खिलाड़ी को हिस्सा लेंगे। वूमेंस गेम्स पर विशेष फोकस रहेगा। प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों उच्च कोटि की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स की भव्य ओपनिंग एवं क्लोजिंग सेरेमनी होगी। जिससे पूरे देश में खेल के प्रति अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन से विश्वविद्यालयों में खेल का मौहाल बनेगा और यहां के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर खिलाड़ी बनने का अवसर प्राप्त होगा।

न्यूज ब्रीफ

कतर ने 6000 केबिन फैन विलेज का किया अनावरण, दी गई है कई सुविधाएं

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन इस बार कतर में किया जा रहा है और इस वैश्विक टूर्नामेंट की शुरुआत 20 नवंबर से होगी साथ ही इसका समापन 18 दिसंबर को किया जाएगा। कतर में दुनियाभर के फुटबाल फैंस अपनी-अपनी टीमों को इस टूर्नामेंट के दौरान समर्थन देनें आएंगे और इसे देखते हुए इस देश ने अपने हवाई अड्डों के पास एक अलग लाट में 6,000 केबिन फैन गांव का अनवारण किया है। इस फैन गांव को बनाने का मकसद ये है कि यहां पर फुटबाल फैंस आकर रह सकते हैं। कतर के आठ शहरों में फीफा विश्व कप के सारे मैच खेले जाएंगे और 32 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं जिनके बीच खिताबी भिड़ंत होगी। वहीं बात अगर इस खेल विलेज की हो तो यहां पर एक मैट्रो स्टेशन, एक बस स्टाप, एक अस्थाई रेस्तरां और सामना के लिए स्टोर की भी व्यवस्था गी गई है। अधिकारियों का कहना है कि इस खेल गांव में 12,000 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इस खेल गांव को खूबसूरत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है और बाहर निकलने वाले रास्तों पर कृत्रिम ग्रीन ग्रास का इस्तेमाल किया गया है। वहीं यहां पर एक कामन एरिया भी बनाया गया है जहां बैठने के लिए बीन-बैग स्टाइल के चेयर्स रखे गए हैं। यहां पर ठहरने वाले फैंस अगर मैच का लुत्फ उठाना चाहें तो इसके लिए एक बड़ी स्क्रीन की भी व्यवस्था की गई है। यहां पर फैंस को ठहरने के लिए जो केबिन बनाए गए हैं उसमें चमकीले कलर का इस्तेमाल किया गया है साथ ही इसकी दीवारें पतली है और सिंगल या फिर डबल बेड इसमें रखे गए हैं।

शाहीन ने भारतीय फैन को तिरंगे पर ऑटोग्राफ दिया

सिडनी। टी-20 वर्ल्ड कप अपने चरम पर है। बुधवार को पहला सेमीफाइनल पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा है। सिडनी में चल रहे इस महामुकाबले से पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह ने तिरंगा लिए भारतीय फैन के साथ सेल्फी खिंचवाई और ऑटोग्राफ भी दिया। इसके लिए शाहीन की सोशल मीडिया पर तारीफ हो रही है। जब पाकिस्तान टीम सेमीफाइनल खेलने के लिए सिडनी पहुंची। तभी तिरंगा लिए एक भारतीय फैन शाहीन के पास पहुंचा और ऑटोग्राफ और सेल्फी लेने का अनुरोध किया। तभी शाहीन ने तिरंगा अपने हाथ में ले लिया और फैन के साथ फोटो खिंचवाई और तिरंगे पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया। शाहीन शाह से पहले उनके होने वाले ससुर शाहिद अफरीदी भी भारतीय फैंस और तिरंगे के साथ फोटो खिंचवा चुके हैं और ऑटोग्राफ दे चुके हैं। शाहीन शाह की सगाई शाहिद अफरीदी की बेटी के साथ हुई है। 2018 की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में एक टूर्नामेंट के दौरान शाहिद अफरीदी को भी भारतीय फैंस ने घेर लिया था। तब अफरीदी ने उनके साथ फोटो खिंचवाई थी। उसी समय जब उनकी नजर तिरंगे पर गई, तो उन्होंने देखा की तिरंगा पूरी तरह से खुला नहीं है। उन्होंने फैन से कहा फ्लैग सीधा करो और फिर फोटो खिंचवाई। शाहीन शाह सेमीफाइनल से पहले टी-20 वर्ल्ड कप में खेले 5 मैचों में 8 विकेट ले चुके हैं।

एफआईएच नेशंस कप में भारत की अगुआई करेगी गोलकीपर सविता पूनिया, दीप ग्रेस उप-कप्तान

नई दिल्ली । गोलकीपर सविता पूनिया स्पेन के वेलेंसिया में 11 से 17 दिसंबर तक खेले जाने वाले महिला एफआईएच नेशंस कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। हॉकी इंडिया ने टूर्नामेंट के लिए बुधवार को 20 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। मिडफील्डर नवजोत की टीम में वापसी हुई है जबकि रक्षापंक्ति की खिलाड़ी दीप ग्रेस एक्का टूर्नामेंट में टीम की उप-कप्तान होंगी। नवजोत कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर हो गई थी। एफआईएच महिला नेशंस कप अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इसके चैंपियन को एफआईएच महिला प्रो लीग 2023-2024 सत्र का टिकट मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पूल-बी में चिली, जापान और दक्षिण आफ्रीका के साथ है। भारत टूर्नामेंट के पहले दिन चिली के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इस साल अगस्त में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम 2021-22 एफआईएच प्रो लीग में पहली बार भाग लेते हुए अर्जेंटीना और नीदरलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर रही थी।

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप की सबसे शर्मनाक हार

अब तक हुए 16 सेमीफाइनल में पहली बार कोई टीम 10 विकेट से हारी, नाम है टीम इंडिया

नई दिल्ली ।
ये भी कोई क्रिकेट मैच था। गिल्ली-डंडा से भी बदतर। भारत के बैटर पस्त, बॉलर बदहवास, फील्डर या तो दिख नहीं रहे थे, और दिखे भी तो बस गेंद से पिछड़ते हुए। रो-हिट, किंग कोहली, मिस्टर 360 डिग्री, कुंगफू पंड्या, स्विंग का किंग बस कहने के। बल्ला लेकर 8 खिलाड़ी मैदान पर उतरे, 6 लौट आए, टोटल 168 रन बनाकर। वो भी खींचतान कर। इंग्लैंड के दो बल्ले मैदान पर आए और हर ओवर में तकरीबन 10.62 रन पीटते हुए 16 ओवर में खेल खत्म कर दिया। एलेक्स हेल्स का स्ट्राइक रेट 183 था, रन 86, 4 चौके और 7 छक्के। कप्तान जोस बटलर का स्ट्राइक रेट 163 था, रन 80, 9 चौके और 3 छक्के। टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में हुए टोटल 16 सेमीफाइनल में किसी टीम की ये सबसे बड़ी हार, या सबसे बड़ी जीत है। जीत-हार के लिहाज से एक रिकॉर्ड बना है और एक की बराबरी हुई है। इंग्लैंड ने भारत को हराकर सेमीफाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट से जीत का रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही सबसे कम ओवर में जीत की बराबरी भी की। टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने ही 16 ओवर में श्रीलंका को हराया था। 12 साल पहले, यानी 2010 में। ये मैच वेस्टइंडीज में खेला गया था।

गेंदबाजी में इंडिया की 3 बड़ी गलतियां

अर्शदीप को दूसरा ओवर नहीं देना - पावर प्ले में अर्शदीप ने एक ओवर में 8 रन दिए। 4 बॉलर्स में सबसे कम इकॉनमी थी। रोहित ने उन्हें दूसरा ओवर नहीं दिया, जबकि वे शुरुआत में विकेट दिलाते हैं। उन्हें दूसरा ओवर नहीं देना कप्तान के तौर पर रोहित की बड़ी गलती रही।

भुवी ने स्विंग नहीं कराई, अक्षर लेंथ में कमजोर - भुवनेश्वर कुमार जब पहला ओवर लेकर आए तो उन्हें स्विंग मिल रही थी, लेकिन तीसरी ही गेंद पर रोहित ने पंत को आगे से कीपिंग करने को कहा। यानी भुवनेश्वर के आगे गेंद डालकर स्विंग कराने के चांस एकदम खत्म हो गए। अक्षर पटेल ने ज्यादातर छोटी लेंथ की गेंदें फेंकी, जिन्हें बटलर और हेल्स ने बाउंड्री में तब्दील किया।

टीम इंडिया ने लड़ाई भी नहीं की - पूरे मैच के दौरान इंग्लैंड ही हावी दिखी। इंडिया बल्लेबाजी के दौरान भी प्रेशर में रही और गेंदबाजी के दौरान। गेंदबाज 10वें ओवर के बाद ही हिम्मत हार गए। लड़ाई का जज्बा दिखाई नहीं दिया।

बल्लेबाजी में भारत की 3 गलतियां

केएल राहुल जल्दी आउट - दूसरे ही ओवर में केएल राहुल ने क्रिस वोक्स को विकेट दिया। बाहर जाती गेंद को उन्होंने कीपर को थमा दिया। यहीं से दबाव बढ़ गया और पावर प्ले में बल्लेबाजी धीमी रही।

रोहित ने जमने के बाद विकेट दिया - ओपनिंग करने आए रोहित शर्मा 27 रन बनाने के बाद 9वें ओवर में आउट हो गए। तब जरूरत थी कि वे कम से कम 15 ओवर तक बल्लेबाजी करें।

सूर्या का गेमप्लान फेल - आदिल रशीद ने बढ़िया गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 20 रन दिए। उनके आखिरी ओवर में सूर्या ने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश की और आउट हुए। इस ओवर के बाद अटैक करते तो रनरेट भी बढ़ता और दबाव भी न पड़ता।

हार्दिक का पावर प्ले बेकार गया - इंडिया की ओर से विराट ने फिफ्टी लगाई और आउट हो गए। हार्दिक जमे हुए थे। उन्होंने 33 गेंदों पर 63 रन बनाए। स्ट्राइक रेट 190 रहा। 4 चौके और 5 छक्के मारे। एक वक्त 150 से कम में सिमटती दिखाई दे रही इंडिया को 168 रन तक पहुंचा दिया। लड़ने लायक स्कोर था पर भारत की खराब गेंदबाजी के चलते हार्दिक की ये पारी बेकार चली गई।

बटलर-हेल्स का आक्रामक खेल - इंग्लिश ओपनर्स बटलर और हेल्स ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। हर ओवर में 10 रन मारे और पूरे मैच के दौरान ये रनरेट कभी नीचे नहीं आया। इसके चलते भारतीय गेंदबाज दबाव में आ गए।

वोक्स ने केएल राहुल को दूसरे ओवर में आउट किया - मार्क वुड चोटिल थे तो खेले नहीं। ऐसे में पूरी जिम्मेदारी क्रिस वोक्स पर थी। उन्होंने जल्दी ही सफलता दिलाई। दूसरे ओवर की चौथी बॉल पर उन्होंने केएल राहुल को 5 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। इंग्लैंड यहीं से हावी हो गया।

लेग स्पिनर्स रशीद-लिविंगस्टोन ने रनरेट बढ़ने नहीं दिया - आदिल रशीद और लियाम लिविंग्स्टोन ने रनरेट को बढ़ने नहीं दिया। रशीद ने 4 ओवर में सिर्फ 20 रन दिए यानी हर ओवर में सिर्फ 5 रन। लिविंगस्टोन ने 3 ओवर में 21 रन दिए यानी हर ओवर में 5 रन। फॉर्म में चल रहे सूर्या चौका और छक्का लगा चुके थे, लेकिन उन्हें आदिल ने फंसा लिया।

2023 महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी भारत को, इस शहर को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।
भारत को 2023 महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बताया है कि नई दिल्ली में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। यह मेजबानी तब मिली है जब दो साल पहले पुरुषों के इवेंट की मेजबानी की जिम्मेदारी भारत से छीन ली गई थी। तब भारत को ग्लोबल गवर्निंग बॉडी को अपेक्षित शुल्क का भुगतान नहीं करने के लिए मेजबानी से हटा दिया गया था।

भारत ने कभी भी पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप का आयोजन नहीं किया है, लेकिन यह तीसरी बार होगा जब देश में महिलाओं की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 2006 और 2018 में नई दिल्ली में ही टूर्नामेंट का आयोजन हो चुका है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कलिता न कहा- हमें महिला विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार मिला है और हम मार्च के अंत और अप्रैल के पहले सप्ताह में इस आयोजन की मेजबानी करना चाहते हैं।

इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव भारत की अपनी पहली यात्रा पर हैं और यात्रा के दौरान मार्की इवेंट की तारीखों को अंतिम रूप दिया जाएगा। हेमंत ने कहा- आयोजन की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। हम आईबीए अध्यक्ष के साथ बैठेंगे और उनकी यात्रा के दौरान एक समझौते पर पहुंचेंगे। टूर्नामेंट जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने की संभावना है।

भारत के लिए इस टूर्नामेंट की मेजबानी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीएफआई ने मेजबान शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने के बाद 2021 के आयोजन की मेजबानी का अधिकार सर्बिया को खो दिया था। जिससे अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (तब एआईबीए) को समझौता रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तुर्की में महिलाओं के आयोजन के पिछले संस्करण में भारत ने तीन पदकों के साथ वापसी की थी, जिसमें निकहत जरीन का फ्लाईवेट वर्ग में स्वर्ण शामिल था।

क्रेमलेव ने हाल ही में घोषणा की थी कि अगले साल मई में ताशकंद में होने वाली पुरुष विश्व चैंपियनशिप में पुरस्कार राशि पिछले संस्करण से दोगुनी हो जाएगी।

विश्व चैंपियन बनने पर महिला बॉक्सर को मिलेंगे 81 लाख, निकहत बोलीं- स्वर्ण जीता, तो मर्सिडीज खरीदूंगी

नई दिल्ली ।
अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ (आईबीए) ने बुधवार को भारतीय बॉक्सिंग संघ (आईबीएफ) को आधिकारिक रूप से विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी सौंप दी।यह चैंपियनशिप नई दिल्ली के केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में अगले वर्ष मार्च में आयोजित की जाएगी। आईबीएफ के अध्यक्ष अजय सिंह के मुताबिक इस चैंपियनशिप में 19.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि होगी। स्वर्ण पदक विजेता को 81 लाख रुपये की भारी-भरकम इनामी राशि मिलेगी। विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने इतनी बड़ी इनामी राशि पर कहा कि अगर वह अगले वर्ष चैंपियन बनीं, तो मर्सिडीज खरीदेंगी और आईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव को हैदराबाद बुलाकर उन्हें कार में घुमाएंगी। इस पर क्रेमलेव बोले अगर निकहत जीतती हैं तो वह उन्हें मर्सिडीज गिफ्ट करेंगे।

पहली बार लागू होगा बाउट रिव्यू सिस्टम

भारत तीसरी बार विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। दो साल पहले भारत से आईबा ने विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी आवश्यक फीस जमा नहीं करने के चलते छीन ली थी। आईओसी ने बाद में आईबा को अनियमितताओं के चलते भंग कर दिया था। विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी को लेकर क्रेमलेव और अजय सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अजय सिंह ने कहा कि चैंपियनशिप में 75 से 100 देशों के तकरीबन 1500 मुक्केबाज शिरकत करेंगे। इस चैंपियनशिप से पहली बार ऐतिहासिक बाउट रिव्यू सिस्टम लागू किया जाएगा।

आईबीए के महासचिव जॉर्ज येरोलिंपोज ने कहा कि रिव्यू सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित होगा। रिंग के चारों ओर कैमरे लगे होंगे, जो बाउट के दौरान हर पंच का विश्लेषण करेंगे। अगर कुछ गड़बड़ी नजर आती है तो बाउट के दौरान ही इसे सुधारा जाएगा। क्रेमलेव ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि बॉक्सिंग ओलंपिक से बाहर नहीं होगा। पेरिस ओलंपिक के बाद वह इसमें कई सुधार करेंगे।

हिसार में होगी 2022 की राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता, 17 नवंबर से होगी शुरू

हिसार।
हिसार जिले में राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता होने जा रही है। यह प्रतियोगिता 17 से शुरू होगी और 19 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान बास्केटबाल, हैंडबाल व आर्चरी की प्रतियोगिता होनी है। इसमें प्रदेश के सभी स्कूलों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। यह लड़कों व लड़कियों दोनों वर्ग में होगी। अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 तीनों वर्ग में होगी। यह अच्छा मौका है कि स्कूली छात्र खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे। यह प्रतियोगिता महाबीर स्टेडियम में होगी। डीपीई कुलदीप नैन ने बताया कि इसके लिए शिक्षा विभाग ने महाबीर स्टेडियम में व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से संपर्क साधा है। स्टेडियम में तैयारियां करवाई जाएगी। प्रतियोगिता शुरू होने में छह दिन शेष है। तब तक सभी व्यवस्थाएं करनी होगी। बास्केट बाल व हैंडबाल की प्रतियोगिता महाबीर स्टेडियम में होनी है और आर्चरी प्रतियोगिता उमरा में होगी। उमरा में आर्चरी का अच्छा मैदान है। वहां पर स्कूल में सभी छात्र खिलाड़ियों के ठहरने की भी व्यवस्था हो सकेगी। पिछले माह में जिला स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता हुई थी। उसमें विभिन्न ब्लाक से स्कूलों की टीमों ने भाग लिया था। उस दौरान विजेता टीम व चयनित छात्र खिलाड़ी ही इस राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता टीम नेशनल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता तीन दिन तक चलेगी। ऐसे में बाहरी जिलों से आने वाले छात्र खिलाड़ियों के लिए रहने व खाने-पीने की भी सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। सभी छात्र खिलाड़ियों के लिए व्यवस्था कराने में शिक्षा विभाग जुटा हुआ है।

जुडो व क्रिकेट की स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता राज्य स्तर पर कैथल जिले में होगी। जुडो में अंडर-14, 17, 19 लड़के व लड़कियां और क्रिकेट में अंडर-14 में लड़के व अंडर-19 लड़कियां भाग लेगी। फेंसिंग व नेटबाल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रेवाड़ी में होगी। फेंसिंग में अंडर-14, 17, 19 में दोनों वर्ग भाग ले सकते है।

स्पेन के कोच पर है पूरा भरोसा, मेसी पर भी होगी नजर : आंद्रे इनिएस्ता

नई दिल्ली ।

आंद्रे इनिएस्ता स्पेनिश फुटबालरों की स्वर्णिम पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्होंने क्लब और देश के लिए हर फुटबाल ट्राफी जीती है। अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने के बाद अब वह जापान में खेल रहे हैं और टीवी पर अपने परिवार के साथ फीफा विश्व कप देखेंगे, जिसका आयोजन इस महीने 20 तारीख से कतर में होना है। इनिएस्ता का कहना है कि उन्हें स्पेन के कोच पर पूरा भरोसा है। साथ ही वह अर्जेंटीना के लियोन मेसी पर भी नजर रखेंगे, जिनका यह आखिरी विश्व कप होगा। विश्व कप को लेकर आंद्रे इनिएस्ता का विशेष साक्षात्कार।

मुझे नहीं लगता कि यह निराशाजनक है। मैंने पहले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया है और मैं अपने देश के लिए चार विश्व कप खेलकर खुश हूं। विश्व कप खेलना मेरे सपनों में से एक था और मुझे चार बार मौका मिला।

वह मेरे लिए सबसे खुशी का पल था। विश्व कप फाइनल में एकमात्र गोल करके अपने देश के लिए पहला विश्व कप जीतना, अद्भुत था। यह महसूस करने में कुछ समय लग गया था कि यह सपना नहीं था। हमने वास्तव में अच्छा खेला था और टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाया था। वह एक विशेष अनुभूति, एक विशेष उपलब्धि थी। हालांकि, टीम के किसी अन्य सदस्य ने भी गोल किया होता तो ऐसा ही अनुभव होता। यह एक टीम गेम है, इसमें टीम की सफलता सबसे महत्वपूर्ण है। ईश्वर ने मुझे उस दिन मौका दिया इसके लिए आभारी हूं। निश्चित रूप से हमारी स्थिति बेहतर हो सकती थी, लेकिन इसके लिए अब पछताने का कोई मतलब नहीं है। ब्राजील में हमारी शुरुआत अच्छी नहीं थी, जबकि हम इतने सारे अवसर पैदा करने के बावजूद

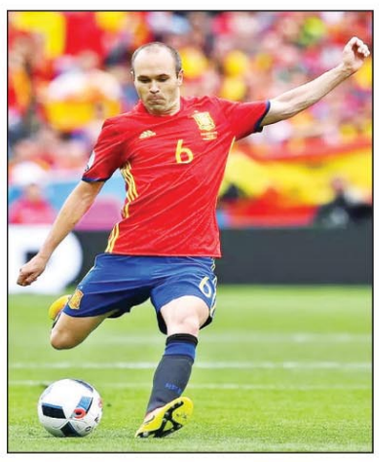

मेजबान टीम के विरुद्ध 2018 में दूसरे दौर में गोल नहीं कर सके और टाईब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन यह अतीत की बात है। यह एक नया विश्व कप है और हमें फिर से शून्य से नई शुरुआत करनी होगी। पहला भाग अधिक महत्वपूर्ण है। सचमुच वे प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने क्लब फुटबाल के साथ-साथ देश के लिए खेलते हुए अपनी योग्यता साबित की है। मैं उन्हें मैदान पर देखने के लिए बेताब हूं। बिल्कुल, विशेष रूप से तब जब इस ग्रुप में जर्मनी है। हालांकि, विश्व कप यही है। यदि आपको सर्वश्रेष्ठ बनना है, तो सर्वश्रेष्ठ टीमों के विरुद्ध खेलना और उन्हें हराने का प्रयास करना ही होगा। आपको शुरू से ही पूरे दमखम के साथ उतरना होगा। लुईस वास्तव में अच्छा कर रहे हैं। हम उनके नेतृत्व में 2020 में यूरो सेमीफाइनल में पहुंचे थे। नेशंस लीग में भी हम पहले चार देशों में हैं। हमने बिना किसी कठिनाई के विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इससे साबित होता है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। एनरिक अपनी टीम को एक विशेष स्तर की फुटबाल खेलाना पसंद करते हैं और स्पेन उसी का अनुसरण कर रहा है। वे एक-दूसरे को पास कर खेल को आगे बढ़ाने पर भरोसा करते हैं। साथ ही गोल के निकट पहुंचने पर आक्रामक होकर शाट के लिए पर्याप्त जगह बनाने की कोशिश करते हैं। मूल रूप से यही हमारी शैली रही है। हमारे पास तकनीकी खिलाड़ी हैं जो उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। अब उन्हें दबाव में ऐसा करना होगा। यह एक दिलचस्प विश्व कप होगा, क्योंकि खिलाड़ी सीधे क्लब सीजन से आएंगे। यूरोपीय देशों ने पिछले चार संस्करण जीते हैं और वे इसे फिर से जीतने के लिए सब कुछ करेंगे। फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इंग्लैंड, पुर्तगाल जितना संभव हो सके जाने की कोशिश करेंगे। ब्राजील और अर्जेंटीना भी पसंदीदा टीमों में से हैं। लियोन मेसी फुटबाल के दिग्गज हैं। वह अब तक चार विश्व कप खेल चुके हैं, लेकिन अभी तक वह जीत नहीं पाए हैं। 2014 में अर्जेंटिना फाइनल में पहुंचा था, तब वह इसके काफी करीब पहुंच गए थे। वह निश्चित रूप से इसे जीतने की पूरी कोशिश करेंगे, लेकिन इसे जीतने के लिए किस्मत के साथ-साथ टीम के सहयोग की भी जरूरत होगी। उन्हें जीतते हुए देखकर हर कोई खुश होगा, क्योंकि वह इसके हकदार हैं, लेकिन मेसी की क्षमताओं और प्रतिभा वाले खिलाड़ी के लिए भी यह सबसे कठिन होगा। हम सबकी नजर उन पर है।

आधा सिर दर्द हो तो आयुर्वेद में है राहत

माइग्रेन सिर में होने वाला ऐसा रोग है जिसमें सिर के आधे भाग में दर्द रहता है। यह दर्द होने पर व्यक्ति परेशान हो जाता है। जानते हैं इसके लिए लाभकारी आयुर्वेदिक उपायों के बारे में...

दर्द की वजह

आयुर्वेदिक ग्रंथों में इस रोग को अर्धांवभेदक नाम दिया गया है। ओस, ठंडी हवाएं, अधिक भोजन करना, समय पर भोजन न करना, ठंडे पेय पदार्थों का प्रयोग, पहला भोजन पचा न होने पर फिर से खाना, बासी भोजन करना, मल-मूत्र रोकना, अधिक व्यायाम करना, हार्मोंस में परिवर्तन, नींद न पूरी होना और थकान आदि कारणों से माइग्रेन हो सकता है।

इन्हें खतरा

यूं तो यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन 35 से 45 वर्ष के लोगों में यह अधिक देखने को मिलता है। बच्चे भी इस रोग के शिकार होते हैं लेकिन किशोरावस्था में इसके रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। ज्यादा पढने और लिखने वाले, अधिक मानसिक काम करने वाले या तनाव में रहने वाले लोग इसकी गिरफ्त में जल्दी आते हैं। आयुर्वेद के अनुसार वायु जब कफ के साथ शरीर के आधे भाग को जकड़ लेती है तो शंख प्रदेश यानी कान, आंख व सिर में दर्द होता है। यह रोग जब अधिक देर तक बना रहता है तो सुनने व देखने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

इलाज में ये अपनाएं

इसके रोगी को कब्ज की शिकायत नहीं रहनी चाहिए। कब्ज के लिए त्रिफला चूर्ण का प्रयोग गुनगुने पानी के साथ करें। पेट साफ रखने वाली दवाएं ठंडे पानी से न लें। जिस दिन पेट साफ करने वाली दवा लें, उस दिन मूंग की दाल की खिचड़ी घी के साथ खाएं। सुबह दूध के साथ जलेबी लेने से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। इसके रोगी को ज्यादा देर खाली पेट नहीं रहना चाहिए। दूध, मलाई, खोया, रबड़ी, मालपुआ, फेणी, घेवर, हलवा आदि खाने से रोगी को आराम मिलता है। इसके अलावा सुबह दूध में घी डालकर और भोजन के बाद घी पीने से इस रोग में लाभ होता है। गाय का दूध या घी नाक में दो-दो बूंद डालने से फायदा होता है। नौसादर और चूने का मिश्रण सूंघने से भी आराम मिलता है।

दालचीनी चूर्ण का लेप करें

इस रोग में पुराना घी, मूंग की दाल, जौ, परवल, सहजन की फली, बथुआ, करेला, बैंगन व फलों में आम, अंगूर, नारियल व अनार का प्रयोग लाभकारी होता है। दालचीनी चूर्ण का लेप माथे पर करने से भी फायदा होता है। इस रोग में भूखे पेट रहने, धूप में घूमने या ज्यादा देर तक टीवी देखने से बचें।

आंखों को स्वस्थ रखने के उपाय

सुंदर आंखें इंसान की सुंदरता में चार चांद लगाती हैं क्योंकि इन्हीं अनमोल आंखों से वह कुदरत के खूबसूरत नजारों को देख पाता है। इसीलिए जरूरी है आंखों को बीमारियों से बचाना। यदि समय-समय पर आंखों की भी देखभाल की जाए तो काफी हद तक इसमें पैदा होने वाली समस्याओं पर रोक लगाई जा सकती है। साथ ही आंखों को बीमारियों से बचाने के लिए आंखों की सफाई और आंखों का व्यायाम करना जरूरी है। आंखों की देखभाल के लिए विटामिन-ए युक्त भोजन भी करना चाहिए जो आंखों की रोशनी तेज करता है और आंखों की समस्याओं से व्यक्ति को बचाता है। आइए जानें आंखों की सेहत के नुस्खों के बारे में।

आहार में लें पोषक तत्व

आंखों को बीमारी से बचाने के लिए विटामिन-ए और विटामिन के से भरपूर भोजन लेना चाहिए। दूध, मक्खन, गाजर, टमाटर, पपीता, अंडे, शुद्ध घी और हरी साग-सब्जियों इत्यादि का सेवन करना चाहिए। इसके सुबह उठकर पानी पीना, पूरे दिन में 8-9 गिलास पानी–पीना आंखों के लिए हितकर होता है जो शरीर में बढ़ते हुए विषैले पदार्थों को नष्ट करता है।

कंप्यूटर से उचित दूरी

आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि उचित प्रकाश में ही बैठकर काम किया जाएं, फिर चाहे आप कंप्यूटर पर काम कर रहे हो या फिर पढ़ाई। बहुत नजदीक से निरंतर किसी चीज को देखने या ज्यादा देर तक कम्प्यूटर के सामने बैठने के कारण आंखों में दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए निरंतर आंखों पर जोर न डालें। बीच-बीच में अवकाश लेते रहें।

आंखों की सफाई

आंखों के प्रति लापरवाही बरतने से आंखों से पानी आना, जलन, खुजली, आंखों का लाल होना, पीलापन आना, सूजना, धुंधला दिखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं से आंखों को बचाने के लिए नियमित रूप से आंखों की सफाई करनी चाहिए। इसके लिए आप आंखों को दिन में 3-4 बार ठंडे पानी से अच्छीं तरह से धोएं।

भरपूर नींद लें

आंखों को आराम देने के लिए पर्याप्त आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए। और साथ ही आंखों के आसपास की त्वचा को पुष्ट करने के लिए बादाम के तेल से आंखों के नीचे हल्के हाथ से मालिश करनी चाहिए। इससे आंखों के नीचे काले घेरे भी दूर होते हैं। इसके अलावा आंखों के नीचे एंटी रिंकल क्रीम लगानी चाहिए। एंटी रिंकल क्रीम में मौजूद तत्व होते है विटामिन सी और ग्रीन टी, जो आंखों के काले घेरे बनने से रोकने में लाभकारी है

अन्य उपाय

- आंखों में थकान होने पर गुलाब जल में रूई भिगोकर आंखों पर रखने से आंखों को राहत मिलती है।
- आंखों में दर्द होने पर दोनों हथेलियों को रगड़कर कुछ देर आंखों पर मलना अच्छा रहता है।
- कंप्यूटर पर काम करते समय अपनी कुर्सी को कंप्यूटर की ऊंचाई के हिसाब से रखें। जिससे आंखों पर बहुत अधिक जोर न पड़े और टीवी कभी अंधेरे में न देखें, इससे आंखों पर बहुत जोर पड़ता है।
- रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप ध्यानपूर्वक हटाएं।

समय-समय पर चेकअप कराएं

आंखों में कोई समस्या, हो या न हो लेकिन समय-समय पर आंखों का चेकअप कराना चाहिए। खासकर डायबिटीज के रोगियों को समय-समय पर आंखों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए क्योंकि डायबिटीज से आंखों पर नकारात्मक असर पड़ता है और लंबे समय तक डायबिटीज रहने पर अंधापन भी हो सकता है।

अच्छी क्वालिटी के उत्पादों का इस्तेमाल

आंखों को धूल-मिट्टी और धूप से बचाने के लिए बाहर निकलते समय आंखों पर शेड्स या चश्में का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही आंखों के मेकअप के लिए अच्छी क्वालिटी के उत्पादों का ही इस्तेमाल करें। आंखों पर जरूरत के हिसाब से मेकअप करना चाहिए, यानी काजल, सुरमा जैसी चीजें लगाने से बचना चाहिए।

दातों को प्रभावित कर सकता है तनाव...

आप तनाव के खतरनाक और जानलेवा दुष्प्रभावों से तो वाकिफ होंगे ही, लेकिन आपको यह भी मालूम होना चाहिए कि तनाव से दांत किटकिटाने या दांत चबाने की आदत भी पड़ जाती है, जिसके बारे में अधिकतर लोगों को पता ही नहीं होता। आपको मालूम होना चाहिए कि इस अनजान आदत का खामियाजा आपके दांतों को भुगतना पड़ सकता है।

दांत किटकिटाने की आदत अधिकतर तनाव के चलते होती है। यह आदत भले ही जानलेवा न हो, लेकिन इससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जैसे दांतों, सिर और चेहरे संबंधित ढांचे का प्रभावति होना, दांतों का टूटना आदि। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए और आपको इलाज की जरूरत पड़ जाए बेहतर होगा कि आप अपनी तनाव लेने की आदत का इलाज कर लें।

ब्रूक्सिस्म' का शिकार

क्या किसी ने आपको कहा है कि आप नींद में दांत किटकिटाते हैं। क्या आप जबड़ों के दर्द, सरदर्द कंधे या गर्दन दर्द के कारण से जाग जाते हैं। क्या सुबह उठने पर आपके जबड़ों में दर्द होता है। क्या? आपको चेहरे के दूसरे तरफ दर्द होता है।क्या आपके दांत संवेदनशील हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या है तो आप डेंटिस्ट से ज़रूर सम्पर्क करें । बहुत से विशेषज्ञों का ऐसा भी मानना है कि ब्रूक्सिस्म (दांत किटकिटाना) एक अनुवांशिक बीमारी है और बहुत से मरीज़ों को इस बीमारी का पता भी नहीं चल पाता । लेकिन तनाव को इस बीमारी का एक मुख्य कारक माना गया है ।

ब्रूक्सिस्म से नुकसान

दांत किटकिटाना सुनने वाले के लिए चिडचिड़ाहट पैदा करने वाला विषय हो सकता है और मरीज के लिए शर्मिंदगी का विषय हो सकता है । लेकिन इससे होने वाली समस्याएं बड़ी भी हो सकती हैं और ऐसा भी जरूरी नहीं कि सभी समस्याएं दांतों से सम्बंन्धी ही हों । यह समस्या एंक्रेनियोफेशियल नर्व को भी प्रभावित कर सकती हैं । यह एक ऐसी गतिविधि होती है जो कि हमारी अवचेतन अवस्था में होती है इसलिए हमें इसका पता भी नहीं चल पाता और अधिकतर स्थितियों में यह सोते समय होता है इसलिए इसपर हमारा बस भी नहीं होता स्थितियों का पता तब लगता है जब कि इसी प्रकार दांत किटकिटाने पर एक दिन दांत टूट जाते हैं या फिर चेहरे पर सूजन आ जाती है । कुछ रात्रि में जागने वाले नींद के एक घण्टे में 40 मिनट तक दांत किटकिटाते हैं । ऐसा करने से दांतों की बाहरी सतह इनेमल के निकलने का खतरा रहता है और दांत टूट भी सकते हैं। इनेमल दांतों की सबसे बाहरी परत है, यह बहुत कठोर होती है और इसलिए यह दांतों को किसी भी प्रकार की क्षति से भी बचाता है। ऐसे में दांत, जबड़े, कानों में दर्द हो सकता है और यहां तक कि सरदर्द भी हो सकता है । मांस पेशियों पर लगातार दबाव पड़ने के कारण चेहरा चौकोर सा दिखने लगता है । वो लोग जो कि माइल्ड ब्रक्सिरजम से प्रभावित होते हैं वो शारीरिक और मानसिक तनाव के लक्षण भी दर्शाते हैं । यह समस्या कम उम्र के बच्चों में भी हो सकती है ।

बचाव के तरीके

सोने से पहले तनाव से मुक्त होने का प्रयास करें । आप तनाव कम करने के लिए कम आवाज में गाने सुन सकते हैं । नाइट गार्ड आक्लूमजल स्पलिन्ट का प्रयोग करना । कुछ लोगों में इसके प्रभाव से दांतों का किटकिटाना बढ़ जाता है और कुछ में बिलकुल ही ठीक हो जाता है । इसे फिट करने के लिए दंत चिकित्सक के अस्पताल में जाना पड़ता है । यह प्लास्टिक का यंत्र होता है और यह दांतों में आगे से पीछे की ओर लगा होता है। कुछ लोगों में दांतों पर दबाव पड़ने के कारण स्लिनेकन्ट टेढ़े हो जाते हैं। ऐसी स्थितियों में स्लिनेकन्ट या गार्ड बदलने पड़ते हैं । दांतों के लिए एक्यूपंचर, मसाज, रिलैक्सेशन थेरेपी और मेडिटेशन की भी सलाह दी जाती है । प्रभावित मांस पेशियों में बटक्सि का इन्जेक्शन भी लगाया जा सकता है। जिससे कि मांस पेशियों में थकान नहीं होता । गुस्सा ,निराशा और आक्रामकता ऐसे कारण हैं जिनसे ब्रक्सिपज्म समस्या होती है । आराम से और अच्छी नींद लेना दांत किटकिटाने जैसी समस्या का समाधान हो सकता है ।

औषधीय दृष्टि से बेजोड़ है तुलसी

तुलसी पित्तनाशक, वातनाशक, कुष्ठरोग निवारक, पसली में दर्द, खून में विकार, कफ और फोड़े-फुन्सियों के उपचार में रामबाण की तरह फायदा करती है। तुलसी न सिर्फ समाज में पूजनीय है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी हैं। इसका स्वाद भले ही कुछ लोगों को पसंद न आए, लेकिन सेहत के लिए यह बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर दिल के लिए इसे अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

तुलसी के फायदे

कड़वी और तीखी तुलसी सांस, कफ और हिचकी को तुरन्त मिटा देती है। उल्टी होने, दुर्गन्ध, कुष्ठ, विषनाशक तथा मानसिक पीड़ा को मिटाने में बड़ी कारगर सिद्ध होती है। तुलसी की महत्ता के साक्ष्य बारे में कई ऐतिहासिक पुस्तकों में वर्णन मिलता है। इसका प्रयोग वैद्यों द्वारा बहुत पहले से होता आया है। मंदिरों में पूजा-अर्चना के पश्चात् गंगाजल में तुलसी के पत्तों को डालकर प्रसाद वितरण किया जाता है। इन सब प्रयोगों के पीछे एक ही संकेत है कि लोग तुलसी का प्रयोग अपनी दैनिक जीवनचर्या में निरन्तर करें तो कई बीमारियों से फायदा होगा।

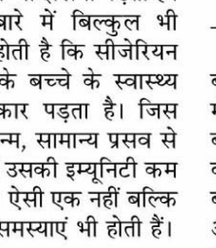

वायु शुद्ध करें

जहां तुलसी के पौधे का आरोपण होगा वहां की वायु भी शुद्ध होगी और विषैले कीटाणु भी प्रभावहीन हो जाते है। यूनानी चिकित्सकों के मतानुसार तुलसी के सेवन से रोगाणु नष्ट होने लगते है। यह एक प्रकार की हृदय में शक्ति भर देने की महाऔषधि है। वायु को परिशोधित करने की शक्ति रखती है। उनकी दृष्टि में इस पौधे में अनेकों तरह के औषधीय गुण विद्यमान रहते है। एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली में तो इसे सद्गुण सम्पन्न बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि तुलसी में मलेरिया रोग को भगाने की शक्ति विद्यमान है। सर्दी, खांसी, निमोनिया को नष्ट कर देती है।

कीटाणुओं का नाश करें

स्वास्थ्य-संवर्धन की दृष्टि से तुलसी की गंध को अत्यधिक उपयोगी माना जाता है। इसकी पीली पत्तियों में हरे रंग के एक तैलीय पदार्थ की सत्ता समाहित है। हवा में इस औषधि के मिलने से कई कीटाणु समाप्त होते हैं। रात्रि को सोते समय यदि तुलसी को कपूर को हाथ-पैरों पर मालिश कर लिया जाए तो मच्छर पास नहीं आयेंगे। पानी में तुलसी डालकर प्रयोग करने से कई बीमारियां समाप्त होती हैं। तुलसी की पत्तियों को मिलकार जल नित्य प्रति सेवन करने से मुखमण्डल का तेज निखर कर आता है। तुलसी का प्रयोग करने से स्मरणशक्ति बढ़ती है। तुलसी में एक विशेष प्रकार का एसिड पाया जाता है जो दुर्गन्ध को भगाता है। भोजन के पश्चात तुलसी की दो-चार पत्तिया चबा लेने से मुंह से दुर्गंध नही आती है।

त्वचा के लिए गुणकारी

दमा अथवा तपैदिक के रोगी को तुलसी की लकड़ी अपने पास सदैव रखनी चाहिए। तुलसी की माला पहनने संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा कम होता है। तुलसी विश्व प्रसिद्ध औषधि है और उच्चतम कोटि का रसायन है। तुलसी के प्रयोग से शरीर के सफेद दाग मिटते और सुन्दरता बढ़ती है। क्योंकि इसमें रक्त शोधन क्षमता विद्यमान है। नींबू के रस में तुलसी की पत्तियों का रस मिलाकर चेहरे पर लगाया जाये तो चर्मरोग मिटता है और चेहरा खिलता है। तुलसी की पत्तियों को सुखाकर उसमें दालचीनी, तेजपत्र, सौंफ, बड़ी इलायची, अगियाघास, बनफशा, लाल चंदन और ब्राह्मी को मिलाएं और कूट डालें। उस पाउडर को किसी कांच के बर्तन में रख लें। चाय के स्थान पर इसका प्रयोग करने से चाय की हानियों से भी बचेंगे और स्वस्थ भी रहेंगे।

सिजेरियन डिलिवरी से कई दिक्कतें...

पिछले कुछ समय से सीजेरियन डिलीवरी ज्यादा हो रही हैं। सीजेरियन डिलीवरी, एक प्रकार की सर्जरी होती है जिसके द्वारा अप्राकृतिक रूप से प्रसव करवाया जाता है, इसमें गर्भाशय में चीरा लगाकर बच्चे को बाहर निकाल लिया जाता है। अन्य ऑपरेशन की तरह इसके बाद भी कई प्रकार की दिक्कतें भी झेलनी पड़ती हैं। महिलाएं, इस बारे में बिल्कुल भी जागरूक नहीं होती है कि सीजेरियन का असर उनके बच्चे के स्वास्थ्य पर किस प्रकार पड़ता है। जिस बच्चे का जन्म, सामान्य प्रसव से नहीं होता है उसकी इम्यूनिटी कम हो जाती है। ऐसी एक नहीं बल्कि कई अन्य समस्याएं भी होती हैं।

शरीर कमजोर होना

सीजेरियन डिलीवरी होने के बाद महिला का शरीर ज्यादा कमजोर हो जाता है और वह, सामान्य प्रसव की अपेक्षा दो गुना रक्त खो देती है। सामान्य प्रसव में सिर्फ दर्द होता है लेकिन ऑपरेशन से प्रसव होने के बाद महिला का शरीर अंदर से काफी कमजोर हो जाता है, जो कि जीवनपर्यन्त समस्या बन जाती है। ऐसी महिलाओं को अस्थमा, डायबटीज और मोटापे की समस्या हो सकती है।

बच्चे में मोटापा

कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि बच्चों का प्रसव, ऑपरेशन से होने पर उनमें मोटापे की समस्या हो जाती है। मां के साथ-साथ बच्चे को भी मोटापे का भय रहता है, उनका वजन ज्यादा हो जाता है। उनकी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा वे ज्यादा भारी-भरकम नजर आते हैं। सामान्य प्रसव से पैदा होने वाले बच्चे, ऑपरेशन से पैदा होने वाले बच्चों की अपेक्षा 46 प्रतिशत ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। ऐसे में बच्चे को अप्रत्यक्ष रूप से कई और भी दिक्कतें हो जाती है जिसकी जड़ मोटापा होता है।

डायबिटीज का खतरा

बच्चे में टाइप 1 प्रकार की डायबिटीज का खतरा भी इस प्रकार के प्रसव की देन हो सकती है। उम्र से पहले ज्यादा उम्र का दिखना जैसी समस्या भी आम बात है। इंसुलिन की मात्रा भी संतुलित नहीं ही रहती है। ऐसे बच्चे, बचपन में इतने कमजोर होते हैं कि उनमें ताउम्र कोई न कोई समस्या बनी ही रहती है।

बच्चे में सांस की समस्या

ऑपरेशन से होने वाले बच्चे को सांस संबंधी समस्या हो सकती है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि सर्जरी से होने वाले बच्चों में ब्रोनकाईटिस आदि की समस्या ज्यादा होती है। जन्मनाल के माध्यम से न गुजरने के कारण बच्चा, प्राकृतिक रूप से कमजोर हो जाता है, उसकी इम्यूनिटी कम हो जाती है, उसे एलर्जी संबंधी समस्या भी जल्दी हो जाती है।

रेसिपी

पालक मंगौड़ी

सामग्री

1 3/4 कप कटी और हल्की उबली हुई पालक , सुलभ सुझाव देखें, 1 कप क्रश की हुई तैयार मूंग दाल मंगौड़ी, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टी-स्पून गरम मसाला, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर

नमक स्वादअनुसार

विधि

पालक को मिक्सर में, बिना पानी का प्रयोग किए, पीसकर मुलायम प्युरी बना लें। एक तरफ रख दें। एक प्रैशर कुकर में, मंगौड़ी को 2 कप पानी के साथ मिलाकर, 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से सारी भाप निकलने दें। पानी छानकर रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन मे तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुन लें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, पालक की पयुरी, गरम मसाला, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला ले और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आँच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। पकी हुई मंगौड़ी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आँच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

HEALTH

उच्च वसायुक्त आहार से खुद को रखें दूर

स्वभाव में बदलाव ला सकता है भोजन

अत्यधिक वसायुक्त भोजन आपके मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जिसके चलते आपके स्वभाव में भी बदलाव आ सकता हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक अध्ययन में यह बात सामने आई हैं कि यह बदलाव घबराहट, स्मृतिलोप और बर्ताव में दोहराव के रूप में हो सकता है। एक शोध से पता चला है कि जो लोग मोटे न हों उन्हें भी उच्च वसायुक्त आहार से बचना चाहिए।

मनुष्य और सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध होते हैं बाधित

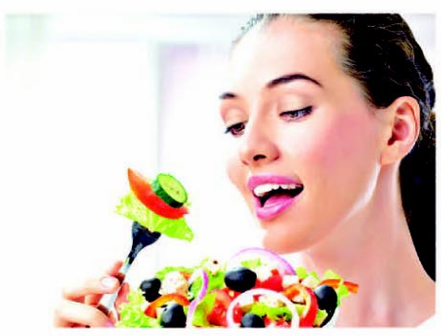

शोधकर्ताओं के अनुसार, उच्च वसायुक्त भोजन के कारण उदर में पाए जाने वाले जीवाणुओं में परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य एवं बर्ताव में इस तरह का हल्का सा परिवर्तन पैदा होता है। बॉयोलॉजिकल साइकियाट्री के संपादक जॉन क्रिस्टल का कहना है, इस शोध पत्र के अनुसार उच्च वसायुक्त आहार के कारण मनुष्यों एवं सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध के बाधित होने के कारण हमारे मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अमेरिका के लूसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने इस बात की जांच की कि क्या मोटापा से जुड़े सूक्ष्मजीवी बर्ताव में भी परिवर्तन लाते हैं और यह मोटापा न होने की सूरत में भी क्या संभव है। यह प्रयोग चूहे पर किया गया।

टीवी देखने से बढ़ता है मधुमेह का खतरा

टीवी के सामने बिताया जाने वाला हर एक घंटा मधुमेह के रोग होने के खतरे को 3 प्रतिशत तक बढ़ाता है। वर्ष 2002 में हुए एक शोध में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के डाटा का शोधार्थियों ने इस अध्ययन में प्रयोग किया। इस शोध में 1996 से 1999 के बीच 3234 मोटापे से ग्रस्त 25 साल से ज्यादा उम्र के अमेरिकी वयस्कों को शामिल किया गया था। ताजा अध्ययन एक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक टीवी देखने में बिताए गए हर एक घंटे से मुधमेह के बढ़ने के खतरे में लगभग 3.4 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई।

फणसी ढ़ोकली

सामग्री

ढ़ोकली के लिए: 3 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 टी-स्पून हींग, 2 चुटकी अजवायन, 1/2 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप कटी हुई फणसी, 2 टी-स्पून तेल 1 टी-स्पून अजवायन, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार,

सजाने के लिए: 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ढ़ोकली के लिए: सभी सामग्री को एक बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी मिलाकर हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को 30-35 भाग में बांट ले। प्रत्येक भाग को अपने अंगूठे से दबाकर छोटी गोल ढ़ोकली बना लें। एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, अजवायन और हींग डालकर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। फणसी, 1 कप पानी, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 5 से 7 मिनट या फणसी के नरम होने तक पका लें। ढ़ोकली डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, और 10-12 मिनट के लिए धिमी आँच पर पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**